दैनिक
बुलन्द मंज़िल
Daily Bilingual News Paper (Hindi & English)

PRGI NO. - UPBIL/25/A4797

उ.प्र. के जनपद सम्भल से प्रकाशित...
बरेली मण्डल व मुरादाबाद मण्डल के जनपद अमरोहा, रामपुर, बिजनौर से प्रसारित...

वर्ष : 01 | अंक : 140 | संभल, रविवार 03 मई 2026 | पृष्ठ : 12 | मूल्य: 05/-रू.

पेज :- 03- गहनों को लेकर ससुराल में बवाल, लाठी-डंडों से ...

पेज :- 04- स्मार्ट मीटरों के खिलाफ महिलाओं का प्रदर्शन, हटाने ...

योगी का सख्त निर्देश, बोले

खोदी गई सड़क और गड्ढे तुरंत भरें, जल जीवन मिशन में लापरवाही बर्दाश्त नहीं

- टोल फ्री नंबर पर कीजिए शिकायत
- जिलाधिकारी व अन्य वरिष्ठ अधिकारी खुद स्थलीय निरीक्षण कर यह सुनिश्चित करेंगे।

लखनऊ: मुख्यमंत्री योगी ने जल जीवन मिशन के तहत खुदी सड़कों और गड्ढों को तुरंत भरने के निर्देश दिए हैं। लापरवाही पर ठेकेदारों को ब्लैकलिस्ट किया जाएगा। अधिकारियों को निरीक्षण के आदेश दिए गए हैं ताकि जनता को सुरक्षित और सुचारु जलापूर्ति मिल सके। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सभी जिलाधिकारियों को निर्देश दिया है कि जल जीवन मिशन के तहत खुदाई का काम करते समय सुरक्षा के सभी मानकों का सख्ती से पालन किया जाए और कार्य संपन्न होते ही खोदी गई सड़कों व गड्ढों को तत्काल भरा जाए। जिलाधिकारी व अन्य वरिष्ठ अधिकारी खुद स्थलीय निरीक्षण कर यह सुनिश्चित करेंगे। इसमें लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। योगी सरकार शहरी इलाकों से लेकर

ग्रामीण क्षेत्रों में साफ पानी पहुंचाने के लिए लगातार काम कर रही है। जल जीवन मिशन के जरिए करोड़ों लोगों को इसका लाभ पहुंचाया जा रहा है। मुख्यमंत्री के निर्देश के मुताबिक प्रदेश के सभी जिलों में जिलाधिकारी, जल जीवन मिशन से जुड़े वरिष्ठ अधिकरी तथा अन्य संबंधित विभागीय अधिकारी स्थलीय निरीक्षण कर खुदी हुई सड़कों व गड्ढों की स्थिति का पता करें। साथ ही इन्हें तत्काल भरना भी सुनिश्चित करें। इस काम में किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। काम को समय से पूरा नहीं करने, अधूरा छोड़ने या इसमें लापरवाही बरतने वाली कार्यदायी संस्थाओं व ठेकेदारों पर जुमार्ना लगाने के साथ ही उन्हें ब्लैकलिस्ट करने की कार्रवाई की जाए। सीएम ने अधिकारियों को यह भी निर्देश दिया कि जल समाधान पोर्टल पर आपूर्ति, लीकेज व खुदाई से जुड़ी शिकायतों का निस्तारण प्राथमिकता के आधार पर किया जाए। टोल फ्री नंबर पर कीजिए शिकायत जल जीवन मिशन के तहत जलापूर्ति या मरम्मत संबंधित शिकायतों के लिए लोग 18001212164 टोल फ्री नंबर पर शिकायत भी दर्ज करा सकते हैं। गौरतलब है कि उत्तर प्रदेश में करीब 2.50 करोड़ से ज्यादा ग्रामीण परिवारों को नल से जल कनेक्शन पहुंचाया जा चुका है। विंध्य और बुंदेलखंड में लगभग शत-प्रतिशत लक्ष्य हासिल कर लिया गया है। योगी सरकार घर-घर साफ पानी पहुंचाने का काम युद्धस्तर पर कर रही है।

कांकेर में आईईडी विस्फोट की चपेट में आने से तीन जवान शहीद, एक अन्य घायल

कांकेर। छत्तीसगढ़ के कांकेर जिले में एक आईईडी विस्फोट में जिला रिजर्व गार्ड (डीआरजी) के एक अधिकारी समेत तीन जवानों की मौत हो गई तथा एक अन्य जवान घायल हो गया। पुलिस अधिकारियों ने शनिवार को यह जानकारी दी। राज्य को 31 मार्च को सशस्त्र माओवादियों से मुक्त घोषित किए जाने के बाद नक्सल गतिविधियों से जुड़ी विस्फोट की यह पहली घटना है। पुलिस अधिकारियों के अनुसार छोटेबेठिया थानाक्षेत्र में कांकेर-नारायणपुर जिले की सीमा के पास सुरक्षाबलों को बारूदी सुरंग को निष्क्रिय करने और गश्त के लिए भेजा गया था। उन्होंने बताया कि बारूदी सुरंग को निष्क्रिय करने के अभियान के दौरान दुर्घटनावश विस्फोट हो जाने से कांकेर डीआरजी के चार जवान घायल हो गए थे। उन्होंने बताया कि घायल जवानों में तीन-निरीक्षक सुखराम वट्टी, आरक्षक कृष्णा कोमरा और आरक्षक संजय गढपाले की

बाद में मौत हो गई तथा परमानंद कोमरा का इलाज चल रहा है। बस्तर क्षेत्र के पुलिस महानिरीक्षक सुंदरराज पट्टिलिंगम ने बताया कि पिछले कुछ महीनों में आत्मसमर्पण कर चुके माओवादी कैडरों से प्राप्त जानकारी तथा अन्य सूचना के आधार पर बस्तर क्षेत्र में माओवादियों द्वारा पूर्व में छिपाकर रखे गए सैकड़ों आईईडी को पुलिस और सुरक्षाबलों ने बरामद कर निष्क्रिय कर दिये हैं। सुंदरराज ने बताया कि आज जब कांकेर जिला पुलिस दल आईईडी को निष्क्रिय कर रहा था, तभी उसमें अचानक विस्फोट हो गया, जिसके कारण तीन जवानों की मृत्यु हो गई तथा एक अन्य गंभीर रूप से घायल हो गया। अधिकारियों ने बताया कि मामले में और जानकारी जुटाई जा रही है। छत्तीसगढ़ में 31 मार्च को नक्सलवाद की समाप्ति की घोषणा के बाद बारूदी सुरंग विस्फोट में जवानों की मौत और घायल होने की यह पहली घटना है। राज्य के नक्सल प्रभावित क्षेत्रों, खासकर बस्तर क्षेत्र के जंगलों में नक्सलियों ने पूर्व में बड़ी संख्या में बारूदी सुरंगें बिछाई थीं, जो अब भी वहां तैनात सुरक्षाबलों और ग्रामीणों के लिए बड़ी चुनौती बनी हुई हैं। पुलिस अधिकारियों के मुताबिक, सुरक्षाबल के जवान क्षेत्र में लगातार बारूदी सुरंगों की तलाश और उन्हें निष्क्रिय करने की कार्रवाई में जुटे हुए हैं।

सार संक्षेप

पुणे में 4 वर्षीय बच्ची की रेप के बाद हत्या, 65 वर्षीय बुजुर्ग गिरफ्तार

पुणे। महाराष्ट्र में पुणे जिले के एक गांव में चार वर्षीय बच्ची का यौन उत्पीड़न करने और उसकी हत्या करने के आरोप में एक बुजुर्ग को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने शनिवार को यह जानकारी दी। एक अधिकारी ने बताया कि पुलिस ने शुक्रवार को भोर तहसील में हुई घटना के सिलसिले में 65 साल के एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। उन्होंने कहा, आरोपी ने बच्ची को कथित तौर पर भोजन का लालच देकर फुसलाया और वह उसे मवेशियों के बाड़े में ले गया, जहां उसने उसका यौन उत्पीड़न किया और फिर उसकी हत्या कर दी। अधिकारी ने बताया कि बच्ची के लापता होने पर उसके रिश्तेदारों ने उसकी तलाश शुरू की और इसी दौरान एक निजी आवास के सीसीटीवी फुटेज में आरोपी, बच्ची के साथ नजर आया। उन्होंने बताया कि आरोपी को जल्द ही गिरफ्तार कर लिया गया। इस घटना से इलाके में आक्रोश फैल गया और सैकड़ों ग्रामीणों ने पुलिस चौकी पर एकत्र होकर आरोपी के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की। बाद में लोगों की भीड़ ने मुंबई-बेंगलुरु राजमार्ग को अवरुद्ध कर दिया जिससे यातायात बाधित हो गया।

महाराष्ट्र बोर्ड ने घोषित किए 12वीं के नतीजे, लड़कियों ने किया बेहतर प्रदर्शन

पुणे। महाराष्ट्र राज्य माध्यमिक एवं उच्च माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (एमएसबीएसएचसीई) ने शनिवार को कक्षा 12वीं (एचएससी) की परीक्षा के परिणाम घोषित किए, जिसमें कुल 89.79 प्रतिशत छात्र उत्तीर्ण हुए। राज्यव्यापी परिणामों में एक बार फिर लड़कियों ने बाजी मारते हुए लड़कों से बेहतर प्रदर्शन किया। बोर्ड के अध्यक्ष त्रिगुण कुलकर्णी द्वारा घोषित परिणामों के अनुसार, लड़कियों का उत्तीर्ण प्रतिशत 93.15 रहा, जबकि 86.80 प्रतिशत लड़के सफल हुए। उच्चतर माध्यमिक विद्यालय (एचएससी) परीक्षा के लिए कुल 14,44,713 छात्रों ने पंजीकरण कराया था, जिनमें से 14,33,058 छात्र परीक्षा में शामिल हुए और 12,86,843 छात्र उत्तीर्ण हुए। यह परीक्षा फरवरी और मार्च में आयोजित की गई थी। कोंकण संभाग 94.14 प्रतिशत बच्चों के उत्तीर्ण होने के साथ शीर्ष पर रहा, वहीं लातूर संभाग 84.14 प्रतिशत के साथ सबसे निचले पायदान पर रहा। कुलकर्णी ने बताया कि संकायवार प्रदर्शन में विज्ञान संकाय का परिणाम सबसे बेहतर 96.44 प्रतिशत रहा। वहीं, वाणिज्य संकाय में 87.03 प्रतिशत, व्यावसायिक पाठ्यक्रम में 82.74 प्रतिशत, आईटीआई में 81.78 प्रतिशत और कला संकाय में 78.02 प्रतिशत छात्र सफल रहे।

सुप्रीम कोर्ट ने टीएमसी की याचिका खारिज की

मतगणना कर्मियों पर निर्वाचन आयोग का फैसला बरकरार

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में मतगणना के लिए केंद्र सरकार के कर्मियों की तैनाती संबंधी निर्वाचन आयोग के परिपत्र को चुनौती देने वाली तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) की याचिका पर शनिवार को सुनवाई करते हुए कहा कि इस याचिका पर आगे कोई आदेश आवश्यक नहीं है। याचिका में तृणमूल कांग्रेस ने कलकत्ता हाई कोर्ट द्वारा याचिका खारिज किए जाने के फैसले को चुनौती दी है। न्यायमूर्ति पी एस नरसिम्हा और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की विशेष पीठ ने कहा कि निर्वाचन आयोग (ईसी) मतगणना कर्मियों का चयन कर सकता है और उसके 13 अप्रैल के परिपत्र को गलत नहीं कहा जा सकता है। निर्वाचन आयोग ने कहा कि परिपत्र में स्पष्ट रूप से कहा गया है कि केंद्रीय और राज्य सरकार के कर्मचारी संयुक्त रूप से काम करेंगे और तृणमूल कांग्रेस की किसी भी प्रकार की गड़बड़ी की आशंका निराधार है। निर्वाचन आयोग ने अदालत को आश्वासन दिया कि परिपत्र का अक्षरशः पालन किया जाएगा। तृणमूल कांग्रेस की ओर से पेश हुए वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल ने शुरूआत में कहा था कि परिपत्र 13 अप्रैल का था लेकिन उन्हें इसकी जानकारी 29 अप्रैल को मिली। पीठ ने याचिका की सुनवाई के दौरान कहा कि निर्वाचन आयोग मतगणना कर्मियों का चयन केवल एक ही समूह अर्थात केंद्र सरकार से कर सकता है और इसलिए उसके परिपत्र को गलत नहीं कहा जा सकता। निर्वाचन आयोग की ओर से पेश हुए वरिष्ठ अधिवक्ता डी एस नायडू ने कहा कि निर्वाचन अधिकारी राज्य सरकार का कर्मचारी होता है और उसे सरकारी कर्मचारियों के किसी भी समूह से कर्मियों को तैनात करने का पूर्ण अधिकार प्राप्त है। इसके बाद सिब्बल ने कहा कि वह चाहते हैं कि परिपत्र को यथावत लागू किया जाए। न्यायमूर्ति बागची ने पूछा कि यदि वे परिपत्र का अनुपालन चाहते हैं, तो तृणमूल अदालत में क्यों है? इसके बाद पीठ ने याचिका खारिज करते हुए कहा कि आगे किसी आदेश की आवश्यकता नहीं है। पश्चिम बंगाल विधानसभा की 294 सीट के लिए मतदान दो चरणों में 23 अप्रैल और 29 अप्रैल को हुआ। मतगणना चार मई को होगी। कलकत्ता हाई कोर्ट ने 30 अप्रैल को निर्वाचन आयोग के परिपत्र के खिलाफ तृणमूल कांग्रेस की याचिका खारिज करते हुए कहा कि राज्य सरकार के कर्मचारियों के बजाय केंद्र सरकार और सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों (पीएसयू) के कर्मचारियों को मतगणना पर्यवेक्षक और सहायक नियुक्त करने के निर्वाचन आयोग के निर्णय में कुछ अवैध नहीं है।

भारत ने लॉन्च किया स्वदेशी इमरजेंसी अलर्ट सिस्टम

अब संकट से पहले मिलेगा मैसेज, देशभर के करोड़ों मोबाइल में गूंजा अलर्ट

नई दिल्ली। अगर आज आपके मोबाइल फोन पर अचानक एक तेज सायरन जैसी आवाज और इमरजेंसी अलर्ट का मैसेज आया है, तो घबराने की जरूरत नहीं है। भारत सरकार ने आज अपनी स्वदेशी सेल ब्रॉडकास्ट आपातकालीन चेतावनी प्रणाली का औपचारिक आगाज कर दिया है। इसी तकनीक का परीक्षण करने के लिए शनिवार को देशभर के करोड़ों मोबाइल यूजर्स को एक टेस्ट मैसेज भेजा गया। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और केंद्रीय संचार मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने आज संयुक्त रूप से इस हाई-टेक प्लेटफॉर्म को लॉन्च किया। इस प्रणाली का केंद्र सचेत नामक एकीकृत अलर्ट सिस्टम है। इसे दूरसंचार विभाग की अनुसंधान शाखा सी-डीओटी ने अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप विकसित किया है। वर्तमान में यह सेवा देश के सभी 36 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में सक्रिय हो चुकी है। सायरन और वाइब्रेशन जब सरकार यह अलर्ट भेजेगी, तो आपका फोन चाहे साइलेंट या डू नॉट डिस्टर्ब मोड पर क्यों न हो, वह एक तेज अलार्म के साथ वाइब्रेट करेगा। मैसेज सीधे स्क्रीन पर पॉप-अप होगा ताकि यात्री या सो रहे व्यक्ति का ध्यान तुरंत इस पर जाए। आपको बता दें कि आपदा प्रबंधन प्राधिकरण अब तक 19 से अधिक भारतीय भाषाओं में 134 अरब से ज्यादा अलर्ट भेज चुका है। सचेत प्रणाली प्राकृतिक और मानव निर्मित, दोनों तरह की आपदाओं में जीवनरक्षक साबित होगी, भूकंप, सुनामी, चक्रवात, बिजली गिरना और बाढ़ जैसी स्थिति में। गैस रिसाव, केमिकल दुर्घटना या अन्य किसी बड़े सार्वजनिक खतरे के दौरान।

बेअदबी रोधी कानून के तहत श्री मुक्तसर साहिब में दर्ज किया गया पहला मामला

चंडीगढ़। पंजाब पुलिस ने श्री मुक्तसर साहिब जिले की एक झुग्गी बस्ती में एक धार्मिक ग्रंथ के फटे पन्ने मिलने के बाद नए बेअदबी-रोधी कानून के तहत पहला मामला दर्ज किया है। पुलिस के एक अधिकारी ने शनिवार को बताया कि श्री मुक्तसर साहिब के मलोट स्थित कुचियां मोहल्ला में सुखमनी साहिब गुटका के फटे पन्ने मिलने की शिकायत के बाद बृहस्पतिवार रात मामला दर्ज किया गया। पुलिस उपाधीक्षक हरजीत सिंह ने बताया कि इस मामले में अज्ञात व्यक्तियों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई है। पुलिस ने बताया कि गुटका साहिब के पन्ने गुरुद्वारे को सौंप दिए गए हैं।

प्राथमिकी भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 299 और जागत जोत श्री गुरु ग्रंथ साहिब सत्कार (संशोधन) अधिनियम, 2026 की धारा पांच के तहत दर्ज की गई है। भारतीय न्याय संहिता की धारा 299 के तहत किसी धर्म या धार्मिक आस्थाओं का अपमान कर किसी वर्ग की धार्मिक भावनाओं को आहत करने के इरादे से जानबूझकर किए गए दुर्भावनापूर्ण कृत्य अपराध होते हैं। पंजाब सरकार ने बेअदबी-रोधी कानून श्जागत जोत श्री गुरु ग्रंथ साहिब सत्कार (संशोधन) अधिनियम, 2026श को पिछले महीने अधिसूचित किया था। इसमें सिखों के पवित्र ग्रंथ गुरु ग्रंथ साहिब की बेअदबी के किसी भी कृत्य के लिए उम्रकैद और 25 लाख रुपये तक के जुमार्ने सहित कड़ी सजा का प्रावधान है।

जम्मू में बड़ा हादसा : पुराने पुल का हिस्सा गिरा, तीन शव बरामद, दो अभियंता निलंबित

जम्मू। जम्मू के बाहरी इलाके में आंशिक रूप से ढहे एक पुराने पुल के मलबे से बचाव कर्मियों ने 12 घंटे के तलाशी एवं बचाव अभियान के दौरान तीन शव बरामद किए और एक व्यक्ति को घायल अवस्था में बाहर निकाला। अधिकारियों ने शनिवार को यह जानकारी दी। बनतालाब के ठठर इलाके में शुक्रवार को पुल का एक हिस्सा गिरने के तुरंत बाद मलबे से एक मजदूर को घायल अवस्था में निकाला गया था। उपमुख्यमंत्री सुरिंदर कुमार चौधरी ने आधी रात को घटनास्थल पर पहुंचकर स्थिति का जायजा लिया और दो अभियंताओं को निलंबित करने का आदेश दिया। अधिकारियों के अनुसार, पिछले साल आई अचानक बाढ़ में क्षतिग्रस्त हुए इस पुल का निर्माण कार्य कर रहे थे, तभी उसका एक

हिस्सा ढह गया और चार मजदूर मलबे में दब गए। पुलिस, सेना, राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ), राज्य आपदा मोचन बल (एसडीआरएफ) तथा अग्निशमन एवं आपातकालीन विभाग ने तुरंत संयुक्त बचाव अभियान शुरू किया। बचाव दल ने सबसे पहले तरसेम लाल नामक मजदूर को मलबे से बाहर निकाला। एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया, तलाशी एवं बचाव अभियान आज सुबह समाप्त हो गया। घटनास्थल से तीन शव बरामद किए गए हैं, जबकि घायल अवस्था में दो अन्य लोगों को मलबे से निकाला गया। अधिकारियों ने बताया कि यह अभियान करीब 12 घंटे तक चला। घायलों में अग्निशमन एवं आपातकालीन सेवा विभाग के संभागीय अग्निशमन अधिकारी मोहम्मद जाफर भी शामिल हैं, जो बचाव अभियान के दौरान चट्टान की चपेट में आने से घायल हो गए थे। सभी घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घटनास्थल पर पहुंचे उपमुख्यमंत्री ने मौके पर मौजूद पत्रकारों से कहा, मैंने सहायक कार्यकारी अभियंता और कनिष्ठ अभियंता को निलंबित करने का आदेश दिया है। मुख्य अभियंता को निर्देश दिए गए हैं कि कार्यकारी अभियंता को भी इसमें संबद्ध किया जाए। चौधरी ने घटना की जांच के आदेश देते हुए अधिकारियों को यह काम पांच दिन के भीतर पूरा करने को कहा। अधिकारियों के अनुसार, सहायक कार्यकारी अभियंता साहिल वर्मा और कनिष्ठ अभियंता सज्जाद मीर को जांच पूरी होने तक निलंबित कर दिया गया है।

इलाहाबाद हाईकोर्ट ने संभल में सार्वजनिक जमीन पर नमाज की अनुमति से किया इनकार

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने शनिवार को उत्तर प्रदेश के संभल जिले में एक सार्वजनिक जमीन पर नमाज पढ़ने की अनुमति देने से इनकार कर दिया। कोर्ट ने कहा कि धार्मिक आजादी के नाम पर इस पर कब्जे की इजाजत नहीं दी जा सकती है। जस्टिस सरल श्रीवास्तव और जस्टिस गरिमा प्रसाद की डिवीजन बेंच ने यह आदेश असीन नाम के एक व्यक्ति की रिट याचिका को खारिज करते हुए दिया। असीन ने दावा किया था कि अधिकारी इकोना गांव में जमीन के एक टुकड़े पर नमाज अदा करने से रोक रहे हैं। याचिकाकर्ता ने 16 जून 2023 की एक रजिस्टर्ड गिफ्ट डीड (दान पत्र) के आधार पर जमीन पर अपना मालिकाना हक जताया। असीन ने तर्क दिया कि उसे और अन्य नमाजियों को परिसर में नमाज अदा करने से गैर-कानूनी रूप से रोका जा रहा है। उसने आगे आरोप लगाया कि यह रुकावट मनमानी थी और कुछ सामाजिक तत्वों के साथ मिलीभगत करके की गई थी, जो संविधान के तहत गारंटीकृत मौलिक अधिकारों का उल्लंघन है। हालांकि, उत्तर प्रदेश सरकार ने याचिका का विरोध किया और कहा कि विचाराधीन जमीन श्आबादी जमीनश के रूप में दर्ज है, जो सार्वजनिक उपयोग के लिए है। सरकार ने यह भी कहा कि याचिकाकर्ता अपना मालिकाना हक साबित करने में विफल रहा है। यह भी कहा गया कि उस जमीन पर पारंपरिक रूप से सिर्फ विशेष अवसरों (जैसे ईद) पर ही नमाज अदा की जाती रही है।

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने अपने संसदीय क्षेत्र में सुनीं लोगों की समस्याएं

कोटा। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला शनिवार को अपने संसदीय क्षेत्र कोटा पहुंचे, जहां लोगों ने उनका पगड़ी और माला पहनाकर स्वागत किया। इस दौरान वे आम लोगों से मुखातिब हुए और उनकी समस्याएं भी सुनीं। ओम बिरला ने लोगों की समस्याओं को हल करने का संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिया। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को स्पष्ट करते हुए कहा कि लोगों की समस्याओं को हल करने की दिशा में किसी भी प्रकार की कोताही स्वीकार नहीं की जाएगी। जानकारी के मुताबिक, ओम बिरला अपने दौरे के दौरान विभिन्न प्रकार के कार्यक्रमों में हिस्सा लेंगे और अन्य लोगों से भी संवाद स्थापित करेंगे। वहीं, लोकसभा अध्यक्ष ने अपने दौरे के बारे में पत्रकारों से बातचीत में जानकारी दी। उन्होंने कहा कि मैं अपने संसदीय क्षेत्र में जब भी जाता हूं, तो मैं लोगों से मुखातिब होता हूं। उनकी समस्याओं और आकांक्षाओं को सुनता हूं। उन्होंने कहा कि हर जनप्रतिनिधित्व का यह मौलिक कर्तव्य होना चाहिए कि वो अपने क्षेत्र के लोगों के साथ खड़ा रहे और उनकी समस्याओं को सुनकर उसे फौरन सुलझाने का काम करें। हर जनप्रतिनिधित्व को अपने लोगों के बारे में फिक्र होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि हम जनसेवक हैं और जनसेवक होने के नाते हमारा यह कर्तव्य होना चाहिए कि हम अपने लोगों के प्रति संवेदनशील रहे। मैं अपना यह काम पूरी ईमानदारी के साथ करने की कोशिश कर रहा हूं। मैं अपने काम को लेकर पूरी तरह से प्रतिबद्ध हूं। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने इस बात पर जोर देते हुए कहा कि एक जनसेवक होने के नाते हमारा यह कर्तव्य होना चाहिए कि हम अपने क्षेत्र में विकास के दायरे को बढ़ाए। इसके इतर, कैसे रोजगार की संभावनाओं को बढ़ाना है, इस दिशा में भी कदम बढ़ाया जाए। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में यही प्रक्रिया होती है कि आप जितने ज्यादा लोगों से संपर्क स्थापित करेंगे, आपको उतनी ही तथ्यात्मक जानकारी मिलेगी। इससे आपको आगे की कार्ययोजना तैयार करने में मदद मिलेगी। इसके अलावा, उन्होंने जनगणना को लेकर कहा कि देशभर में जनगणना हो रही है। मैं सभी लोगों से अपील करता हूं कि वो आगे आकर इस जनगणना में अपनी भागीदारी निभाएं, ताकि देश की वास्तविक जनसंख्या के बारे में जानकारी मिल सके। वास्तविक जनसंख्या आने से विकास का पूरा रोडमैप तैयार करने में मदद मिलेगी। मुझे पूरा भरोसा है कि जब जनगणना सटीक होगी, तो हमें इसके बेहतर परिणाम देखने को मिलेंगे।

संपादकीय

बाहरी झटकों से जूझती भारतीय अर्थव्यवस्था

भारत की अर्थव्यवस्था को एक अप्रत्याशित झटका लगा है। कुछ समय पहले तक देश वैश्विक आर्थिक परिदृश्य में चौथे स्थान पर पहुंचने की दहलीज पर खड़ा था, लेकिन अंतरराष्ट्रीय परिस्थितियों ने इस आशावाद को झकझोर दिया। अमेरिका और ईरान के बीच बढ़ते तनाव ने कच्चे तेल की कीमतों को ऊंचाई पर पहुंचा दिया है, जिससे भारत की वह पुरानी कमजोरी फिर उजागर हुई है यानी आयातित ऊर्जा, विदेशी निवेश और प्रेषणों पर अत्यधिक निर्भरता। तेल की कीमतों में उछाल का सीधा असर चालू खाते के घाटे पर पड़ा है। साथ ही वैश्विक अनिश्चितता के माहौल में विदेशी संस्थागत निवेशकों ने उभरते बाजारों से पूंजी निकालनी शुरू कर दी। परिणामस्वरूप विदेशी मुद्रा भंडार पर दबाव बढ़ा और रुपया डॉलर के मुकाबले ऐतिहासिक गिरावट के स्तर तक पहुंच गया। मुद्रा के इस अवमूल्यन ने भारतीय अर्थव्यवस्था के वैश्विक मूल्यांकन को भी प्रभावित किया, जिससे भारत एक बार फिर छठे स्थान पर खिसक गया। हालांकि यह रैंकिंग वास्तविक आर्थिक क्षमता का पूर्ण प्रतिबिंब नहीं होती, फिर भी यह राष्ट्रीय आत्मविश्वास और वैश्विक प्रतिष्ठा से जुड़ी होती है। दिलचस्प यह है कि 2016 में ब्रेक्सिट के बाद पाउंड की कमजोरी ने भारत को छठे स्थान पर पहुंचाया था और अब मुद्रा के उतार-चढ़ाव ने उसे पीछे धकेल दिया है। यह घटनाक्रम इस बात का संकेत है कि बाहरी झटकों के प्रति भारतीय अर्थव्यवस्था अब भी संवेदनशील बनी हुई है। इसके बावजूद भारत की विकास दर 6-7 प्रतिशत के आसपास बनी रहने का अनुमान है और 2028 तक तीसरे स्थान पर पहुंचने का लक्ष्य यथावत है। किंतु यह भी उतना ही स्पष्ट है कि आयातित कच्चे तेल पर निर्भर विकास टिकाऊ नहीं हो सकता। यदि भारत को दीर्घकालिक आर्थिक स्थिरता हासिल करनी है, तो उसे ऊर्जा आत्मनिर्भरता की दिशा में नवीन तकनीकों, वैकल्पिक ऊर्जा स्रोतों और संरचनात्मक सुधारों की दिशा में निर्णायक कदम उठाने होंगे। तभी भारतीय अर्थव्यवस्था को तेज और टिकाऊ गति मिल सकेगी।

अस्थिर दुनिया में आईएमईसी नया विकल्प

वैश्विक अर्थव्यवस्था आज बहुस्तरीय दबावों से गुजर रही है। एक ओर भू-राजनीतिक तनावों ने व्यापारिक प्रवाह बाधित किया है, तो दूसरी ओर समुद्री मार्गों की असुरक्षा ने ऊर्जा आपूर्ति और वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं पर गंभीर प्रश्नचिह्न लगा दिए हैं। खाद्य संकट, बढ़ती परिवहन लागत और अनिश्चित कूटनीतिक समीकरणों के बीच विकासशील देशों विशेषकर भारत के सामने यह चुनौती और भी गहरी हो जाती है कि वह अपना आर्थिक विकास किस तरह स्थिर रखे। ऐसे में वैकल्पिक मार्गों की तलाश केवल विकल्प नहीं, बल्कि रणनीतिक जरूरत बन चुकी है। इसी संदर्भ में इंडिया-मिडिल ईस्ट-यूरोप इकोनॉमिक कॉरिडोर (आईएमईसी) एक दूरदर्शी पहल है। नई दिल्ली में 2023 के जी-20 शिखर सम्मेलन के दौरान इसकी रूपरेखा प्रस्तुत की गई थी, जिसमें भारत, अमेरिका, सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात और यूरोपीय देशों ने मिलकर एक ऐसे बहुआयामी गलियारे की कल्पना की जो एशिया, मध्य पूर्व और यूरोप को आधुनिक बुनियादी ढांचे के माध्यम से जोड़े। यह केवल एक व्यापारिक परियोजना नहीं, बल्कि वैश्विक शक्ति संतुलन को पुनर्परिभाषित करने की महत्वाकांक्षी कोशिश है।

दरअसल, यह समुद्री और रेल मार्गों का एक हाइब्रिड तंत्र है, जिसमें जहाज, रेल, सड़क, पाइपलाइन, पनडुब्बी केबल और डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर का समन्वय है। पूर्वी गलियारा भारत को खाड़ी देशों से जोड़ता है, जबकि उत्तरी गलियारा संयुक्त अरब अमीरात से सऊदी अरब, जॉर्डन व इजराइल होते हुए यूरोप तक जाता है। वर्तमान वैश्विक संदर्भ ने आईएमईसी की प्रासंगिकता को और अधिक बढ़ा दिया है। लाल सागर में बढ़ते हमले, होर्मुज और बाब-अल-मंदेब जैसे महत्वपूर्ण समुद्री चोकपॉइंट्स पर तनाव और पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष ने अंतरराष्ट्रीय व्यापार को जोखिम में डाल दिया है। विश्व का लगभग 20% तेल होर्मुज से गुजरता है, जबकि बाब-अल-मंदेब से तेल और इंटरनेट ट्रैफिक का बड़ा हिस्सा संचालित होता है। इन मार्गों पर अस्थिरता का अर्थ है लंबे रास्ते, बढ़ती लागत और बाधित आपूर्ति श्रृंखला। भारत, जिसका लगभग 95% व्यापार समुद्री मार्गों पर निर्भर है, इस स्थिति से विशेष रूप

से प्रभावित होता है। ऐसे में आईएमईसी एक वैकल्पिक, तेज और अपेक्षाकृत सुरक्षित मार्ग प्रदान करता है। यह न केवल लॉजिस्टिक लागत को कम करेगा, बल्कि यूरोप तक भारतीय निर्यात की पहुंच को भी तेज बनाएगा। साथ ही, ऊर्जा सुरक्षा के दृष्टिकोण से यह मध्य पूर्व से तेल और गैस की आपूर्ति के नए मार्ग खोल सकता है।

आईएमईसी को चीन की बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव (बीआरआई) के विकल्प के रूप में भी देखा जा रहा है। जहां बीआरआई पर अक्सर ऋण-निर्भरता व राजनीतिक प्रभाव विस्तार के आरोप लगते रहे हैं, वहीं आईएमईसी बहुपक्षीय सहयोग, पारदर्शिता और साझा लाभ के सिद्धांतों पर आधारित है। यह पहल एक बहुध्रुवीय विश्व व्यवस्था का प्रतीक है, जिसमें कोई एक शक्ति नहीं, बल्कि सहयोगी वैश्विक व्यवस्था को आकार दे। इस परियोजना का एक और महत्वपूर्ण पहलू भू-राजनीतिक प्रभाव है। यह सऊदी अरब और इजराइल के बीच संभावित सामान्यीकरण की प्रक्रिया को भी गति दे सकता है, जो क्षेत्रीय स्थिरता के लिए अहम है। इतना ही नहीं, सऊदी अरब के 'विजन 2030' जैसे कार्यक्रमों के तहत आर्थिक विविधीकरण के प्रयासों का समर्थक भी है। मध्य-पूर्व में बढ़ते चीनी निवेशों के बीच आईएमईसी एक संतुलन के रूप में उभर सकता है, जो निवेश और साझेदारी के नए आयामों की संभावना है।

हाल के वर्षों में इसे गति देने के संकेत भी मिले हैं। भारतज-यूरोप के बीच बढ़ते व्यापारिक सहयोग, खाड़ी देशों के साथ रणनीतिक साझेदारी और बंदरगाहों के आधुनिकीकरण की दिशा में उठाए गए कदम बताते हैं कि आईएमईसी केवल कागजों तक सीमित नहीं है, बल्कि धीरे-धीरे वास्तविक रूप ले रहा है। हालांकि इसकी राह में चुनौतियां भी कम नहीं हैं। क्षेत्रीय अस्थिरता, वित्तीय संसाधनों की व्यवस्था और देशों के बीच समन्वय बड़ी चुनौती हैं। मिडिल-ईस्ट संघर्ष इस परियोजना की गति को प्रभावित कर सकता है। फिर भी, भागीदार देशों की प्रतिबद्धता और रणनीतिक दृष्टि इसे आगे बढ़ाने में सहायक हो सकती है। वास्तव में, आईएमईसी केवल एक आर्थिक गलियारा नहीं, बल्कि नई वैश्विक संरचना का आधार बन सकता है। यह भारत के लिए न केवल आर्थिक विकास और ऊर्जा सुरक्षा का माध्यम है, बल्कि वैश्विक संतुलन में उसकी भूमिका को सशक्त करने का अवसर भी है। जब समुद्री मार्ग असुरक्षित हो रहे हैं, तब आईएमईसी एक ऐसे भविष्य की राह है, जहां कनेक्टिविटी, सहयोग और रणनीतिक संतुलन मिलकर नई संभावनाओं का मार्ग प्रशस्त करते हैं।

■ राममनोहर रायकवार

नक्षत्र पाया लोहा रहेगा दोपहर 4:30 बजे मिथुन राशि का नक्षत्र मृगशिरा का तृतीय चरण प्रारंभ होगा और इसका नक्षत्र पाया लोहा रहेगा रात्रि 10:30 बजे मिथुन राशि का नक्षत्र मृगशिरा का चतुर्थ चरण प्रारंभ होगा और उसका नक्षत्र पाया लोहा रहेगा। **योग**:- शोभन। **करण**:- बव। **नक्षत्र के अनुसार राशि नाम अक्षर**:- वे वो का की। **आराधना का मंत्र**:- ऊँ आंजनेयाय विद्महे वायुपुत्राय धीमहि तन्नो हनुमत् प्रचोदयात्।।

- **मेष राशि**:- समय की अनुकूलता लगातार बनी हुई है कार्यक्षेत्र बढ़िया रहेगा प्रेम संबंध शानदार बने रहेंगे।
- **वृषभ राशि**:- सितारों की अनुकूलता लगातार आपके पक्ष में आ चुकी है विरोधी पक्ष कमजोर रहेगा कामकाज बढ़िया रहेगा।
- **मिथुन राशि**:- समय आज से सामान्य हो रहा है तनाव और परेशानियों में कमी आ सकती है परंतु जरूरी काम अभी भी करने से बचें।
- **कर्क राशि**:- समय कमजोर हो रहा है, अनावश्यक बाधाएं उत्पन्न होने से मन तनाव से ग्रस्त रह सकता है प्रेम संबंधों से बचें।
- **सिंह राशि**:- सितारे आज से आपके पक्ष में आ रहे हैं परेशानियां कम होंगी लोग आपकी सहायता करेंगे।
- **कन्या राशि**:- समय आज दोपहर से शुभ हो रहा है सुबह मन अशांत रह सकता है बहस करने से बचें शाम से समय बेहद शानदार है।
- **वृश्चिक राशि**:- समय की अनुकूलता जारी है जितने आपके आवश्यक कार्य हैं, एक-दो दिन में अवश्य कर लें प्रॉपर्टी से जुड़े हुए कार्यों में लाभ होगा।
- **धनु राशि**:- सितारे आज दोपहर बाद से बेहद शुभ होने जा रहे हैं जितने जरूरी काम हैं, दोपहर बाद ही करें माता से जुड़े हुए कार्यों में सफलता प्राप्त होगी।
- **मकर राशि**:- सितारों की प्रतिकूलता लगातार आपके पक्ष में बनी रहने के चलते कामकाज बाधित हो रहे हैं पर चिंता न करें शाम से समय स्वतः ही ठीक होगा।
- **कुंभ राशि**:- ग्रहों की अनुकूलता आज पूरे दिन भर बनी रहेगी इसका भरपूर लाभ उठाकर अपने जरूरी निर्णय और कार्य तेजी से संपन्न करें।
- **मीन राशि**:- समय बेहद शानदार बना हुआ है स्वास्थ्य बढ़िया रहेगा कामकाज बढ़िया रहेगा प्रेम संबंध शानदार रहेंगे।
- **तुला राशि**:- समय की अनुकूलता आज बेहद शानदार बनी रहेगी लोग आपकी प्रशंसा करेंगे विरोधी पक्ष कमजोर रहेंगे।

होर्मुज स्ट्रेट में बढ़ता तनाव वैश्विक राजनीति की बदलती दिशा का संकेत है। ईरान द्वारा भारतीय जहाजों को रोकने की घटना केवल क्षेत्रीय विवाद नहीं, बल्कि महाशक्तियों के टकराव, संप्रभुता की रक्षा और समुद्री कानूनों की चुनौती का प्रतीक बनकर उभरी है, जो भारत की रणनीतिक संतुलन नीति और ऊर्जा हितों की परीक्षा लेती है।

होर्मुज तनाव भारत के लिए कूटनीतिक चुनौती

ईरान द्वारा होर्मुज जलडमरूमध्य में भारतीय ध्वज वाले जहाजों को रोकने और उन पर आक्रामक रुख अपनाने की हालिया घटना महज समुद्री सुरक्षा का मुद्दा नहीं, बल्कि पश्चिम एशिया की जटिल भू-राजनीति का एक गहरा संकेत है। यह घटनाक्रम ऐसे समय में उभरा है, जब अमेरिका और ईरान के बीच संवाद और टकराव समानांतर रूप से चल रहे हैं तथा दोनों के बीच अविश्वास की खाई लगातार चौड़ी होती जा रही है। अमेरिकी नेतृत्व के बयानों में बार-बार यह दावा किया जाता रहा है कि ईरान ने उनकी शर्तों को स्वीकार कर लिया है, जबकि ईरान हर वार स्पष्ट रूप से अपनी संप्रभुता और रणनीतिक हितों से समझौता करने से इनकार करता रहा है। विशेषकर अपने समुद्री क्षेत्र और बंदरगाहों पर बाहरी निगरानी को वह सीधा हस्तक्षेप मानता है। यही परस्पर विरोधी दृष्टिकोण इस पूरे संकट की जड़ बन गया है। एक ओर अमेरिका वैश्विक सुरक्षा के नाम पर अपनी शर्तों को थोपना चाहता है, तो वहीं ईरान इसे अपनी स्वतंत्रता और राष्ट्रीय अस्मिता पर आघात के रूप में देखता है।

होर्मुज जलडमरूमध्य, जो विश्व के ऊर्जा आपूर्ति तंत्र की धुरी माना जाता है, लंबे समय से सामरिक दबाव और शक्ति प्रदर्शन का केंद्र रहा है। ऐसे में भारतीय जहाजों, जो किसी सैन्य गतिविधि से जुड़े नहीं हैं, को रोकना या उनके मार्ग में बाधा डालना न केवल अंतरराष्ट्रीय समुद्री कानूनों पर प्रश्नचिह्न लगाता है, बल्कि भारत जैसे ऊर्जा-निर्भर देश के लिए गंभीर चुनौती भी उत्पन्न करता है। भारत और ईरान के संबंध ऐतिहासिक रूप से मजबूत, बहुआयामी और सहयोगपूर्ण रहे हैं। ऊर्जा, व्यापार और क्षेत्रीय संपर्क के क्षेत्र में दोनों देशों के बीच घनिष्ठता रही है। भारत ने हाल के वर्षों में संतुलित कूटनीति अपनाते हुए अमेरिका और ईरान, दोनों के साथ अपने संबंधों को साधने का प्रयास किया है। किंतु इस प्रकार की घटनाएं भारत के लिए असहज स्थिति पैदा करती हैं, क्योंकि इससे न केवल द्विपक्षीय विश्वास प्रभावित होता है, बल्कि भारत की तटस्थ छवि पर भी प्रश्न उठ सकते हैं। विशेष चिंता की बात यह है कि हाल ही में उच्च स्तरीय वार्ताओं में समुद्री मार्गों की सुरक्षा को लेकर सहमति बनने के बावजूद ऐसी घटनाएं सामने आ रही हैं।

इससे यह स्पष्ट संकेत मिलता है कि क्षेत्र में स्थिरता अभी भी दूर की संभावना है। यदि युद्धविराम या संवाद की प्रक्रिया भी अस्थायी और अविश्वसनीय बनी रहती है, तो भविष्य में और अधिक टकराव की आशंका से इनकार नहीं किया जा सकता। भारत के लिए इस पूरे घटनाक्रम का सबसे संवेदनशील पक्ष उसकी ऊर्जा सुरक्षा, वैश्विक प्रतिष्ठा और समुद्री व्यापार है। उसे अपने जहाजों और नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करते हुए कूटनीतिक संतुलन बनाए रखना होगा। साथ ही, अंतरराष्ट्रीय मंचों पर समुद्री मार्गों की स्वतंत्रता, सुरक्षित आवाजाही और नियम-आधारित व्यवस्था का मुद्दा मजबूती से उठाना आवश्यक होगा। कुल मिलाकर होर्मुज जलडमरूमध्य की यह घटना केवल क्षेत्रीय तनाव नहीं, बल्कि वैश्विक शक्ति संतुलन, संप्रभुता और अंतरराष्ट्रीय कानूनों की परीक्षा है। भारत को इस जटिल परिदृश्य में सूझबूझ, संयम और दृढ़ता के साथ अपने राष्ट्रीय हितों की रक्षा करनी होगी, ताकि वह किसी बड़े भू-राजनीतिक संघर्ष का अनचाहा भागीदार न बने और अपनी रणनीतिक स्वायत्तता सुरक्षित रख सके।

■ हरिनारायण मिश्रा

तकनीक

रोबोटिक्स

बदलती दुनिया में मशीनों की भूमिका

आज की तेजी से बदलती दुनिया में तकनीकी विकास ने हमारे जीवन के लगभग हर पहलू को प्रभावित किया है। इनमें से एक सबसे महत्वपूर्ण और उभरती हुई तकनीक 'रोबोटिक्स' है। रोबोटिक्स का अर्थ है, ऐसे स्वचालित यांत्रिक उपकरणों का निर्माण, जो मानव कार्यों को सहज और अधिक प्रभावी तरीके से कर सकते हैं। इस तकनीक ने न केवल उद्योगों में बदलाव लाया है, बल्कि हमारे दैनिक जीवन में भी कई नए अवसर उत्पन्न किए हैं। आइए, हम समझते हैं कि रोबोटिक्स कैसे हमारी जीवनशैली में परिवर्तन ला रही है।

स्वचालन और उत्पादकता में वृद्धि

रोबोटिक्स ने औद्योगिक उत्पादन में एक नया अध्याय जोड़ा है। पहले जहां मनुष्य ही हर कार्य करता था, अब रोबोट्स ने इसे स्वचालित बना दिया है। मैन्युफैक्चरिंग, कार असेंबलिंग, पैकेजिंग और कई अन्य क्षेत्रों में रोबोट्स का उपयोग होने से उत्पादकता में भारी वृद्धि हुई है। इससे उत्पादन की लागत में कमी आई है और गुणवत्ता में भी सुधार हुआ है।

स्वास्थ्य सेवा में योगदान

रोबोटिक्स का सबसे अहम योगदान स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र में देखा जा सकता है। अब रोबोट्स डॉक्टरों की मदद करने में सक्षम हैं, जिससे सर्जरी की सटीकता और गति में सुधार हुआ है। 'मिनिमली इनवेसिव सर्जरी' जैसे प्रक्रियाओं में रोबोट्स का उपयोग बढ़ा है, जहां छोटे उपकरणों के द्वारा कम से कम शारीरिक कटाई के साथ सर्जरी की जाती है। इससे मरीज जल्दी स्वस्थ हो जाते हैं और अस्पताल में भर्ती होने की अवधि भी कम हो जाती है।

घरेलू उपयोग में रोबोट्स

आजकल रोबोट्स का उपयोग केवल उद्योगों में ही नहीं, बल्कि हमारे घरों में भी होने लगा है। रोबोटिक वैक्यूम क्लीनर, स्मार्ट किचन उपकरण और सेल्फ-ड्राइविंग कारें इसका बेहतरीन उदाहरण हैं। ये उपकरण हमारे जीवन को आसान और अधिक सुविधाजनक बना रहे हैं। अब हमें रोजाना के कामों में बहुत समय और मेहनत बचती है, क्योंकि रोबोट्स ने इन कार्यों को स्वचालित और तेज बना दिया है।

मनुष्य और रोबोट्स का सहजीवन

रोबोटिक्स के बढ़ते प्रभाव के साथ एक सवाल उभरता है कि क्या रोबोट्स मनुष्य की जगह ले सकते हैं? यह एक महत्वपूर्ण विचारणीय प्रश्न है, लेकिन इसका उत्तर स्पष्ट नहीं है। हालांकि, रोबोट्स ने बहुत सारे कार्यों को सरल और तेज बना दिया है, फिर भी वे भावनाओं, सहानुभूति और जटिल निर्णय लेने की क्षमता में मनुष्यों से काफी पीछे हैं। इसलिए यह कहना गलत होगा कि रोबोट्स पूरी तरह से मनुष्य की भूमिका ले सकते हैं। इसके बजाय, दोनों के बीच 'सहजीवन' की संभावना अधिक है, जहां रोबोट्स और मनुष्य मिलकर काम करते हैं, एक-दूसरे की कमजोरियों को पूरा करते हैं।

शिक्षा और शोध में रोबोटिक्स

रोबोटिक्स ने शिक्षा के क्षेत्र में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। विद्यालयों और विश्वविद्यालयों में अब छात्र रोबोटिक्स की शिक्षा प्राप्त करते हैं, जिससे वे तकनीकी कौशल और समस्याओं को हल करने की क्षमता विकसित करते हैं। यह तकनीक छात्रों को व्यावहारिक ज्ञान और अनुसंधान में भी मदद करती है, क्योंकि रोबोट्स का उपयोग अब शोध में भी किया जा रहा है, जैसे कि 'अंतरिक्ष अन्वेषण' और 'गहरे समुद्र में खोज'। इसके अलावा, विद्यार्थियों को कोडिंग, गणित, विज्ञान और इंजीनियरिंग जैसे विषयों में भी सशक्त किया जा रहा है।

चुनौतियां और भविष्य

हालांकि रोबोटिक्स का भविष्य उज्जवल दिखाई देता है, लेकिन इसके साथ कुछ चुनौतियां भी जुड़ी हुई हैं। जैसे रोजगार का संकट, नैतिकता संबंधी मुद्दे और डेटा सुरक्षा जैसे मसले हैं जिन पर गंभीरता से विचार करने की आवश्यकता है। जब रोबोट्स ने कई क्षेत्रों में मानव श्रम को प्रतिस्थापित किया है, तो इसके परिणामस्वरूप रोजगार की कमी हो सकती है। इसके अलावा, रोबोट्स द्वारा एकत्रित किए गए डेटा की सुरक्षा और इसका दुरुपयोग भी एक गंभीर चिंता का विषय है।

जीवाष्म ईंधन

विकास की चमक या विनाश की आहट?

आधुनिक सभ्यता की चमक-दमक, तेज रफ्तार परिवहन, ऊंची-ऊंची इमारतें और उद्योगों का विस्तार, इन सबके पीछे यदि किसी अदृश्य शक्ति का सबसे बड़ा हाथ है, तो वह है जीवाष्म ईंधन। कोयला, पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस ने मानव जीवन को अभूतपूर्व गति दी है। औद्योगिक क्रांति से लेकर आज के डिजिटल युग तक, इन ईंधनों ने विकास की ऐसी नींव रखी है, जिस पर पूरी आधुनिक दुनिया खड़ी है। आज बिजली से लेकर इंटरनेट तक, हर सुविधा कहीं न कहीं इन संसाधनों से जुड़ी हुई है। लेकिन यही नींव अब धीरे-धीरे दरकती हुई भी दिखाई दे रही है। जीवाष्म ईंधन करोड़ों वर्षों में बने प्राकृतिक संसाधन हैं, जिन्हें हम कुछ ही शताब्दियों में समाप्त करने की ओर अग्रसर हैं। ऊर्जा की बढ़ती मांग ने इन संसाधनों के अंधाधुंध दोहन को जन्म दिया है। परिणामस्वरूप, न केवल इनके भंडार सीमित हो रहे हैं, बल्कि इनके उपयोग से उत्पन्न कार्बन उत्सर्जन ने पृथ्वी के वातावरण को भी असंतुलित कर दिया है। वैज्ञानिक चेतावनी दे रहे हैं कि यदि यही स्थिति बनी रही, तो आने वाली पीढ़ियों के लिए ऊर्जा संकट और गहरा सकता है। विकास की यह दौड़ अब पर्यावरणीय संकट में बदलती जा रही है।

आम नागरिकों की भूमिका

भारत जैसे विकासशील देशों के लिए यह चुनौती और भी जटिल है। यहां एक ओर विकास की आवश्यकता है, तो दूसरी ओर पर्यावरण संरक्षण की जिम्मेदारी भी। सरकारें नीतियां बना रही हैं, नवीकरणीय ऊर्जा को बढ़ावा दिया जा रहा है, लेकिन जब तक आम नागरिक अपनी आदतों में बदलाव नहीं लाते, तब तक यह प्रयास अधूरे ही रहेंगे। ऊर्जा की बचत, सार्वजनिक परिवहन का

उपयोग और स्वच्छ ऊर्जा के प्रति जागरूकता अब समय की मांग बन चुकी है। छोटे-छोटे प्रयास मिलकर बड़े बदलाव ला सकते हैं।

आने वाली पीढ़ियों को दें सुरक्षित धरती

कुल मिलाकर जीवाष्म ईंधन केवल ऊर्जा का स्रोत नहीं, बल्कि एक दुविधा का प्रतीक बन चुके हैं यानी विकास की नींव या विनाश की शुरुआत। यह निर्णय अब मानवता के हाथ में है कि वह किस दिशा में आगे बढ़ना चाहती है। यदि हमने समय रहते सही कदम नहीं उठाए, तो विकास की यह चमक एक दिन अंधकार में बदल सकती है। इसलिए अब आवश्यकता है जागरूकता, संतुलन और सतत विकास की दिशा में ठोस प्रयासों की, ताकि आने वाली पीढ़ियों को एक सुरक्षित और स्वस्थ पृथ्वी मिल सके।

समस्याओं का जनक है जीवाष्म ईंधन

एक ओर जीवाष्म ईंधन ने उद्योगों को गति दी, रोजगार के अवसर पैदा किए और अर्थव्यवस्था को मजबूत किया, वहीं दूसरी ओर इसने प्रदूषण, ग्लोबल वार्मिंग और जलवायु परिवर्तन जैसी गंभीर समस्याओं को जन्म दिया। शहरों की हवा जहरीली हो चुकी है, नदियां दूषित हो रही हैं और प्राकृतिक आपदाओं की आवृत्ति बढ़ती जा रही है। ध्रुवीय बर्फ का पिघलना और समुद्र स्तर का बढ़ना भी इसी संकट के संकेत हैं। यह स्थिति इस सवाल को जन्म देती है, क्या हम विकास के नाम पर अपने ही अस्तित्व को खतरे में डाल रहे हैं?

कैसे बनाएं विकास और पर्यावरण के बीच संतुलन

आज दुनिया के सामने सबसे बड़ी चुनौती यही है कि विकास और पर्यावरण के बीच संतुलन कैसे बनाया जाए। वैकल्पिक ऊर्जा स्रोत जैसे सौर ऊर्जा, पवन ऊर्जा और जल ऊर्जा अब उम्मीद की किरण बनकर उभर रहे हैं। ये न केवल स्वच्छ हैं, बल्कि अक्षय भी हैं और दीर्घकाल में अधिक टिकाऊ साबित हो सकते हैं। लेकिन इनकी ओर संक्रमण आसान नहीं है, क्योंकि जीवाष्म ईंधन पर हमारी निर्भरता बहुत गहरी हो चुकी है। तकनीकी और आर्थिक बाधाएं भी इस परिवर्तन को धीमा करती हैं।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक ''**गिलेडविन मसीह**'' के लिए ''**बुलंद मंज़िल**'' हिन्दी दैनिक ए.एच. प्रिन्टर्स, सीधी सराय, असालतपुरा मुरादाबाद मे मुद्रित कराकर कार्यालय बुलंद मंज़िल शंकर कॉलेज चौराहा, राजा मार्केट, प्रथम तल, जनपद संभल से वितरित किया गया। इस अंक में प्रकाशित समाचारों में खबरों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी०आर०वी० एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद सम्भल न्यायालय के अधीन होंगे।
PRGI NO. - UPBIL/25/A4797- Contect No.- 8630704122

दैनिक
बुलन्द मंज़िल
जनपद अमरोहा
संभल
रविवार, 03 मई 2026
Daily Bilingual News Paper (Hindi & English)

गहनों को लेकर ससुराल में बवाल, लाठी-डंडों से मारपीट: मुकदमा दर्ज

दैनिक बुलंद मंज़िल

सैद नगली। थाना क्षेत्र के गांव कनैटा में गुरुवार दोपहर गहनों को लेकर शुरू हुआ पारिवारिक विवाद देखते ही देखते हिंसक झड़प में बदल गया। मारपीट में युवक घायल हो गया, जबकि बीच-बचाव करने पहुंचे लोगों को भी धमकियां दी गईं। पुलिस ने तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

गांव कनैटा निवासी रामौतार पुत्र गनेशी के अनुसार, 30 अप्रैल को करीब दोपहर 2 बजे उनके पुत्र की ससुराल पक्ष से राजू पुत्र राजेश और मितलेश पत्नी कलुआ निवासी ग्राम ख्यालीपुर, थाना गजरौला उनके घर पहुंचे। आरोप है कि वे रामौतार की पुत्रवधु विक्षा को अपने साथ ले जाने आए थे। इस दौरान विक्षा महंगे सोने-चांदी के आभूषण पहनकर जाने लगी, जिस पर रामौतार के पुत्र विक्रम ने आपत्ति जताते हुए कम गहने पहनने की बात कही। इसी बात को लेकर कहासुनी बढ़ गई और आरोप है कि राजू, मितलेश व अन्य ने विक्रम को गंदी-गंदी गालियां देते हुए लाठी-डंडों से पीट दिया। मारपीट में विक्रम घायल हो गया। शोर सुनकर मौके पर पहुंची रामौतार की पुत्री मितलेश और पड़ोसी आदिल पुत्र जमशैद ने बीच-बचाव की कोशिश की, लेकिन उन्हें भी गालियां दी गईं और जान से मारने की धमकी दी गई।

घटना के बाद आरोपित पक्ष विक्षा को अपने साथ लेकर चला गया। पीड़ित पक्ष ने थाने पहुंचकर रिपोर्ट दर्ज कराई। थाना सैदनगली पुलिस ने तहरीर के आधार पर संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया है और पूरे मामले की जांच शुरू कर दी है। पुलिस का कहना है कि जांच के बाद आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

संपूर्ण समाधान दिवस पर भाकियू (बी.आर. अंबेडकर) का प्रदर्शन, ज्ञापन सौंपा

दैनिक बुलंद मंजिल

हसनपुर। तहसील परिसर में आयोजित संपूर्ण समाधान दिवस के दौरान भारतीय किसान यूनियन (बी.आर. अंबेडकर) के कार्यकर्ताओं ने अपनी विभिन्न मांगों को लेकर प्रदर्शन किया। संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष दिग्विजय भाटी के नेतृत्व में पहुंचे किसानों ने जिलाधिकारी नितिन गौड़ को ज्ञापन सौंपकर प्रशासनिक कार्रवाई पर नाराजगी जताई। ज्ञापन में दिग्विजय भाटी ने आरोप लगाया कि उनके खिलाफ गुंडा एक्ट के तहत दर्ज मुकदमे पूरी तरह निराधार और फर्जी हैं। उन्होंने कहा कि उनका संगठन हमेशा

लोकतांत्रिक तरीके से किसानों और आमजन के मुद्दे उठाता रहा है, लेकिन प्रशासन द्वारा उनकी छवि खराब करने और आवाज दबाने का प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने इन मामलों की निष्पक्ष जांच की मांग करते हुए चेतावनी दी कि यदि मुकदमे वापस नहीं लिए गए तो वे भूख हड़ताल पर बैठने को मजबूर होंगे। किसानों की समस्याओं को उठाते हुए भाटी ने घरेलू गैस सिलेंडर की बढ़ती कीमतों पर चिंता जताई। उन्होंने कहा कि महंगाई के कारण गरीब परिवारों की स्थिति गंभीर हो गई है और उज्ज्वला योजना के लाभार्थी भी दोबारा चूल्हे का सहारा लेने को मजबूर हैं संगठन ने गैस सिलेंडर के दाम घटाने और सब्सिडी व्यवस्था को सुचारु करने की मांग की। इसके अलावा डीजल-पेट्रोल को जीएसटी के दायरे में लाने या करों में कमी कर किसानों को राहत देने की मांग भी उठाई गई। इस दौरान देवेंद्र यादव, अमरजीत, रूम सिंह, मेवाराम, सोनू, कुलदीप और धर्मपाल सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद रहे।

कूलर खरीदने गए युवक से मारपीट, जान से मारने की धमकी : मुकदमा दर्ज

दैनिक बुलंद मंज़िल

अमरोहा। नगर क्षेत्र में मामूली कहासुनी ने अचानक हिंसक रूप ले लिया। मोहल्ला कुरैशी निवासी अली हसन के अनुसार वह 1 मई की दोपहर करीब 2 बजे चौक स्थित एक दुकान पर कूलर खरीदने गया था। इसी दौरान दुकान पर मौजूद मौअज्जम नामक युवक से किसी बात को लेकर कहासुनी हो गई। आरोप है कि बात इतनी बढ़ गई कि मौअज्जम ने गाली-गलौच करते हुए अली हसन के साथ मारपीट शुरू कर दी और जान से मारने की धमकी देते हुए उसे दुकान से भगा दिया।

घटना से घबराए पीड़ित ने थाना अमरोहा नगर पहुंचकर पुलिस को लिखित तहरीर दी। पुलिस ने मामले को गंभीरता से लेते हुए आरोपी के खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि घटना की जांच शुरू कर दी गई है और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज भी खंगाली जा रही है, ताकि पूरे घटनाक्रम की सच्चाई सामने लाई जा सके। वहीं, इस घटना से इलाके में चर्चा का माहौल बना हुआ है कि छोटी-सी बात पर बढ़ती आक्रामकता किस तरह कानून-व्यवस्था के लिए चुनौती बनती जा रही है।

अश्लील कॉल से जानलेवा हमला–घर में घुसकर महिला का गला दबाया, चीखों से बची जान!

दैनिक बुलंद मंज़िल

अमरोहा। नगर क्षेत्र में एक महिला के साथ छेड़छाड़, धमकी और घर में घुसकर जानलेवा हमले का सनसनीखेज मामला सामने आया है। पीड़िता की तहरीर पर पुलिस ने दो आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। घटना के बाद से पीड़िता और उसका परिवार भय के साए में है।

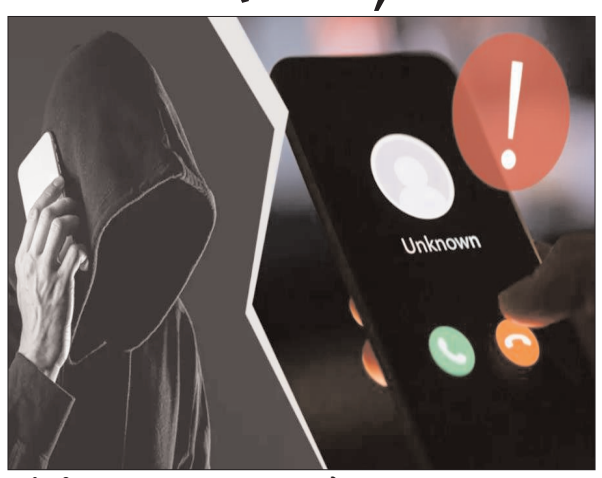

नगर के एक मोहल्ला निवासी महिला ने पुलिस को दी गई शिकायत में बताया कि कुछ माह पहले शहर के एक निजी अस्पताल में उसकी शाहवैज नाम के युवक से कहासुनी हो गई थी। उस समय अस्पताल के डॉक्टरों ने दोनों पक्षों में समझौता करा दिया था। आरोप है कि उसी रंजिश को लेकर आरोपी लगातार महिला को परेशान कर रहा था।

पीड़िता के अनुसार, 24 अप्रैल को आरोपी ने एक मोबाइल नंबर से फोन कर अपनी पहचान बताई और अश्लील बातें करते हुए आपत्तिजनक टिप्पणियां की। इतना ही नहीं, उसने बार-बार फोन कर प्रेम संबंध बनाने का दबाव भी डाला। महिला ने जब इसका विरोध किया और पुलिस में शिकायत की बात कही, तो आरोपी ने उसे धमकाते हुए कहा कि उसका कुछ नहीं बिगाड़ सकती। मामला यहीं नहीं रुका। पीड़िता का आरोप है कि 28 अप्रैल की शाम करीब 6 बजे शाहवैज और उसका साथी शादाब मलिक उसके घर में घुस आए। दोनों ने कथित तौर पर महिला पर हमला किया और शाहवैज ने उसका गला दबाकर जान से मारने की कोशिश की। महिला की हालत बिगड़ते देख आरोपी मौके से भाग निकले। शोर सुनकर महिला के पति और एक राहगीर मौके पर पहुंचे, जिससे उसकी जान बच सकी। घटना के बाद महिला ने थाने पहुंचकर पूरी आपबीती बताई। पुलिस ने तहरीर के आधार पर आरोपियों के खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया है। अधिकारियों का कहना है कि मामले की गंभीरता को देखते हुए जांच तेज कर दी गई है और जल्द ही आरोपियों की गिरफ्तारी सुनिश्चित की जाएगी।

अपना बाप बदलकर जमीन बेच डाली! अमरोहा में चौंकाने वाला खेल, मुकदमा दर्ज

दैनिक बुलंद मंज़िल

अमरोहा। थाना क्षेत्र में पुश्तैनी संपत्ति को लेकर एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है, जिसमें फर्जी दस्तावेजों और कूट रचना के जरिए कृषि भूमि के विक्रय अनुबंध का आरोप लगा है। पुलिस अधीक्षक के आदेश पर थाना अमरोहा देहात पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है, जिससे इलाके में हड़कंप मच गया है।

मामला ग्राम जलालपुर घना निवासी विजय कुमार कौशिक से जुड़ा है। प्रार्थी के अनुसार, उनके दादा स्वर्गीय श्रीराम शर्मा की मृत्यु वर्ष 1972 में हो गई थी। उनके तीन पुत्र–स्व ठाकुरदास, स्व लीलाधर और स्व हरस्वरूप थे। बताया गया कि स्व ठाकुरदास की संतान नहीं थी और उनका निधन वर्ष 1964 में ही हो गया था। इसके बाद पारिवारिक सहमति से स्व श्रीराम की संपत्ति का बंटवारा स्व लीलाधर और स्व हरस्वरूप के बीच बराबर-बराबर हो गया था। प्रार्थी का कहना है कि इस बंटवारे को लेकर 14 अप्रैल 1976 को स्व हरस्वरूप द्वारा एक शपथ पत्र भी दिया गया था, जिसके आधार पर दोनों पक्षों के वारिस वर्षों से आधी-आधी संपत्ति पर काबिज और मालिकाना हक रखते आ रहे हैं। लेकिन अब इस पारिवारिक व्यवस्था को कथित तौर पर धोखे से बदलने की कोशिश की गई है।

आरोप है कि स्व हरस्वरूप का पुत्र अनिल कुमार, जो अपने सभी शैक्षिक व राजस्व अभिलेखों में हरस्वरूप का ही पुत्र दर्ज है, उसने फर्जी दस्तावेज तैयार कर अपनी पहचान बदलने का प्रयास किया। शिकायत के अनुसार, अनिल कुमार ने कूट रचना करते हुए खुद को स्व ठाकुरदास का पुत्र दशार्या, जबकि वास्तविकता इससे बिल्कुल अलग बताई गई है।

यही नहीं, प्रार्थी ने आरोप लगाया है कि वोटर लिस्ट, राजस्व खतौनी और आधार कार्ड जैसे दस्तावेजों में भी फर्जी नाम, फोटो और पते अंकित कराए गए। इन कथित फर्जी दस्तावेजों के आधार पर 26 नवंबर 2025 को कृषि भूमि गाटा संख्या 19मि और 16मि, जिनका रकबा क्रमशः 1.813 हेक्टेयर और 1.538 हेक्टेयर है, का विक्रय अनुबंध करा लिया गया। इस सौदे में मुरादाबाद जनपद के ग्राम नौशना शेखूपुर निवासी हसीब और ग्राम इमरातपुर उधव निवासी गुलाम मुस्तुफा को गवाह बनाया गया। वहीं भूमि का एग्रीमेंट कैलसा बार्डर निवासी कविता दत्त के नाम पर कराया गया। प्रार्थी का आरोप है कि यह पूरा सौदा आपसी सांठगांठ और धोखाधड़ी के तहत किया गया है।

घटना के बाद से प्रार्थी और अन्य हिस्सेदारों में भारी रोष है। उनका कहना है कि इस फजीर्वाड़े से न केवल उनकी पुश्तैनी संपत्ति पर संकट खड़ा हो गया है, बल्कि उन्हें मानसिक और आर्थिक रूप से भी परेशान किया जा रहा है। पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर थाना अमरोहा देहात में संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। पुलिस का कहना है कि मामले की गंभीरता को देखते हुए सभी दस्तावेजों की जांच की जा रही है और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

रंजिश बनी खूनी झगड़े की वजह, धारदार हथियार से युवक पर हमला

दैनिक बुलंद मंज़िल

अमरोहा। देहात थाना क्षेत्र के गांव लतीफपुर में पुरानी रंजिश ने एक बार फिर हिंसक रूप ले लिया। शुक्रवार सुबह करीब 10:30 बजे गांव निवासी निपान्शु उर्फ दीपान्शु पर कुछ लोगों ने रास्ते में घेरकर हमला कर दिया, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया।

पीड़ित दीपान्शु के अनुसार, वह अपने गांव के ही जय कुमार के घर कुछ सामान लेने जा रहा था। तभी उसके घर के पास ही गांव के रोनी और जोनी पुत्रगण चन्द्रपाल तथा आकाश पुत्र नरदेव ने उसे रोक लिया। आरोप है कि पुरानी दुश्मनी के चलते पहले आरोपियों ने गाली-गलौज की और देखते ही देखते मारपीट शुरू कर दी। मामला यहीं नहीं रुका–हमलावरों ने धारदार हथियार से वार कर दीपान्शु को लहूलुहान कर दिया। हमले के दौरान आरोपी जान से मारने की धमकी देते हुए मौके से फरार हो गए। घायल युवक को परिजनों द्वारा उपचार के लिए ले जाया गया, जहां उसकी हालत को गंभीर बताया जा रहा है। घटना के बाद पीड़ित पक्ष ने थाना अमरोहा देहात में तहरीर दी। पुलिस ने तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर लिया है और मामले की जांच शुरू कर दी है। पुलिस का कहना है कि आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए दबिश दी जा रही है और जल्द ही उन्हें हिरासत में लिया जाएगा।

हसनपुर में समाधान दिवस: 70 शिकायतें, 9 का मौके पर निस्तारण, लापरवाही पर डीएम सख्त

दैनिक बुलंद मंज़िल

हसनपुर। शनिवार को तहसील हसनपुर में आयोजित सम्पूर्ण समाधान दिवस में प्रशासनिक सख्ती और जवाबदेही का स्पष्ट संदेश देखने को मिला। कार्यक्रम की अध्यक्षता डॉ. नितिन गौड़ जिलाधिकारी ने की, जबकि लखन सिंह यादव पुलिस अधीक्षक भी मौजूद रहे। अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए गए कि प्रत्येक शिकायत का समयबद्ध और गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित किया जाए, साथ ही शिकायतकर्ता की संतुष्टि भी प्राथमिकता में रहे।

समाधान दिवस में कुल 70 शिकायतें प्राप्त हुईं, जिनमें राजस्व विभाग की 26, चकबंदी की 9, पुलिस विभाग की 15, विकास विभाग की 10 तथा अन्य 10 शिकायतें शामिल रहीं। इनमें से 9 मामलों का मौके पर ही निस्तारण कर दिया गया, जबकि शेष शिकायतों को संबंधित विभागों को कार्रवाई हेतु भेजा गया।

जिलाधिकारी ने कहा कि शासन स्तर पर समाधान दिवस की शिकायतों की गुणवत्ता की लगातार समीक्षा की जा रही है और इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने चेतावनी दी कि मुख्यमंत्री स्तर से भी इन शिकायतों की मॉनिटरिंग की जाती है, बावजूद इसके कुछ अधिकारी गंभीरता नहीं दिखा रहे हैं, जिससे जनपद की रैंकिंग प्रभावित हो रही है।

कार्यक्रम के दौरान उपस्थिति पंजिका की जांच में कई अधिकारी अनुपस्थित पाए गए। इस पर डीएम ने कड़ा रुख अपनाते हुए जिला विकास अधिकारी, जिला गन्ना अधिकारी, मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी, बेसिक शिक्षा अधिकारी, जिला विद्यालय निरीक्षक, जिला पिछड़ा वर्ग कल्याण अधिकारी, जिला दिव्यांगजन अधिकारी, डूडा परियोजना अधिकारी सहित कई अधिकारियों से स्पष्टीकरण तलब किया। सभी को तीन दिन के भीतर जवाब देने के निर्देश दिए गए हैं।

डीएम ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि वे स्थलीय निरीक्षण कर पारदर्शिता और निष्पक्षता के साथ शिकायतों का निस्तारण करें। उन्होंने कहा कि केवल कागजी कार्रवाई पर्याप्त नहीं है, बल्कि शिकायतकर्ता को वास्तविक राहत मिलनी चाहिए। उन्होंने जनता दर्शन, सीएम हेल्पलाइन, आईजीआरएस पोर्टल और अन्य माध्यमों से प्राप्त शिकायतों को भी प्राथमिकता के आधार पर निपटाने के निर्देश दिए।

इस दौरान पुलिस अधीक्षक लखन सिंह यादव ने पुलिस अधिकारियों को निर्देशित किया कि वे आमजन की शिकायतों का त्वरित और गुणवत्तापूर्ण निस्तारण करें, ताकि जनता का भरोसा बना रहे। इस मौके पर हिमांशु उपाध्याय उपजिलाधिकारी, पंकज त्यागी पुलिस क्षेत्राधिकारी, डॉ. योगेंद्र सिंह सहित कई जिला व तहसील स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे। समाधान दिवस के जरिए प्रशासन ने एक बार फिर यह स्पष्ट किया कि जनता की समस्याओं का त्वरित और संतोषजनक समाधान ही उसकी सर्वोच्च प्राथमिकता है, और इसमें किसी भी स्तर पर लापरवाही अब बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

लिफ्ट के बहाने बैठा लुटेरा, चंद मिनटों में बाइक लेकर हुआ फरार

दैनिक बुलंद मंज़िल

अमरोहा। देहात थाना क्षेत्र में एक शातिर ठग ने पहले राहगीर से लिफ्ट ली, फिर दोस्ती का झांसा देकर उसकी बाइक लेकर फरार हो गया। घटना के बाद इलाके में हड़कंप मच गया और पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

ग्राम पृथ्वीपुर कलां निवासी वीर सिंह ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि बीते 31 मार्च की शाम करीब 6 बजे वह लोदीपुर स्थित फैक्ट्री से अपनी बाइक से घर लौट रहे थे। कैलसा-पाकबड़ा रोड पर वेलकम शादी हॉल के पास एक करीब 30 वर्षीय युवक ने हाथ देकर उन्हें रोका और रामहट अड्डा तक छोड़ने का अनुरोध किया। इंसानियत के नाते वीर सिंह ने उसे पीछे बैठा लिया।

रास्ते में आरोपी ने बातचीत के दौरान वीर सिंह के गांव के कुछ लोगों के नाम लेकर खुद को परिचित बताया, जिससे उनका भरोसा और मजबूत हो गया। रामहट अड्डे के पास मोडीजट रोड स्थित करतार सिंह किराना स्टोर पर वीर सिंह सामान लेने के लिए रुके। जल्दबाजी में बाइक में चाबी लगी रह गई और वह दुकान में चले गए।

इसी मौके का फायदा उठाकर आरोपी युवक बाइक लेकर फरार हो गया। जब वीर सिंह दुकान से बाहर आए तो उनकी मोटरसाइकिल गायब थी। उन्होंने शोर मचाया और आसपास तलाश की, लेकिन आरोपी का कोई सुराग नहीं लगा।

पीड़ित की तहरीर के आधार पर थाना अमरोहा देहात पुलिस ने अज्ञात युवक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। पुलिस आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है और आरोपी की तलाश में जुट गई है।

दैनिक
बुलन्द मंज़िल
अमरोहा
संभल
रविवार, 03 मई 2026
Daily Bilingual News Paper (Hindi & English)

जमीन के झगड़े में अटका जनाजा: बेटे की जिद से घंटों टला पिता का दफन

दैनिक बुलंद मंज़िल

डिडौली। थाना क्षेत्र के गांव सलारपुर माफी में एक बुजुर्ग किसान की मौत के बाद परिवारिक विवाद ने ऐसा रूप लिया कि जनाजे का दफीना तक रुक गया। जमीन के बंटवारे को लेकर बड़े बेटे की जिद के चलते गांव में घंटों तक तनाव का माहौल बना रहा।

गांव सलारपुर माफी निवासी किसान शफीक सैफी का शनिवार तड़के करीब 3 बजे इलाज के दौरान निधन हो गया। बताया जा रहा है कि वह पिछले करीब 9 वर्षों से सांस की बीमारी से जूझ रहे थे और करीब एक माह पहले हालत बिगड़ने पर उन्हें दिल्ली के एक अस्पताल में भर्ती कराया गया

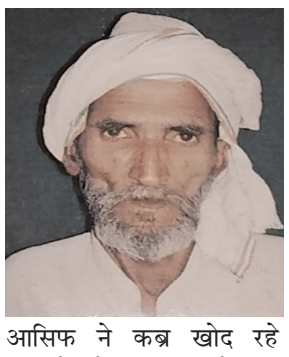

था।

मृतक के परिवार में पत्नी जाफरी, दो बेटे और दो बेटियां हैं। बेटियों की शादी हो चुकी है, जबकि दोनों बेटे अलग-अलग रहते हैं। शफीक सैफी के इंतकाल के बाद जब परिजन शव को गांव लाकर दफन की तैयारी कर रहे थे, तभी बड़े बेटे आसिफ सैफी ने अचानक विरोध कर दिया। आरोप है कि मृतक ने अपनी करीब 6.50 बीघा जमीन में से 4 बीघा छोटे बेटे राशिद सैफी के नाम कर दी थी, जिससे नाराज होकर बड़ा बेटा विरोध पर अड़ गया।

आसिफ ने कब्र खोद रहे परिजनों को कब्रिस्तान से भगा दिया और साफ कहा कि जब तक जमीन का बंटवारा नहीं होगा, तब तक वह दफन नहीं होने देगा। बताया जाता है कि मामला बढ़ता देख छोटे बेटे राशिद ने पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची डिडौली पुलिस ने स्थिति को संभाला और गांव के प्रधान हरि सिंह समेत अन्य ग्रामीणों की मौजूदगी में पंचायत बुलाई गई। काफी देर तक चली पंचायत में दोनों पक्षों के बीच समझौते का प्रयास किया गया। आखिरकार पंचायत में जमीन को बराबर-बराबर हिस्सों में बांटने पर सहमति बनी, जिसके बाद माहौल शांत हुआ। इसके बाद ही शव को सुपुर्द-ए-खाक किया जा सका।

इस घटना ने गांव में रिश्तों की कड़वी सच्चाई को उजागर कर दिया, जहां एक बेटे की जिद ने पिता के अंतिम संस्कार तक को रोक दिया।

स्मार्ट मीटरों के खिलाफ महिलाओं का प्रदर्शन, हटाने की मांग तेज

दैनिक बुलंद मंजिल

हसनपुर। तहसील में शनिवार को आयोजित संपूर्ण समाधान दिवस के दौरान स्मार्ट मीटरों के विरोध में महिलाओं का गुस्सा फूट पड़ा। मोहल्ला पश्चिमी काला शहीद की दर्जनों महिलाएं जिलाधिकारी नितिन गौड़ के समक्ष पहुंचीं और स्मार्ट मीटर हटाकर पुरानी व्यवस्था बहाल करने की मांग की। प्रदर्शनकारी महिलाओं का आरोप है कि स्मार्ट मीटर लगने के बाद से बिजली बिल में अप्रत्याशित बढ़ोतरी हुई है। उनका कहना है कि मीटरों की रीडिंग अत्यधिक तेज चल रही है, जिससे मध्यम वर्गीय परिवारों का मासिक बजट बिगड़ गया है। महिलाओं ने यह भी शिकायत की कि बिल जमा करने में मामूली देरी होने पर बिना पूर्व सूचना के बिजली आपूर्ति काट दी जाती है, जिससे बच्चों की पढ़ाई और दैनिक जीवन प्रभावित हो रहा है।

महिलाओं ने चेतावनी दी कि यदि जल्द समस्या का समाधान नहीं हुआ तो वे उग्र आंदोलन करने को मजबूर होंगी और मीटरों को हटाने का कदम भी उठा सकती हैं। समाधान दिवस परिसर के बाहर काफी देर तक नारेबाजी और हंगामे का माहौल बना रहा। मामले की गंभीरता को देखते हुए विद्युत विभाग के अधिशासी अभियंता (एठ) राजेश प्रसाद मौके पर पहुंचे और प्रदर्शनकारियों से वार्ता की। उन्होंने स्मार्ट मीटरों में संभावित तकनीकी खामियों की जांच कराने तथा शीघ्र समाधान का आश्वासन दिया। प्रदर्शन में अंजू, प्रीति, उषा, पार्वती, सुनीता, संतोष, गीता देवी, प्रेमलता, मीनाक्षी, किरण, गुड्डी और विजयवती सहित बड़ी संख्या में महिलाएं मौजूद रहीं। सुरक्षा व्यवस्था के मद्देनजर भारी पुलिस बल भी तैनात रहा।

हथियाखेड़ा बना जुए का अड्डा वायरल वीडियो से सनसनी

दैनिक बुलंद मंज़िल

हसनपुर। कोतवाली क्षेत्र के गांव हथियाखेड़ा में अवैध जुए का खेल रुकने का नाम नहीं ले रहा है। हाल ही में सोशल मीडिया पर एक नया वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है, जिसमें कुछ लोग एक जगह पर खुलेआम ताश के पत्तों पर दांव लगाते दिखाई दे रहे हैं। वीडियो में बेखौफ माहौल साफ झलक रहा है, जिससे यह अंदाजा लगाया जा सकता है कि जुआरियों को किसी प्रकार का डर नहीं है। स्थानीय लोगों का कहना है कि यह कोई पहली घटना नहीं है। इससे पहले भी कई वीडियो सामने आ चुके हैं, लेकिन हर बार मामला ठंडे बस्ते में चला जाता है। ग्रामीणों का आरोप है कि पुलिस को जानकारी होने के बावजूद प्रभावी कार्रवाई नहीं की जा रही, जिससे जुआरियों के हौसले बुलंद हैं।

गांव में इस तरह खुलेआम जुए का संचालन सामाजिक माहौल को भी प्रभावित कर रहा है। युवाओं पर इसका गलत असर पड़ रहा है और कानून व्यवस्था पर भी सवाल खड़े हो रहे हैं। लोगों का कहना है कि यदि समय रहते सख्त कदम नहीं उठाए गए, तो स्थिति और बिगड़ सकती है। इस पूरे मामले पर कोतवाल राजेश तिवारी का कहना है कि वीडियो उनके संज्ञान में आया है और इसकी जांच कराई जा रही है। उन्होंने आश्वासन दिया कि दोषियों के खिलाफ आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

सूनी झोपड़ी में भड़की आग, पल भर में जरूरी समान जलकर हुआ राख

दैनिक बुलंद मंज़िल

रहरा। थाना क्षेत्र के गांव खुर्तिया में उस वक्त हड़कंप मच गया, जब मजदूरी पर गए एक परिवार की खाली झोपड़ी में अचानक आग लग गई। देखते ही देखते आग ने विकराल रूप धारण कर लिया और घर का सारा सामान जलकर राख हो गया। गांव निवासी राजू पुत्र बाबू सिंह का परिवार बृहस्पतिवार को मजदूरी करने के लिए नोएडा गया हुआ था। इसी दौरान अज्ञात कारणों से उनकी झोपड़ी में अचानक आग लग गई। शुरूआत में किसी को आग का अंदाजा नहीं हुआ, लेकिन जब लपटें तेज हुईं तो आसपास के लोगों ने धुआं उठता देखा और मौके पर पहुंचकर शोर मचाया।देखते ही देखते आग ने पूरी झोपड़ी को अपनी चपेट में ले

लिया। झोपड़ी में रखा अनाज, चारपाई, रजाई-गद्दे, बेड, कुर्सी, संदूक में रखे कपड़े और कच्चा राशन समेत सभी घरेलू सामान जलकर राख हो गया। ग्रामीणों ने तत्काल एकजुट होकर बाल्टियों और उपलब्ध संसाधनों से आग बुझाने का प्रयास किया। करीब काफी मशक्कत के बाद पड़ोसियों ने आग पर काबू पाया, लेकिन तब तक सब कुछ जल चुका था। घटना की सूचना मिलने पर परिवार के लोग भी वापस गांव पहुंचे, जहां उनका उजड़ा आशियाना देखकर वे बदहवास हो गए। ग्रामीणों का कहना है कि आग लगने का कारण स्पष्ट नहीं हो सका है, लेकिन संभावना जताई जा रही है कि शॉर्ट सर्किट या चिंगारी से आग भड़की हो सकती है। पीड़ित परिवार ने प्रशासन से आर्थिक मदद की गुहार लगाई है, ताकि वे दोबारा अपना जीवन पटरी पर ला सकें।

गजरौला पुलिस की कार्रवाई: 5 आरोपी गिरफ्तार, 170 बीएनएसएस में भेजे गए न्यायालय

दैनिक बुलंद मंज़िल

गजरौला। जनपद में अपराध नियंत्रण के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत गजरौला पुलिस ने प्रभावी कार्रवाई करते हुए पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया है। सभी को धारा 170 बीएनएसएस के अंतर्गत गिरफ्तार कर न्यायालय के समक्ष पेश किया गया। पुलिस अधीक्षक लखन सिंह यादव के निर्देशन में चल रहे अभियान के क्रम में अपर पुलिस अधीक्षक अखिलेश भदौरिया के मार्गदर्शन और क्षेत्राधिकारी धनौरा अंजली कटारिया के पर्यवेक्षण में यह कार्रवाई की गई। प्रभारी निरीक्षक मनोज कुमार के नेतृत्व में थाना गजरौला पुलिस टीम ने आरोपियों को पकड़ने में सफलता हासिल की। गिरफ्तार आरोपियों में अमन पुत्र विजय

यादव, संजय पुत्र बलराज, निवासी जवाहर नगर, सुरेश पुत्र अमन सिंह,निवासी अहरौला तेजवन, तथा पिंकी व चीकू निवासी ख्यालीपुर शामिल हैं। पुलिस के अनुसार सभी आरोपियों को विधिक प्रक्रिया पूरी करते हुए न्यायालय में पेश कर दिया गया है। इस कार्रवाई में उपनिरीक्षक अनिल शर्मा, उपनिरीक्षक सुधीर कुमार तोमर, महिला उपनिरीक्षक कृष्णा दाहिमा, हेड कांस्टेबल प्रदीप कुमार, कांस्टेबल योगेश कुमार और अजीत सागर की महत्वपूर्ण भूमिका रही। पुलिस प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि अपराध और अपराधियों के खिलाफ अभियान आगे भी जारी रहेगा और कानून व्यवस्था से खिलवाड़ करने वालों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी।

नौगावां सादात पुलिस की बड़ी कार्रवाई: शातिर चोर गिरफ्तार, चोरी का माल बरामद

दैनिक बुलंद मंज़िल

नौगांवा सादात। थाना पुलिस ने चोरी की कई घटनाओं का सफल अनावरण करते हुए एक शातिर चोर को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से एक स्टार्टर, दो सोलर प्लेट और 5000 रुपये नगद बरामद किए हैं। पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में चलाए जा रहे अभियान के तहत शनिवार की सुबह करीब 6:30 बजे धनौरा बाईपास के पास चेकिंग के दौरान आरोपी आमिर पुत्र तौफीक निवासी मोहल्ला कुरैशी, अमरोहा नगर को गिरफ्तार किया गया। पूछताछ में आरोपी ने अपने साथी मोहसिन उर्फ बिजू के साथ मिलकर कई चोरी की घटनाओं

को अंजाम देना स्वीकार किया। आरोपी ने बताया कि उसने हाल ही में नौगावां सादात क्षेत्र से स्टार्टर और सोलर प्लेट चोरी की थी। इसके अलावा करीब 10 माह पहले अमरोहा देहात क्षेत्र में ट्यूबवेल से तार और स्टार्टर चोरी कर कबाड़ियों को बेच दिया था, जिसकी रकम आपस में बांट ली थी। बरामद 5000 रुपये उसी रकम का हिस्सा बताए गए हैं। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ संबंधित धाराओं में कार्रवाई करते हुए फरार साथी की तलाश शुरू कर दी है। इस सफलता में थाना नौगावां सादात पुलिस टीम की अहम भूमिका रही।

न विरोध, न मतदान... सहमति से तय हुआ राशन डीलर का प्रस्ताव

दैनिक बुलंद मंज़िल

आदमपुर। गंगेश्वरी ब्लॉक क्षेत्र की ग्राम पंचायत ओगपुरा के मजरा नगला खादर में शनिवार को राशन डीलर चयन की बैठक लोकतांत्रिक परंपराओं की एक सधी हुई मिसाल बन गई। प्राथमिक विद्यालय परिसर में आयोजित इस बैठक में गांव की भागीदारी और अनुशासन ने पूरे माहौल को खास बना दिया। करीब 280 पात्र ग्रामीणों में से 80 महिलाएं और लगभग 200 पुरुष बैठक में मौजूद रहे। यह उपस्थिति अपने आप में दशार्ती है कि गांव अपने अधिकारों और जिम्मेदारियों को लेकर

कितना सजग है। बैठक में ग्राम पंचायत सचिव राहुल मावी, एडीओ आईएसबी राजकुमार, ग्राम प्रधान फूलवती, प्रधान पति राधेश्याम और रोजगार सेवक रघुवीर सिंह समेत कई प्रमुख लोग मौजूद रहे।

चयन प्रक्रिया की शुरूआत होते ही अंकुर पुत्र टेकचंद सिंह के नाम का प्रस्ताव सामने आया। नियमानुसार दूसरे प्रस्ताव के इंतजार में बैठक करीब आधे घंटे तक ठहरी रही। इस दौरान न कोई हंगामा हुआ, न कोई विरोध–बस एक शांत इंतजार। लेकिन जब कोई अन्य नाम सामने नहीं आया, तो उपस्थित ग्रामीणों ने सर्वसम्मति से अंकुर के नाम पर मुहर लगा दी। इस तरह उन्हें निर्विरोध राशन डीलर चुन लिया गया।

गौरतलब यह रहा कि पूरी प्रक्रिया बिना किसी विवाद के शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुई, जो आज के समय में कम ही देखने को मिलता है। ग्रामीणों ने उम्मीद जताई कि नवचयनित डीलर निष्पक्षता के साथ पात्र लोगों को समय पर राशन उपलब्ध कराएंगे और अपनी जिम्मेदारी को ईमानदारी से निभाएंगे।

एडीओ आईएसबी राजकुमार ने बताया कि चयन की रिपोर्ट तैयार कर ली गई है और सोमवार को एसडीएम कार्यालय भेजी जाएगी, ताकि आगे की औपचारिकताएं पूरी हो सकें। नगला खादर में यह निर्विरोध चयन न सिर्फ एक प्रशासनिक प्रक्रिया रही, बल्कि गांव की एकता, समझदारी और लोकतांत्रिक परिपक्वता की मजबूत तस्वीर भी बनकर सामने आया।

तपती गर्मी में गौवंश की सुरक्षा पर प्रशासन अलर्ट, डीएम के कड़े निर्देश

दैनिक बुलंद मंज़िल/ असलम सैफी जिला प्रभारी

अमरोहा। जनपद में संचालित गौआश्रय स्थलों की व्यवस्थाओं को दुरुस्त करने और भीषण गर्मी में संरक्षित गौवंश की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए जिलाधिकारी डॉ. नितिन गौड़ की अध्यक्षता में कलैक्ट्रेट सभागार में जिलास्तरीय अनुश्रवण एवं मूल्यांकन समिति की बैठक आयोजित हुई। बैठक में डीएम ने साफ निर्देश दिए कि सभी गौआश्रय स्थलों पर पेयजल, चारा, छाया और शेड की समुचित व्यवस्था हर हाल में सुनिश्चित की जाए, ताकि गर्मी के प्रभाव से गौवंश को किसी प्रकार की परेशानी न हो।

समीक्षा के दौरान डीएम ने कहा कि ग्रीष्म ऋतु को देखते हुए अतिरिक्त सतर्कता बरती जाए

और सभी आवश्यक व्यवस्थाएं समय रहते पूरी कर ली जाएं। उन्होंने गौआश्रय स्थलों में लगे सीसीटीवी कैमरों की कार्यक्षमता पर भी विशेष जोर देते हुए डीवीआर की पर्याप्त स्टोरेज, इंटरनेट कनेक्टिविटी और पावर बैकअप सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। साथ ही कैमरों का एंगल इस प्रकार रखने को कहा गया कि कंट्रोल रूम से सभी गतिविधियों की स्पष्ट निगरानी हो सके। वृहद नन्दी विहार गुरैठा में आठ अतिरिक्त कैमरे लगाए जाने के निर्देश भी दिए गए। बैठक में भूसे की उपलब्धता को लेकर भी चर्चा हुई। डीएम ने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि दान के माध्यम से भूसा प्राप्त करने की प्रक्रिया तेज की जाए, ताकि एक सप्ताह के भीतर जनपद का लक्ष्य पूरा किया जा सके। साथ ही गौआश्रय स्थलों में स्थापित बायोगैस प्लांट के सुचारू संचालन को भी प्राथमिकता देने के निर्देश दिए गए। इसके अलावा चन्दनकोटा, रहमापुर माफी, सांथलपुर और ब्रहम्माबाद स्थित गौआश्रय स्थलों में शेड विस्तार कराने के निर्देश दिए गए। डीएम ने जनपद स्तरीय अधिकारियों को नोडल अधिकारी बनाकर नियमित निरीक्षण सुनिश्चित करने को कहा। स्वयं सहायता समूहों की महिलाओं से चारा उत्पादन कराने के प्रस्ताव पर भी विचार किया गया, जिससे स्थानीय स्तर पर चारे की उपलब्धता बढ़ाई जा सके।

डीएम ने यह भी निर्देश दिए कि गौआश्रय स्थलों में छायादार पौधों का रोपण कराया जाए, बीमार गौवंश को अलग रखा जाए और नर-मादा पशुओं को अलग-अलग शेड में रखा जाए। साथ ही मादा गौवंश के नस्ल सुधार के लिए गुणवत्ता युक्त वगीर्कृत वीर्य से कृत्रिम गभार्धान कराने पर जोर दिया गया।

बैठक में मुख्य विकास अधिकारी अश्वनी कुमार मिश्र, उप जिलाधिकारी विभा श्रीवास्तव, मुख्य पशु चिकित्साधिकारी डॉ. आभा दत्त सहित संबंधित अधिकारी मौजूद रहे।

पुलिस की पैरवी रंग लाई, अफीम तस्कर को मिली सजा

दैनिक बुलंद मंज़िल/ असलम सैफी जिला प्रभारी

अमरोहा। मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ चल रहे अभियान के तहत अमरोहा पुलिस को एक अहम सफलता मिली है। प्रभावी पैरवी के चलते न्यायालय ने अफीम डोडा चूर्ण की तस्करी के मामले में अभियुक्त को सजा सुनाई है।

शनिवार को न्यायालय ने थाना हसनपुर में वर्ष 2017 में दर्ज मुकदमे (मु0अ0सं0 925/2017) में सुनवाई करते हुए अभियुक्त नफीस पुत्र हमीद , निवासी कस्बा हसनपुर, को दोषी करार दिया। यह मामला 02 किलो 700 ग्राम अफीम डोडा चूर्ण की बरामदगी से जुड़ा था, जो कि मादक पदार्थ तस्करी की श्रेणी में आता है। अदालत ने अभियुक्त को 01 वर्ष 04 माह 07 दिन के कठोर कारावास की सजा सुनाई, साथ

लखन सिंह यादव पुलिस अधीक्षक अमरोहा

ही 5,000 रुपये का अर्थदंड भी लगाया। अर्थदंड अदा न करने की स्थिति में अतिरिक्त कारावास भुगतना होगा।

इस मामले में पुलिस की मजबूत विवेचना और न्यायालय में सशक्त पैरवी को सजा का मुख्य आधार माना जा रहा है। अधिकारियों का कहना है कि मादक पदार्थों की तस्करी में लिप्त अपराधियों के खिलाफ इसी तरह सख्त कार्रवाई आगे भी जारी रहेगी।

पुलिस अधीक्षक ने इस सफल पैरवी में शामिल टीम की सराहना करते हुए इसे कानून व्यवस्था के प्रति प्रतिबद्धता का उदाहरण बताया है।

दैनिक
बुलन्द मंज़िल
मुरादाबाद
संभल
रविवार, 03 मई 2026
Daily Bilingual News Paper (Hindi & English)

अवैध होटलों में अनैतिक गतिविधियों का आरोप, कार्रवाई न होने पर आंदोलन की चेतावनी

सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी ने एसपी सिटी को सौंपा ज्ञापन, पुलिस-होटल संचालकों की सांठगांठ पर उठाए सवाल

बुलन्द मंज़िल ब्यूरो

मुरादाबाद। सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी के प्रतिनिधिमंडल ने शहर के बुध बाजार और मझोला थाना क्षेत्र में संचालित अवैध होटलों में अनैतिक गतिविधियों एवं देह व्यापार के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग को लेकर पुलिस अधीक्षक (नगर) को ज्ञापन सौंपा। पार्टी के जिलाध्यक्ष एवं मंत्री प्रतिनिधि रवि चौधरी के नेतृत्व में दिए गए ज्ञापन में कई गंभीर आरोप लगाए गए हैं ज्ञापन में कहा गया है कि बुध बाजार क्षेत्र में लगभग 100 और मझोला थाना क्षेत्र में करीब 50 होटल व गेस्ट हाउस ऐसे हैं, जो बिना आवश्यक मानकों और अग्निशमन विभाग की एनओसी के संचालित हो रहे हैं। इन स्थानों पर बड़े पैमाने पर देह व्यापार का धंधा चलने का आरोप है, जिसमें नाबालिग लड़कियों के शोषण की भी आशंका जताई गई है, जो कानूनन बेहद गंभीर अपराध है पार्टी का आरोप है कि इन होटलों में बिना पहचान पत्र के युवक-युवतियों को ठहराया जा रहा है, जिससे क्षेत्र का सामाजिक वातावरण प्रभावित हो रहा है। स्थानीय निवासियों के अनुसार, इन गतिविधियों के कारण परिवारों में विवाद और सामाजिक असंतुलन की स्थिति उत्पन्न हो रही है ज्ञापन में यह भी आरोप लगाया गया है कि कुछ पुलिसकर्मियों और होटल संचालकों के बीच कथित सांठगांठ है, जिसके चलते शिकायतों पर प्रभावी कार्रवाई नहीं हो पाती। स्थानीय लोगों का कहना है कि छापेमारी से पहले ही होटल संचालकों को सूचना मिल जाती है, जिससे कार्रवाई केवल औपचारिक बनकर रह जाती है। मंडी समिति पुलिस चौकी की भूमिका पर भी सवाल उठाए गए हैं मुख्य मांगें संदिग्ध होटलों की तत्काल सूची बनाकर सघन जांच की जाए देह व्यापार एवं शोषण में संलिप्त संचालकों पर गैंगस्टर एक्ट के तहत कार्रवाई हो सीसीटीवी फुटेज और रजिस्टर की जांच के लिए विशेष टास्क फोर्स का गठन किया जाए पार्टी ने चेतावनी दी है कि यदि एक सप्ताह के भीतर ठोस कार्रवाई नहीं की गई, तो जनहित में व्यापक आंदोलन शुरू किया जाएगा। ज्ञापन में कई अन्य कार्यकताओं के हस्ताक्षर भी शामिल हैं।

कुंदरकी में बिजली व्यवस्था सुधारने को सख्त निर्देश, 11 ट्रांसफार्मरों की क्षमता बढ़ाने और जर्जर लाइनें बदलने का आदेश

विधायक ठाकुर रामवीर सिंह ने अधिकारियों के साथ की समीक्षा बैठक, उपभोक्ताओं की शिकायतों के त्वरित निस्तारण पर जोर

बुलन्द मंज़िल सलमान यूसुफ

कुंदरकी/मुरादाबादः कुंदरकी विधानसभा क्षेत्र की बिजली समस्याओं को लेकर आज सर्किट हाउस में एक महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में विद्युत विभाग के अधिकारियों के साथ भारतीय जनता पार्टी के पदाधिकारी भी मौजूद रहे बैठक की अध्यक्षता करते हुए कुंदरकी विधायक ठाकुर रामवीर सिंह ने क्षेत्र में बिजली आपूर्ति की स्थिति पर विस्तार से समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि बिजली व्यवस्था को सुचारु और निर्बाध बनाया जाए। गर्मी के मौसम में बढ़ती बिजली मांग को देखते हुए किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी विधायक ने अधिकारियों को 11 ट्रांसफार्मरों की क्षमता 25 केवीए से बढ़ाकर 63 केवीए करने के निर्देश दिए। इसके अलावा 7 स्थानों पर जर्जर विद्युत लाइनों की मरम्मत एवं तार बदलने तथा लो-वोल्टेज की समस्या को प्राथमिकता के आधार पर हल करने को कहा कुंदरकी नगर में विद्युत लाइन के विस्तार के लिए 40 खंभों के साथ 1000 मीटर तार उपलब्ध कराने के भी निर्देश दिए गए। विधायक ने यह भी जोर दिया कि उपभोक्ताओं की शिकायतों का त्वरित और प्रभावी समाधान सुनिश्चित किया जाए बैठक के दौरान विधायक ने क्षेत्र में 60 से अधिक ट्रांसफार्मरों की क्षमता बढ़ाने और 10 स्थानों पर जर्जर तार बदलने के कार्यों के लिए विद्युत विभाग का आभार भी व्यक्त किया वहीं, विद्युत विभाग के अधिकारियों ने आश्वासन दिया कि सभी समस्याओं का शीघ्र समाधान किया जाएगा और क्षेत्र में बेहतर बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए लगातार कार्य जारी रहेगा बैठक में मुख्य अभियंता अशोक चौरसिया, अधीक्षण अभियंता, क्षेत्र से संबंधित अधिशासी अभियंता, उपखंड अधिकारी एवं कनिष्ठ अभियंता सहित भाजपा मंडल अध्यक्ष बबलू जाटव, संजय कश्यप, नीरज चंद्रा, महेंद्र सैनी, संजय दिवाकर, अरविंद ठाकुर समेत अन्य पदाधिकारी मौजूद रहे।

कटघर में पुलिस- गौ तस्कर मुठभेड़: फायरिंग के बाद दो बदमाश घायल, अवैध असलहा बरामद

चेकिंग के दौरान भागने लगे संदिग्ध, पुलिस पर की फायरिंग; जवाबी कार्रवाई में पैर में लगी गोली, दोनों गिरफ्तार

बुलन्द मंज़िल ब्यूरो

मुरादाबाद जनपद के थाना कटघर क्षेत्र में पुलिस और कथित गौ तस्करों के बीच हुई मुठभेड़ में दो बदमाश घायल हो गए। पुलिस की जवाबी फायरिंग में दोनों के पैर में गोली लगी, जिसके बाद उन्हें मौके पर ही गिरफ्तार कर लिया गया। घायलों को उपचार के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घटना के बाद इलाके में सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है पुलिस के अनुसार काशीपुर तिराहा चौकी क्षेत्र में नियमित चेकिंग अभियान चलाया जा रहा था। इसी दौरान एक बाइक पर सवार दो युवक संदिग्ध हालत में आते दिखाई दिए। पुलिस टीम ने उन्हें रुकने का इशारा किया, लेकिन दोनों ने बाइक मोड़कर भागने की कोशिश की। संदेह होने पर पुलिस ने पीछा किया तो आरोपियों ने खुद को घिरता देख पुलिस टीम पर फायरिंग शुरू कर दी पुलिस ने संयम बरतते हुए आत्मरक्षा में जवाबी कार्रवाई की, जिसमें दोनों बदमाशों के पैर में गोली लग गई और वे गिर पड़े। इसके बाद पुलिस ने उन्हें दबोच लिया। तलाशी के दौरान उनके पास से अवैध असलहे, जिंदा कारतूस, खोखा कारतूस, एक बाइक, रस्सी और गोकशी में इस्तेमाल होने वाले उपकरण बरामद किए गए गिरफ्तार आरोपियों ने पूछताछ में अपने नाम जुनैद निवासी सिरसखेड़ा और कयूम निवासी खानपुर लकी (थाना मुंडापांडे) बताए हैं। पुलिस रिकॉर्ड के अनुसार दोनों पहले से ही गोकशी के मामलों में वांछित थे पशु अवशेष मिलने के बाद तेज हुई थी कार्रवाई

नगर पुलिस अधीक्षक कुमार रणविजय सिंह ने बताया कि दो दिन पहले कटघर क्षेत्र में पशु अवशेष मिलने की घटना सामने आई थी, जिसके बाद मुकदमा दर्ज कर पुलिस टीमों को सक्रिय किया गया था। मुखबिर से सूचना मिली थी कि आरोपी दोबारा वारदात की योजना बना रहे हैं। इसी सूचना के आधार पर काशीपुर तिराहा क्षेत्र में घेराबंदी कर चेकिंग की जा रही थी। करीब रात 9:30 बजे संदिग्ध बाइक सवार पुलिस की नजर में आए। रोकने का प्रयास करने पर उन्होंने भागने के साथ पुलिस पर फायरिंग कर दी। जवाबी कार्रवाई में दोनों घायल हो गए और गिरफ्तार कर लिए गए गिरोह के अन्य सदस्यों की तलाश जारी पुलिस अब दोनों आरोपियों के आपराधिक इतिहास की जांच कर रही है। साथ ही यह भी पता लगाया जा रहा है कि इस गिरोह में और कौन-कौन लोग शामिल हैं। बरामद हथियारों और उपकरणों के आधार पर आगे की जांच जारी है इलाके में बढ़ाई गई सतर्कता मुठभेड़ के बाद कटघर और आसपास के क्षेत्रों में पुलिस गश्त बढ़ा दी गई है। संवेदनशील स्थानों पर अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किया गया है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि गोकशी और अवैध गतिविधियों में शामिल अपराधियों के खिलाफ अभियान लगातार जारी रहेगा।

नागफनी में दरिंदगी: रात में घर में घुसकर युवती से दुष्कर्म, पुलिस ने आरोपी को घंटों में दबोचा

बुलन्द मंज़िल ब्यूरो

मुरादाबाद। जनपद में महिलाओं के खिलाफ अपराध पर सख्त रुख अपनाते हुए पुलिस ने थाना नागफनी क्षेत्र में दुष्कर्म के एक सनसनीखेज मामले का खुलासा करते हुए आरोपी को त्वरित कार्रवाई में गिरफ्तार कर लिया। यह कार्रवाई सतपाल अंतिल के निर्देशन में चलाए जा रहे अपराध नियंत्रण अभियान के तहत की गई प्राप्त जानकारी के अनुसार, दिनांक 01 मई 2026 को थाना नागफनी क्षेत्र की एक युवती ने पुलिस को दी तहरीर में आरोप लगाया कि आरोपी ने देर रात उसके घर में जबरन घुसकर उसकी इच्छा के विरुद्ध दुष्कर्म किया। घटना के बाद पीड़िता ने हिम्मत दिखाते हुए पुलिस से शिकायत की तहरीर के आधार पर थाना नागफनी में मुकदमा संख्या 0067/2026 धारा 333/64(1) भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) के अंतर्गत मामला दर्ज किया गया। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने तत्काल जांच शुरू कर दी तेजी से कार्रवाई करते हुए नागफनी पुलिस टीम ने उसी रात आरोपी कन्हैया पुत्र गंगाराम निवासी सैनियों वाली गली, गली नंबर-2, नवाबपुरा थाना नागफनी को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने आरोपी को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है और अन्य आवश्यक वैधानिक कार्यवाही की जा रही है पुलिस अधिकारियों के अनुसार, इस मामले में साक्ष्यों के आधार पर मजबूत कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी ताकि आरोपी को कड़ी सजा दिलाई जा सके। साथ ही पीड़िता की सुरक्षा और गोपनीयता का पूरा ध्यान रखा जा रहा है पुलिस का संदेश मुरादाबाद पुलिस ने स्पष्ट किया है कि महिलाओं के खिलाफ किसी भी प्रकार के अपराध को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। ऐसे मामलों में त्वरित कार्रवाई कर आरोपियों को कानून के शिकंजे में लाना प्राथमिकता है, जिससे आमजन में सुरक्षा का विश्वास बना रहे।

स्मार्ट मीटर के विरोध में आम आदमी पार्टी का प्रदर्शन 3 मई को, विद्युत उपकेंद्र पर होगा जोरदार प्रदर्शन

बुलन्द मंज़िल ब्यूरो

मुरादाबाद उत्तर प्रदेश में स्मार्ट मीटर के नाम पर आम जनता से कथित वसूली के विरोध में आम आदमी पार्टी ने प्रदेशभर में आंदोलन करने का ऐलान किया है। पार्टी के वरिष्ठ नेता एवं सांसद रंल्लंा८ ्रल्लँ के निर्देश पर यह विरोध प्रदर्शन आयोजित किए जाएंगे इसी क्रम में मुरादाबाद जिले के पाकबड़ा क्षेत्र में 3 मई को सुबह 10 बजे कैलसा रोड स्थित विद्युत उपकेंद्र पर प्रदर्शन किया जाएगा। कार्यक्रम का नेतृत्व जिलाध्यक्ष मो. याकूब करेंगे, जबकि ई. मो. हैदर के मार्गदर्शन में आयोजन संपन्न होगा पार्टी कार्यकर्ता स्मार्ट मीटर के विरोध में प्रतीकात्मक रूप से फोटो जलाकर अपना आक्रोश व्यक्त करेंगे। इस दौरान बड़ी संख्या में कार्यकताओं और आम लोगों के शामिल होने की संभावना जताई जा रही है आम आदमी पार्टी के जिला महासचिव शिवकुमार राय ने कहा कि यह आंदोलन आम जनता के हितों की रक्षा के लिए किया जा रहा है। उन्होंने अधिक से अधिक लोगों से प्रदर्शन में शामिल होकर इसे सफल बनाने की अपील की है।

चाय की दुकान पर मामूली विवाद बना खूनी संघर्ष, ताबड़तोड़ फायरिंग में कई घायल, एक की हालत नाजुक

खूनी संघर्ष, फायरिंग में कई घायल

बुलन्द मंज़िल ब्यूरो

मुरादाबाद जनपद के थाना भोजपुर क्षेत्र के गांव ताजपुर में बीती रात मामूली कहासुनी ने देखते ही देखते खूनी संघर्ष का रूप ले लिया। चाय की दुकान पर शुरू हुआ विवाद इतना बढ़ गया कि दोनों पक्ष आमने-सामने आ गए और ताबड़तोड़ फायरिंग शुरू हो गई। इस घटना से पूरे गांव में अफरा-तफरी और दहशत का माहौल बन गया प्राप्त जानकारी के अनुसार, गांव ताजपुर में देर रात एक चाय की दुकान पर दो पक्षों के बीच किसी बात को लेकर कहासुनी हो गई थी। शुरूआत में लोगों ने मामला शांत कराने की कोशिश की, लेकिन कुछ ही देर में विवाद ने उग्र रूप ले लिया और दोनों पक्षों के बीच गोलियां चलने लगीं प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, कई राउंड फायरिंग हुई, जिससे आसपास मौजूद लोग अपनी जान बचाने के लिए इधर-उधर भागने लगे। इस गोलीबारी में समीर नामक युवक के सिर में गोली लगने से उसकी हालत गंभीर बनी हुई है, जबकि अली समेत कई अन्य लोगों को गोली के छर्रे लगे हैं सूत्रों के अनुसार, इस घटना में दोनों पक्षों की ओर से पांच से अधिक लोग घायल हुए हैं। कुछ घायलों की हालत सामान्य बताई जा रही है, जबकि एक की स्थिति चिंताजनक बनी हुई है घटना की सूचना मिलते ही थाना भोजपुर प्रभारी निरीक्षक संजय कुमार भारी पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और हालात को काबू में किया। पुलिस ने सभी घायलों को एम्बुलेंस के माध्यम से जिला अस्पताल भिजवाया, जहां उनका इलाज जारी है मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक ग्रामीण कुंवर आकाश सिंह भी जिला अस्पताल पहुंचे और घायलों का हालचाल जाना। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को मामले में सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए हैं पुलिस दोनों पक्षों की तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज करने की तैयारी कर रही है। फिलहाल गांव में तनावपूर्ण शांति बनी हुई है और एहतियातन पुलिस बल तैनात किया गया है। हालांकि, खबर लिखे जाने तक इस मामले में किसी भी अधिकारी का आधिकारिक बयान सामने नहीं आया था।

व्यापारी से 50 लाख की रंगदारी का आरोप, नगर पालिका कर्मचारियों की कार्रवाई से बाजार में हंगामा

दुकान के सामने खोखा रखवाने का आरोप, पीड़ित ने पुलिस को दी तहरीर

बुलन्द मंज़िल ब्यूरो

मुरादाबाद/ठाकुरद्वाराः मुरादाबाद जनपद के ठाकुरद्वारा क्षेत्र में एक व्यापारी से कथित रंगदारी मांगने और दबाव बनाने का मामला सामने आया है। आरोप है कि नगर पालिका अध्यक्ष इरफान सैफी के निर्देश पर नगर पालिका कर्मचारियों ने व्यापारी की दुकान के सामने कार्रवाई करते हुए तनाव की स्थिति पैदा कर दी, जिससे बाजार में हंगामा खड़ा हो गया पूरा मामला जानकारी के अनुसार, ठाकुरद्वारा के बाजार क्षेत्र में स्थित एक ज्वेलर्स की दुकान पर निर्माण कार्य चल रहा था। पीड़ित व्यापारी अवनीश सिंघल का आरोप है कि पिछले कई महीनों से नगर पालिका अध्यक्ष इरफान सैफी और उनके सहयोगी उनसे करीब 50 लाख रुपये की रंगदारी मांग रहे थे। व्यापारी का कहना है कि रकम न देने पर कार्रवाई की धमकी दी जा रही थी विरोध के बीच बढ़ा विवादः व्यापारी के मुताबिक, जब उन्होंने पैसे देने से इनकार किया तो नगर पालिका के कर्मचारी मौके पर पहुंच गए और दुकान के सामने टिन का खोखा रखवा दिया। इस दौरान आसपास के दुकानदार भी मौके पर इकट्ठा हो गए और विरोध प्रदर्शन करने लगे। देखते ही देखते बाजार में अफरा-तफरी और हंगामे का माहौल बन गया पुलिस से कार्रवाई की मांग घटना के बाद पीड़ित व्यापारी ने कोतवाली ठाकुरद्वारा में तहरीर देकर नगर पालिका अध्यक्ष और उनके सहयोगियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। इस पूरे घटनाक्रम का एक वीडियो भी सामने आया है, जिसमें नगर पालिका के कर्मचारी दुकान के सामने गाड़ी और सामान के साथ खड़े दिखाई दे रहे हैंल्लजांच में जुटी पुलिस फिलहाल पुलिस ने मामले को गंभीरता से लेते हुए जांच शुरू कर दी है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि जांच के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी और सच्चाई सामने आने के बाद दोषियों के खिलाफ उचित कदम उठाए जाएंगे।

ठाकुरद्वारा पुलिस ने चोरी की बाइक समेत दो शातिर चोर दबोचे, पुर्जों में काटकर बेचने की थी तैयारी

बुलन्द मंज़िल ब्यूरो

मुरादाबाद थाना ठाकुरद्वारा पुलिस ने बाइक चोरी की घटना का सफल अनावरण करते हुए दो शातिर चोरों को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से चोरी की एक मोटरसाइकिल और उसके कटे हुए कई पुर्जे बरामद किए हैं जानकारी के अनुसार, 26 अप्रैल 2026 को मोहल्ला फतेहउल्लागंज निवासी मौ. रिहान की ल्ीश्ङ्क रस्त्रील्लङ्क्रि१ मोटरसाइकिल को अज्ञात चोरों ने ग्रीन व्यू रिसॉर्ट के पास से चोरी कर लिया था। इस संबंध में थाना ठाकुरद्वारा में मुकदमा दर्ज किया गया था वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर चलाए जा रहे अभियान के तहत पुलिस अधीक्षक ग्रामीण के नेतृत्व और क्षेत्राधिकारी ठाकुरद्वारा के पर्यवेक्षण में पुलिस टीम ने कार्रवाई करते हुए 02 मई को दो अभियुक्तों को गिरफ्तार कर लिया। पकड़े गए आरोपियों की पहचान शहबाज (21 वर्ष) और महफूज (20 वर्ष), निवासी ग्राम शरीफ नगर, थाना ठाकुरद्वारा के रूप में हुई है पुलिस ने इनके पास से चोरी की गई बाइक (वङ18ङ0774) के अलावा बाइक के कई पुर्जे जैसे बॉडी, इंजन, शॉकर, टायर, हैंडल, चेसिस फ्रेम आदि बरामद किए हैं। पूछताछ में सामने आया कि आरोपी बाइक को काटकर उसके पार्ट्स बेचने की फिराक में थे बरामदगी और साक्ष्यों के आधार पर मुकदमे में धारा 317(2) बीएनएस की बढ़ोतरी की गई है और आगे की विधिक कार्रवाई जारी है आपराधिक इतिहास दोनों आरोपियों के खिलाफ पूर्व में भी चोरी व अन्य मामलों में मुकदमे दर्ज हैं। महफूज पर आयुध अधिनियम का मामला भी दर्ज है गिरफ्तार करने वाली टीम इस सफलता में प्रभारी निरीक्षक मनोज परमार, उपनिरीक्षक विनय कुमार, उपनिरीक्षक जितेंद्र कुमार मीणा समेत अन्य पुलिसकर्मियों की अहम भूमिका रही।

गोशालाओं के पास लगाए पिंजरे में फंसा तेंदुआ, दहशत के बीच ग्रामीणों को मिली बड़ी राहत

बुलन्द मंज़िल ब्यूरो

ठाकुरद्वारा (मुरादाबाद)। कोतवाली क्षेत्र के ग्राम तरफ दलपत व मैसूवाला में कई दिनों से तेंदुए की दहशत के चलते ग्रामीणों में भय का माहौल बना हुआ था। तेंदुआ लगातार गोशालाओं और आबादी के आसपास मंडरा रहा था, जिससे लोगों का घरों से निकलना तक मुश्किल हो गया था स्थिति को गंभीरता से लेते हुए वन विभाग ने तेंदुए को पकड़ने के लिए रणनीति बनाई और गोशालाओं के पास पिंजरे लगाए। शनिवार को विभाग की यह योजना सफल रही और तेंदुआ पिंजरे में फंस गया सूचना मिलते ही वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची और कड़ी सुरक्षा के बीच तेंदुए को अपने कब्जे में ले लिया। इस दौरान मौके पर ग्रामीणों की भारी भीड़ जुट गई, जिन्हें सुरक्षित दूरी बनाए रखने के निर्देश दिए गए।तेंदुए के पकड़े जाने की खबर फैलते ही ग्रामीणों ने राहत की सांस ली। कई दिनों से फैली दहशत के खत्म होने पर लोगों ने वन विभाग की टीम का आभार जताया वन विभाग के अधिकारियों ने बताया कि तेंदुए का स्वास्थ्य परीक्षण कर उसे सुरक्षित वन क्षेत्र में छोड़ा जाएगा। साथ ही ग्रामीणों से अपील की गई है कि वे सतर्क रहें और किसी भी वन्य जीव के नजर आने पर तुरंत सूचना दें।

प्रेमी-प्रेमिका की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत

शवों के पोस्टमॉर्टम कराकर मामले की जांच में जुटी पुलिस

जहीर आलम / बुलंद मंजिल

वृंदावन। रंगजी पुलिस चौकी क्षेत्र अंतर्गत दुगार्पुरम कालोनी में प्रेमी-प्रेमिका की संदिग्ध परिस्थितियों में हुई मौत से क्षेत्र में हड़कंप मच गया। सूचना पाकर पहुंची पुलिस ने बंद कमरे से दोनों के शव अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भिजवाकर मामले की जांच शुरू कर दी है। शुक्रवार की देर रात दुर्गा परम कॉलोनी में उस समय हड़कंप मच गया जब बंद कमरे में एक युवक और युवती के शव मिले। घटना की जानकारी उस समय हुई, जब काफी देर से कमरे का दरवाजा न खुलने तथा आवाज देने पर कोई जवाब नहीं मिला। रात करीब 10 बजे पड़ौसियों की सूचना पर पुलिस टीम के साथ सीओ सदर पीतम पाल मौके पर पहुंच गए। सीओ ने खिड़की से झांककर देखा तो युवक का शव छत पर लगे कुंडे से फंदे पर लटका हुआ था। पुलिस ने दरवाजा तोड़कर फंदे पर लटके युवक के शव और समीप में बैड पर पड़े युवती के शव अपने कब्जे में ले लिया। इनकी पहचान राधिका (30 वर्ष) और सुभाष (25 वर्ष) के रूप में हुई। पुलिस ने दोनों शवों को पोस्टमार्टम के लिए भिजवा दिया। बताया जा रहा है कि राधिका पिछले करीब 10 वर्षों से वृंदावन में और दुगार्पुरम कालोनी में 4 वर्षों से किराए पर रह रही थी। उसका पहले विवाह हुआ था, लेकिन कुछ समय बाद तलाक हो गया। करीब एक साल से युवती के तरौली छाता निवासी सुभाष के बीच प्रेम संबंध हो गए।

मौके पर पहुंचे सुभाष के बुआ के लड़के राहुल ने बताया कि पिछले कुछ दिनों से इन दोनों के बीच किसी बात को लेकर विवाद चल रहा था। 28 अप्रेल को राधिका ने सुभाष के खिलाफ छेड़छाड़ का मुकदमा दर्ज कराया था। शुक्रवार की दोपहर सुभाष घर से निकल आया और अब उन्हें इस घटना की जानकारी हुई।

सीओ सदर पीतम पाल ने बताया कि जानकारी मिली है कि उक्त युवक के युवती से पहले से ही संबंध थे। आज दोनों के शव बंद कमरे में मिले हैं। युवती के गले पर चोट का निशान है। इससे प्रथम दृष्टया ऐसा प्रतीत होता है कि युवक ने पहले युवती की हत्या की और फिर खुद ने फांसी लगाकर आत्महत्या की है। मौके के सही कारण का पता तो पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही पता चल सकेगा। फिलहाल फोरेंसिक टीम ने भी मौके से साक्ष्य जुटाए हैं और पुलिस द्वारा मामले की जांच की जा रही है।

टीचर्स ऑफ द ईयर अवार्ड समारोह धूमधाम से सम्पन्न

शिक्षक और शिक्षिकाओं को किया सम्मानित

जहीर आलम / बुलंद मंजिल

मथुरा / वृंदावन। वृंदावन बाल विकास परिषद के तत्वावधान में स्वर्गीय बृज बिहारी शर्मा की पुण्य स्मृति में आयोजित टीचर्स ऑफ द ईयर अवार्ड समारोह अटल्ला चुंगी स्थित के आर इन होटल के सभागार में हर्षोल्लास और गरिमामय वातावरण के बीच सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम में शिक्षण सत्र 2025-26 के दौरान उत्कृष्ट अध्यापन कार्य करने वाले वृंदावन नगर के विभिन्न स्कूलों और कॉलेजों के शिक्षक-शिक्षिकाओं को सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता बृजवासी तीर्थ पुरोहित पंडा सभा के अध्यक्ष श्याम सुंदर गौतम ने की। उन्होंने अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में कहा कि शिक्षक समाज की रीढ़ होते हैं, जो न केवल विद्यार्थियों को शिक्षा देते हैं, बल्कि उन्हें संस्कार और जीवन जीने की दिशा भी प्रदान करते हैं। ऐसे शिक्षकों का सम्मान करना समाज का कर्तव्य है।

मुख्य अतिथि के रूप में मथुरा-वृंदावन नगर निगम के उपसभापति मुकेश सारस्वत ने कहा कि शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले शिक्षकों का सम्मान करना नई पीढ़ी को प्रेरित करता है। उन्होंने शिक्षकों की भूमिका को राष्ट्र निर्माण में अत्यंत महत्वपूर्ण बताया।

विशिष्ट अतिथि भारतीय जनता पार्टी महानगर के महामंत्री विनीत शर्मा ने अपने संबोधन में कहा कि एक अच्छा शिक्षक ही एक अच्छे समाज की नींव रखता है। उन्होंने परिषद के इस आयोजन की सराहना करते हुए इसे शिक्षकों के उत्साहवर्धन का महत्वपूर्ण प्रयास बताया।

कार्यक्रम में सम्मानित अतिथि के रूप में नगर निगम पार्षद मुन्नालाल निषाद एवं अमित गौतम पिंटू ने कहा कि शिक्षकों के समर्पण और मेहनत के कारण ही विद्यार्थी जीवन में सफलता प्राप्त करते हैं। इससे पूर्व विभिन्न विद्यालयों से चयनित अर्चना त्रिपाठी, मोनिका शर्मा, किरण यादव, ललिता सारस्वत, लक्ष्मी शर्मा, भूप सिंह , प्रभाकर शर्मा, राम हरि शर्मा, सुखबीर सिंह, नीरज वर्मा, विमलेश सैनी, काजल गुप्ता, ,मोनिका, पार्वती तिवारी, ओमती पाठक, रेनू सिंह, आदित्य उपाध्याय, वैष्णवी त्रिपाठी, राशि अग्रवाल, विपिन नागर, पारुल भट्ट , भारती सैनी , मधु शर्मा, ज्योति शर्मा, सुशीला परिहार, राखी निषाद, भावना शर्मा, रूपा शर्मा को स्मृति चिन्ह, शॉल एवं प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित कर सभी को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। समारोह के दौरान उपस्थित जनसमूह ने तालियों की गड़गड़ाहट के साथ शिक्षकों का उत्साहवर्धन किया। इस अवसर पर उमेश दुबे गोलू पंडित, आशीष चौहान, विष्णु गोला, जितेंद्र कुमार गौतम, दुष्यंत दीक्षित गोपाल शर्मा, मुकेश कृष्ण शर्मा, आदि उपस्थित थे । संचालन डॉ सचिन अग्रवाल सचिन कुमार, रेनू उपाध्याय ने किया।

मुरसान में रिहायशी कॉलोनी में अवैध कबाड़ फैक्ट्री से लोगों में रोष, जिला अधिकारी से कार्रवाई की मांग

अनिल चौधरी,बुलंद मंजिल

हाथरस। जिले के मुरसान क्षेत्र स्थित सादाबाद अड्डा की बुद्ध विहार कॉलोनी में अवैध व्यावसायिक गतिविधियों को लेकर स्थानीय निवासियों में भारी आक्रोश व्याप्त है। कॉलोनी निवासी सिद्धार्थ कुमार ने जिला अधिकारी को प्रार्थना पत्र देकर शिकायत की है कि उनके घर के समीप एक व्यक्ति द्वारा पिछले लगभग पांच महीनों से रिहायशी क्षेत्र में अवैध रूप से कबाड़ का कारखाना संचालित किया जा रहा है। शिकायत के अनुसार, यह क्षेत्र पूर्णतः आवासीय घोषित है, जहां इस प्रकार की व्यावसायिक गतिविधियां संचालित करना नगर योजना एवं जोनिंग नियमों का उल्लंघन है। आरोप है कि संबंधित व्यक्ति दबंगई के बल पर यह कार्य कर रहा है, जिससे स्थानीय लोगों को कई प्रकार की समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है।

निवासियों का कहना है कि कारखाने से निकलने वाला धुआं और मशीनों का तेज शोर पर्यावरण को प्रदूषित कर रहा है, जिससे लोगों के स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है। इसके अलावा, बाहरी व्यक्तियों के लगातार आने-जाने से क्षेत्र में असुरक्षा की भावना बढ़ गई है। वहीं, माल की लोडिंग-अनलोडिंग और अवैध पार्किंग के कारण कॉलोनी की संकरी गलियां अक्सर जाम रहती हैं। स्थानीय लोगों का यह भी कहना है कि इस संबंध में पहले भी मौखिक शिकायत की जा चुकी है, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई है। उन्होंने जिला प्रशासन से मांग की है कि मामले की गंभीरता को देखते हुए मौके का निरीक्षण कर तत्काल अवैध फैक्ट्री को बंद कराया जाए, ताकि रिहायशी क्षेत्र में शांति और सुरक्षा बहाल हो सके।

विजय शर्मा (बैंजू पंडित) बने राष्ट्रीय अधिकार मोर्चा राम पार्टी के जिलाध्यक्ष कार्यकताओं में खुशी की लहर

गौरव दीक्षित,बुलंद मंजिल

हाथरस । राष्ट्रीय अधिकार मोर्चा राम पार्टी ने उत्तर प्रदेश में अपने संगठन का विस्तार करते हुए जिला अध्यक्षों की नई सूची जारी की है। इसी क्रम में युवा और जुझारू नेता विजय कुमार शर्मा उर्फ बैंजू पण्डित को हाथरस का नया जिला अध्यक्ष मनोनीत किया गया है। इसे लेकर संगठन के कार्यकताओं में हर्ष की लहर है। बैंजू पण्डित के मनोनयन की खबर मिलते ही समर्थकों में भारी उत्साह देखने को मिला। उनके निज निवास पर बधाई देने वालों का तांता लग गया। पार्टी कार्यकताओं और स्थानीय निवासियों ने फूल-मालाओं और ढोल-नगाड़ों के साथ उनका जोरदार स्वागत किया। समर्थकों ने उन्हें मिठाई खिलाकर जीत का जश्न मनाया और पार्टी आलाकमान के इस निर्णय का स्वागत किया।संगठन को मजबूत करने का लिया संकल्प इस अवसर पर नवनियुक्त जिला अध्यक्ष विजय कुमार शर्मा ने कहा कि पार्टी ने उन पर जो भरोसा जताया है, वे उस पर पूरी तरह खरा उतरेंगे। उन्होंने कहा,मेरा मुख्य लक्ष्य अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति को उसके अधिकारों के प्रति जागरूक करना और जिले में संगठन की जड़ों को मजबूत करना है। स्वागत समारोह के दौरान मुख्य रूप से मोहित बजरंगी, भोले भैया, पवन, आकाश, रोशन, गणेश, सचिन, करन और काना सहित बड़ी संख्या में पार्टी कार्यकर्ता और क्षेत्रीय लोग उपस्थित रहे। सभी ने एक स्वर में बैंजू पण्डित के नेतृत्व में पार्टी को नई ऊंचाइयों पर ले जाने का संकल्प लिया।

सड़क पर गिरे विद्युत पोल से टकराकर बाइक सवार युवक की मौत

गौरव दीक्षित,बुलंद मंजिल

हाथरस । सासनी-लहौर्रा मार्ग पर दो दिन पूर्व आई आंधी में गांव नगला सरदा के निकट एक पोल गिर गया, जिससे एक बाइक सवार टकरा जाने से बाइक सवार की मौत हो गई, जब कि उसका साथी गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल को उपचार के लिए जिला अस्पताल रेफर किया गया है जब कि मृतक के शव को पुलिस ने कब्जे में लेकर पंचनामा भर पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। बता दें कि गुरुवार को आई भीषण आंधी के कारण सरदा नगला गांव में एक भारी-भरकम विद्युत पोल टूटकर सड़क पर गिर गया था, जिससे एक बाइक सवार टकरा गया। इस हादसे में युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। और उसको सीएचसी उपचार के लिए लाया गया। जहां डॉक्टरों ने उससे मृत घोषित कर दिया। जिसके बाद मृतक के परिवार में चीख-पुकार मच गई । ग्रामीणों और मृतक के परिजनों के अनुसार ग्राम छौंड़ा निवासी अनिल (30 वर्ष) पुत्र प्रताप सिंह उर्फ पप्पू फौजी मेहनत मजदूरी कर अपने परिवार का भरण पोषण करता था। शनिवार दोपहर अपनी बाइक से किसी काम से सासनी आया था जो काम समाप्त करने के बाद लहौर्रा मार्ग से होते हुए वापस अपने गांव लौट रहा था। जैसे ही वह सरदा नगला के पास पहुंचा, सड़क पर पहले से गिरे हुए बिजली के पोल से उसकी बाइक टकरा गई, जिससे अनिल गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना की जानकारी होने पर मौके पर पहुंचे ग्रामीण और लोग आनन-फानन में घायल को लेकर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचे, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। अनिल की मौत से परिजनों में कोहराम मच गया। उधर सूचना पाकर पुलिस मौके पर पहुंची और मृतक के शव को कब्जे में लेकर पंचनामा भर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। उधर ग्रामीणों में इस घटना को लेकर भारी रोष व्याप्त है। स्थानीय निवासी दिनेश कुमार का आरोप है कि गुरुवार को आंधी में पोल गिरने के तुरंत बाद 1912 पर विद्युत विभाग को शिकायत दर्ज कराई गई थी, लेकिन दो दिन बीत जाने के बाद भी पोल को रास्ते से नहीं हटाया गया। वहीं विद्युत विभाग के एसडीओ ने मामले पर सफाई देते हुए इसे एक दुर्भाग्यपूर्ण दुर्घटना करार दिया है। उनका कहना है कि दैवीय आपदा के कारण क्षेत्र में कई पोल गिरे थे, जिन्हें बदलने की प्रक्रिया जारी है। उन्होंने तर्क दिया कि पोल सड़क पर पड़ा था और स्पष्ट दिखाई दे रहा था, इसलिए यह एक सड़क दुर्घटना है। उन्होंने ने बताया कि सरकारी प्रक्रिया और संसाधनों की कमी के कारण पोल बदलने में समय लगा, हालांकि कस्बे की सप्लाई बहाल करने के बाद अब ग्रामीण क्षेत्रों में कार्य युद्ध स्तर पर किया जा रहा है। कल सुबह तक संबंधित क्षेत्र की विद्युत आपूर्ति सुचारू कर दी जाएगी।

सासनी में कोतवाली प्रभारी ने चलाया चेकिंग अभियान

होटल-ढाबों और कबाड़ियों की दुकानों और संदिग्धों पर नजर रखने के दिए निर्देश

गौरव दीक्षित,बुलंद मंजिल

हाथरस। सासनी कोतवाली प्रभारी श्रीमती विपिन चौधरी ने होटल-ढाबों और कबाड़ियों की दुकानों पर, विशेष चैकिंग अभियान चलाया, साथ ही अधीनस्थों एवं होटल एवं ढाबा संचालकों को संदिग्धों पर नजर रखने के दिए निर्देश दिए। शुक्रवार की देर शाम क्षेत्र में कानून व्यवस्था को सुदृढ़ करने और आपराधिक गतिविधियों पर अंकुश लगाने के उद्देश्य से कोतवाली प्रभारी विपिन चौधरी ने भारी पुलिस बल के साथ सघन चेकिंग अभियान चलाया। इस अभियान के दौरान उन्होंने कस्बे और आसपास के होटल व ढाबों का निरीक्षण किया। कोतवाली प्रभारी ने ढाबा संचालकों को कड़े निर्देश देते हुए कहा कि किसी भी सूरत में सार्वजनिक स्थानों या ढाबों पर मदिरापान न कराया जाए, नियमों का उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध कठोर वैधानिक कार्रवाई की जाएगी। चोरी की घटनाओं की रोकथाम के लिए पुलिस टीम ने क्षेत्र की कबाड़ की दुकानों की भी जांच की। पुलिस ने कबाड़ियों के लाइसेंस चेक किए और उन्हें कड़ाई से निर्देशित किया कि यदि कोई भी संदिग्ध व्यक्ति संदिग्ध सामान बेचने आता है, तो उसकी सूचना तत्काल थाने के सीयूजी नंबर पर दें। उन्होंने स्पष्ट किया कि अवैध कार्यों में संलिप्त पाए जाने वालों के खिलाफ सख्त कदम उठाए जाएंगे। वहीं, दो दिन पूर्व क्षेत्र के एक गांव में झोलाछाप डॉक्टर के कथित उपचार से हुई मासूम की मौत के मामले को गंभीरता से लेते हुए पुलिस ने क्लीनिकों का भी जायजा लिया। पुलिस टीम ने विभिन्न डॉक्टरों के क्लीनिकों पर जाकर उनके नाम और मोबाइल नंबर नोट किए। इस दौरान कोतवाली प्रभारी ने स्थानीय नागरिकों से सीधा संवाद कर उन्हें सुरक्षा का अटूट भरोसा दिलाया। उन्होंने जनता से अपील की कि क्षेत्र में किसी भी संदिग्ध गतिविधि या अप्रिय घटना की जानकारी तुरंत इलाका पुलिस को दें ताकि शांति व्यवस्था बनी रहे। इस अभियान के दौरान कस्बा इंचार्ज एसआई दीपक शुक्ला समेत भारी संख्या में पुलिस बल मौजूद रहा।

नीलगाय पर हमले का आरोपी गिरफ्तार, 12 बोर बंदूक बरामद

इकलाख कुरैशी / बुलंद मंजिल

राया - थाना राया पुलिस ने जंगली गाय को मारने के मामले में वांछित एक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से घटना में प्रयुक्त 12 बोर बंदूक भी बरामद की है। पुलिस के अनुसार, मुखबिर की सूचना पर कार्रवाई करते हुए बरेली हाईवे से पश्चिम दिशा में करीब 100 मीटर दूरी पर आयराखेड़ा बंबा की दाहिनी पटरी से आरोपी को पकड़ा गया। गिरफ्तार आरोपी की पहचान रामकेश पुत्र शंकर निवासी अवैरनी, थाना बलदेव, जनपद मथुरा (उम्र करीब 25 वर्ष) के रूप में हुई है। जिसमें भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) वन्य जीव संरक्षण अधिनियम आर्म्स एक्ट की शामिल हैं। थाना प्रभारी निरीक्षक कर्मवीर सिंह ने बताया कि गांव गुडेरा के जंगलो में हाल ही में पकड़े गये युवक द्वारा नीलगाय को घायल कर दिया था आरोपी के खिलाफ मुकददमा दर्ज कर पुलिस इसकी तलाश में जुटी थी मुखबिर की सूचना पर बरेली हाइबे से गिरफ्तार किया पकड़े गये युवक की निशांदेही से हमले में प्रयुक्त बंदूक बरामद कर विधिक कार्रवाई की गई गिरफ्तार करने वाली टीम में उपनिरीक्षक राजेश,हेड कंस्टेवल संदीप कुमार,अनिरुद्ध कुमार आदि उपस्थित रहे।

दैनिक बुलन्द मंज़िल
बिजनौर
संभल
रविवार, 03 मई 2026
Daily Bilingual News Paper (Hindi & English)

बरुकी बस स्टैंड पर भाकियू टिकैत गुट की मासिक बैठक, 9 मई को आंदोलन की चेतावनी

दैनिक बुलंद मंज़िल / सलीम हैदर

बरूकी। शनिवार को भारतीय किसान यूनियन (टिकैत गुट) की क्षेत्रीय इकाई की सांकेतिक मासिक बैठक बरुकी बस स्टैंड पर आयोजित की गई। बैठक में क्षेत्र की विभिन्न समस्याओं को लेकर किसानों ने जोरदार आवाज उठाई और जल्द समाधान न होने पर 9 मई को बड़ा आंदोलन करने की चेतावनी दी।

बैठक के दौरान किसानों ने नेशनल हाईवे से जुड़े मुद्दों को प्रमुखता से उठाया। किसानों ने एनएच के एसडीओ आशीष शर्मा को पंचायत में बुलाकर बरुकी फ्लाईओवर के दोनों ओर सर्विस रोड पर पुलिया निर्माण की मांग रखी। उनका कहना था कि पुलिया न होने के कारण आवागमन में भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

इसके अलावा इंडियन गैस सिलेंडर की आपूर्ति में हो रही देरी पर भी किसानों ने नाराजगी जताई। किसानों ने बताया कि जहां शहर में 25 दिनों में गैस सिलेंडर उपलब्ध हो जाता है, वहीं गांवों में 45 दिनों तक इंतजार करना पड़ता है। उन्होंने मांग की कि ग्रामीण क्षेत्रों में भी 25 दिनों के भीतर गैस सिलेंडर उपलब्ध कराया जाए।

बैठक में ढ४ल्लुं ठंश्रङ्कल्लं' इंल्ल' और रश्रंशे इंल्ल' ङ्का कल्ल्र्ि की बरुकी शाखाओं द्वारा किसानों के कथित शोषण का मुद्दा भी उठाया गया। किसानों ने चेतावनी दी कि बैंकिंग सेवाओं में सुधार न हुआ तो इसके खिलाफ भी आंदोलन किया जाएगा। इसके साथ ही किसानों ने झालू से नजीबाबाद के सरवनपुर तक नहर की पटरी को पक्का कराने, ग्राम बरुकी में सहकारी बैंक की शाखा स्थापित करने और नवनिर्मित पानी की टंकी को शीघ्र चालू कराने की मांग रखी। किसान यूनियन नेताओं ने स्पष्ट कहा कि यदि इन समस्याओं का शीघ्र समाधान नहीं हुआ, तो 9 मई को बड़ा आंदोलन किया जाएगा, जिसकी पूरी जिम्मेदारी प्रशासन की होगी।बैठक की अध्यक्षता राष्ट्रीय उपाध्यक्ष धर्मवीर सिंह धनखड़ ने की, जबकि संचालन क्षेत्र संगठन अध्यक्ष बृजेश ने किया। इस दौरान मंडल उपाध्यक्ष जय सिंह, तिलकराम खौबे, बृजेश काकरान, चमन सिंह, हेमराज सिंह, देवराज सिंह, रवि सिंह, घनश्याम सिंह, मुनेंद्र सिंह, नरपाल सिंह, जोगिंदर सिंह, डॉ. वीर सिंह, मुकेश सहित क्षेत्र के कई किसान मौजूद रहे।

14.50 लाख रुपये में छूटा नगीना विकास प्रदर्शनी नुमाइश मेले का ठेका

दैनिक बुलंद मंजिल/ यासिर शम्सी

नगीना। नगर के हिंदू इंटर कॉलेज परिसर में शुक्रवार को विकास प्रदर्शनी नुमाइश मेले के ठेके की खुली बोली आयोजित की गई।इसमें 16 ठेकेदारों ने हिस्सा लिया।कड़ी प्रतिस्पर्धा के बाद मेले का ठेका 14 लाख 50 हजार रुपये में छोड़ा गया।ज्योति स्वरूप मेमोरियल मैदान में सुबह करीब 11 बजे शुरू हुई नीलामी की शुरूआत पांच लाख रुपये से की गई।पहली बोली गौरव कुमार ने पांच लाख पांच हजार रुपये लगाई।इसके बाद मौजूद ठेकेदारों ने क्रमवार बोली बढ़ाई। अंत में इसकाई हाई इवेंट्स के प्रोपराइटर रिंकू कुमार पुत्र रमेश कुमार निवासी चंबा (हिमाचल प्रदेश) ने 14 लाख 50 हजार रुपये की सबसे ऊंची बोली लगाकर ठेका अपने नाम करा लिया।कॉलेज प्रबंधन यशवीर सिंह ने बताया कि विकास प्रदर्शनी नुमाइश मेला 20 मई से शुरू होगा,जिसकी अनुमति 30 जून तक रहेगी।एक जुलाई को कॉलेज का फील्ड मैदान पूरी तरह खाली कर कॉलेज प्रशासन को सौंपना होगा।मेले से संबंधित अन्य सभी अनुमतियां ठेकेदार को स्वयं प्राप्त करनी होंगी।बोली में राहुल,गौरव कुमार सिंधिया,राजपाल सिंह, मुनाफ अली,कुंवर सेन जैन,राधेश्याम,गौरव कुमार,नेक सिंह,अनुज कुमार,बेगराज,हर्ष राजपूत,रिंकू कुमार, इमरान,अरशद,सुलेमान और अंकुर कुमार मौजूद रहे।इस दौरान प्रधानाचार्य यशवीर सिंह,प्रवक्ता रणवीर सिंह,भानु प्रकाश सिंह, सहायक अध्यापक पवन कुमार,सुनील कुमार और राजेंद्र सिंह भी उपस्थित रहे।

धामपुर तहसील में सम्पूर्ण समाधान दिवस: 183 शिकायतें दर्ज, 11 का मौके पर निस्तारण

दैनिक बुलंद मंज़िल/ उप जिला प्रभारी मौहम्मद फैजान

धामपुर/बिजनौर। जन समस्याओं के त्वरित और प्रभावी समाधान के उद्देश्य से आयोजित सम्पूर्ण समाधान दिवस के तहत शनिवार को तहसील धामपुर में जिलाधिकारी जसजीत कौर एवं पुलिस अधीक्षक अभिषेक झा ने संयुक्त रूप से जनसुनवाई की। इस दौरान बड़ी संख्या में फरियादी अपनी समस्याएं लेकर पहुंचे।

सम्पूर्ण समाधान दिवस की अध्यक्षता करते हुए जिलाधिकारी जसजीत कौर ने कहा कि शासन के निदेशों के अनुपालन में आयोजित इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य है कि एक ही स्थान पर जिला स्तरीय समस्याओं का मौके पर ही निस्तारण सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने निर्देश दिए कि यदि किसी कारणवश तत्काल समाधान संभव न हो, तो प्राप्त शिकायतों का एक सप्ताह के भीतर गुणवत्तापूर्ण निस्तारण किया जाए।

उन्होंने स्पष्ट कहा कि शिकायतकर्ता द्वारा बार-बार शिकायत प्रस्तुत करना इस बात का संकेत है कि उसकी समस्या का गंभीरता से समाधान नहीं किया गया। ऐसे में सभी अधिकारी जन शिकायतों को प्राथमिकता देते हुए मौके पर जाकर जांच करें, शिकायतकर्ता एवं स्थानीय लोगों से संवाद स्थापित करें और गुणवत्ता के साथ निस्तारण सुनिश्चित करें। जिलाधिकारी ने यह भी कहा कि प्रदेश सरकार जन शिकायतों के निस्तारण को लेकर अत्यंत संवेदनशील है और उच्च स्तर से इसकी गुणवत्ता की नियमित समीक्षा की जाती है। इसलिए किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

सम्पूर्ण समाधान दिवस में कुल 183 शिकायतें दर्ज की गईं, जिनमें से 11 का मौके पर ही संबंधित विभागीय अधिकारियों द्वारा निस्तारण कर दिया गया, जबकि शेष शिकायतों के शीघ्र समाधान के निर्देश दिए गए। इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक अभिषेक झा ने कानून-व्यवस्था से जुड़े मामलों पर अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए और लोगों को भरोसा दिलाया कि उनकी समस्याओं का निष्पक्ष समाधान किया जाएगा।

कार्यक्रम में मुख्य विकास अधिकारी रणविजय, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. कौशलेंद्र सिंह, परियोजना निदेशक डीआरडीए दिनकर भारती, उपजिलाधिकारी धामपुर स्मृति मिश्रा, सीओ सिटी, तहसीलदार सहित अन्य जिला, तहसील एवं ब्लॉक स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे।

शेख सुलेमान के आवास पर सपा जिला अध्यक्ष हनी फैसल का जोरदार स्वागत

दैनिक बुलंद मंज़िल मौहम्मद फैजान

अफजलगढ़ /बिजनौर। समाजवादी पार्टी के नवनियुक्त जिला अध्यक्ष हनी फैसल के अफजलगढ़ पहुंचने पर पूर्व विधायक शेख सुलेमान के आवास पर कार्यकताओं द्वारा उनका जोरदार स्वागत किया गया। यह कार्यक्रम 2 मई 2026 को आयोजित हुआ, जिसमें बड़ी संख्या में पार्टी पदाधिकारी और कार्यकर्ता मौजूद रहे। इस मौके पर जिला अध्यक्ष हनी फैसल ने कार्यकताओं को संबोधित करते हुए कहा कि वर्ष 2027 में माननीय अखिलेश यादव के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश में समाजवादी पार्टी की सरकार बनेगी। उन्होंने विश्वास जताया कि प्रदेश में चहुंमुखी विकास होगा और हर वर्ग को इसका लाभ मिलेगा। पूर्व विधायक शेख सुलेमान ने भी कहा कि 2027 में सपा की सरकार बनना तय है और प्रदेश में विकास की गंगा बहेगी। उन्होंने कार्यकताओं से संगठन को मजबूत करने और जनता के बीच सक्रिय रहने का आह्वान किया। कार्यक्रम में अहमद खिजर खान, बी.के. कश्यप, सोहेल बाबर, जीशान आलम एडवोकेट, नाबिल अहमद, शौएब अहमद, शाहिद कप्तान, शेख वाहिद, शेख इस्लामुद्दीन, शेख निजाम अहमद, शेख अब्दुल्ला और फहीम अहमद सहित कई कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

लाठी डंडों व ईंट पत्थरों से महिला पर हमला, पैर टूटा

दैनिक बुलंद मंजिल/यासिर शम्सी

कोतवाली देहात। ग्राम थेपुर में पुरानी रंजिश को लेकर महिला के साथ मारपीट का मामला सामने आया है।आरोप है कि गांव निवासी एक युवक ने महिला पर लाठी डंडों तथा ईंट पत्थरों से हमला कर दिया,जिससे उसका पैर टूट गया और हाथ में भी चोट आई।पीड़ित पक्ष के अनुसार,ग्राम थेपुर निवासी असगरी पत्नी सजाउद्दीन के साथ गांव के आबिद ने मारपीट की। बीच बचाव करने पहुंचे परिजनों के साथ भी आरोपी ने गाली गलौज की और जान से मारने की धमकी देते हुए मौके से फरार हो गया। घटना के बाद परिजनों ने डायल 112 पर सूचना दी।

दहेज में कार और पांच लाख की मांग,विवाहिता से मारपीट प्राथमिकी दर्ज

दैनिक बुलंद मंजिल यासिर शम्सी।

बढ़ापुर। गांव शाहलीपुर कोटरा निवासी युवक ने अपनी बहन के ससुराल पक्ष पर दहेज उत्पीड़न, मारपीट और जान से मारने की धमकी देने का आरोप लगाते हुए पुलिस को तहरीर दी है। शाहनवाज आलम ने पुलिस को बताया कि उसकी बहन दानिया परवीन की शादी करीब दस माह पूर्व थाना क्षेत्र के गांव नूरपुर अरब निवासी मोहम्मद अनस के साथ हुई थी।आरोप है कि शादी के बाद से ही पति अनस समेत ससुराल पक्ष के लोग दहेज में चार पहिया वाहन और पांच लाख रुपये की मांग को लेकर गाली गलौज, मारपीट और धमकी देते रहे। पीड़ित पक्ष का आरोप है कि 23 मार्च को दानिया परवीन घरेलू सामान खरीदकर बढ़ापुर से अपने घर लौट रही थी।तभी तारापुर मोड़ के पास नूरपुर अरब पुलिया से पहले ससुराल पक्ष के लोगों ने उसे रोक लिया और दहेज की मांग को लेकर मारपीट करते हुए जान से मारने की धमकी दी।

बेटे को छीनने का आरोप,महिला से मारपीट

दैनिक बुलंद मंजिल यासिर शम्सी।

बढ़ापुर। ग्राम शाहलीपुर कोटरा निवासी एक महिला ने अपने पति,सास समेत अन्य पर घर में घुसकर बेटे को जबरन ले जाने और मारपीट करने का आरोप लगाया है।पुलिस को तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की गई है। दानिया परवीन पुत्री मोहम्मद नासिर ने बताया कि गुरुवार की शाम करीब पांच बजे वह अपने पिता के घर पर अकेली थी।आरोप है कि इसी दौरान उसका पति अनस पुत्र अब्दुल रऊफ तथा सास गजाला पत्नी अब्दुल रऊफ निवासी ग्राम नूरपुर अरब घर में घुस आए और उसके बेटे को जबरन छीनकर ले जाने लगे। महिला का आरोप है कि विरोध करने पर आरोपियों ने गाली गलौज करते हुए धारदार हथियार से हमला कर मारपीट की,जिससे उसे गंभीर चोटें आईं।शोर सुनकर उसकी मां फिरोजा और ग्रामीण मौके पर पहुंचे तो आरोपी जान से मारने की धमकी देकर फरार हो गए।

गौरैया हाउस पहुंचीं डीएम व एसडीएम, जमाल शेख के प्रयासों की सराहना

दैनिक बुलंद मंज़िल मौहम्मद फैजान

बिजनौर/स्योहारा। कस्बे के मोहल्ला शेखान स्थित गौरैया संरक्षण की एक अनूठी पहल ने प्रशासन और आमजन का ध्यान अपनी ओर आकर्षित किया है। मोहल्ला शेखान निवासी शेख जमाल (स्वर्गीय अकबर अली के पुत्र) का पुश्तैनी घर गौरैया हाउस के रूप में पहचान बना चुका है, जहां हजारों की संख्या में गौरैया पक्षी सुरक्षित माहौल में निवास करते हैं और उनकी चहचहाहट से पूरा वातावरण गूंजता रहता है।

सम्पूर्ण समाधान दिवस के दौरान स्योहारा पहुंचीं जिलाधिकारी जसजीत कौर को जब इस विशेष पहल की जानकारी मिली, तो वे स्वयं एसडीएम स्मृति मिश्रा के साथ मौके पर पहुंचीं और गौरैया हाउस का निरीक्षण किया। उन्होंने घर के आंगन, छतों और आसपास के हिस्सों में गौरैया के लिए की गई दाना-पानी की व्यवस्था और सुरक्षित वातावरण को बारीकी से देखा। जिलाधिकारी ने कहा कि बचपन में गौरैया हर घर के आंगन में आसानी से दिखाई देती थी, लेकिन बदलते पर्यावरण, तेजी से बढ़ते शहरीकरण और आधुनिक जीवनशैली के कारण अब यह पक्षी लगभग विलुप्ति की कगार पर पहुंच गया है। उन्होंने बताया कि उन्हें इस घर के बारे में जानकारी समाचार पत्रों के माध्यम से मिली थी, जहां बड़ी संख्या में गौरैया बसेरा करती हैं, जिसे देखने की उत्सुकता में वे यहां पहुंचीं।

हजारों पक्षियों की चहचहाहट और उनके संरक्षण के लिए किए गए प्रयासों को देखकर जिलाधिकारी ने प्रसन्नता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि पशु-पक्षियों का संरक्षण हमारी नैतिक जिम्मेदारी है और शेख जमाल द्वारा किया जा रहा यह कार्य समाज के लिए एक प्रेरणादायक उदाहरण है। उन्होंने आम लोगों से अपील की कि विशेष रूप से गर्मी के मौसम में अपने घरों की छतों और आंगनों में पक्षियों के लिए पानी और दाना अवश्य रखें।

इस अवसर पर प्रसिद्ध चिकित्सक एवं वरिष्ठ समाजसेवी डॉ. मनोज कुमार वर्मा भी उपस्थित रहे। डॉ मनोज वर्मा ने कहा कि आज के समय में बढ़ते प्रदूषण और मोबाइल टावरों के रेडिएशन के बीच पक्षियों के लिए सुरक्षित स्थान उपलब्ध कराना अत्यंत आवश्यक हो गया है। इस मौके पर एसडीएम स्मृति मिश्रा, नायब तहसीलदार, डॉ मनोज वर्मा, अक्षत देवरा,थाना प्रभारी संजय कुमार ,हाजी नासिर, पूर्व सभासद नसीम कुरैशी, एडवोकेट तुफैल कुरैशी,, फराज शेख,डॉ. हसन सिद्दीकी, नन्हे भैया और बदर खान सहित कई प्रशासनिक अधिकारी व क्षेत्र के गणमान्य नागरिक व पत्रकार बंधु मौजूद रहे।

चांदपुर खेड़की स्थित भारत गैस एजेंसी की खुली मनमानी! ऑनलाइन पेमेंट ठुकराया, कनेक्शन बहाली के नाम पर वसूली का आरोप

शिकायत के बाद आपूर्ति विभाग की छापेमारी, कनेक्शन तुरंत बहाल–एजेंसी को कड़ी चेतावनी

दैनिक बुलंद मंजिल नागेन्द्र राजपूत

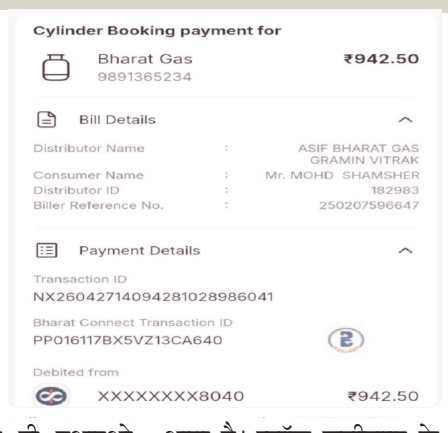

चांदपुर । चांदपुर क्षेत्र में गैस एजेंसी की मनमानी और उपभोक्ताओं से अवैध वसूली के आरोपों ने प्रशासनिक व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिए हैं। खेड़की स्थित भारत गैस से संबद्ध आसिफ गैस ग्रामीण वितरक पर उपभोक्ताओं को परेशान करने और नियमों के खिलाफ कार्य करने के गंभीर आरोप सामने आए हैं।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, हीमपुर दीपा क्षेत्र के गांव सिसौना निवासी राजवीर त्यागी का गैस कनेक्शन वर्ष 2016 में इसी एजेंसी से हुआ था। हाल ही में जब वे केवाईसी अपडेट कराने एजेंसी पहुंचे, तो पहले उनकी प्रक्रिया पूरी की गई, लेकिन बाद में उन्हें बताया गया कि उनका कनेक्शन कट चुका है। आरोप है कि एजेंसी के कंप्यूटर ऑपरेटर ने कनेक्शन दोबारा चालू कराने के नाम पर उनसे 1000 रुपये की मांग की और जल्द बहाली का आश्वासन दिया।

इससे परेशान होकर उपभोक्ता ने आपूर्ति विभाग के एआरओ आशाराम से शिकायत की। शिकायत मिलते ही एआरओ मौके पर पहुंचे और जांच के दौरान तत्काल कनेक्शन बहाल कराया। साथ ही एजेंसी संचालक और कर्मचारियों को भविष्य में इस तरह की अनियमितता न करने के सख्त निर्देश दिए।

इसी एजेंसी से जुड़ा एक और चौंकाने वाला मामला सामने आया है। ब्लॉक जलीलपुर के गांव इब्राहिमपुर निवासी एक उपभोक्ता ने बताया कि उन्होंने 27 अप्रैल 2026 को गैस बुकिंग कर ऑनलाइन भुगतान किया था। 29 अप्रैल को एजेंसी पहुंचने पर उन्हें यह कहकर सिलेंडर देने से मना कर दिया गया कि एजेंसी ऑनलाइन पेमेंट स्वीकार नहीं करती।

उपभोक्ता के अनुसार, जिलाधिकारी से शिकायत के बाद ही शाम को उन्हें सिलेंडर दिया गया, लेकिन एजेंसी संचालक ने भविष्य में ऑनलाइन भुगतान करने पर सिलेंडर न देने की चेतावनी भी दी। साथ ही उपभोक्ता ने आरोप लगाया कि पिछले पांच वर्षों से उन्हें कभी भी होम डिलीवरी की सुविधा नहीं मिली, जिससे उन्हें हर बार एजेंसी के चक्कर काटने पड़ते हैं। यह स्थिति तब और गंभीर हो जाती है जब सरकार डिजिटल भुगतान को बढ़ावा दे रही है। ऐसे में एजेंसी द्वारा ऑनलाइन पेमेंट से इनकार करना नियमों के विपरीत और उपभोक्ता अधिकारों का उल्लंघन माना जा रहा है।

नियमों के अनुसार:
एलपीजी उपभोक्ता ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों माध्यमों से भुगतान करने के हकदार हैं। किसी भी एजेंसी द्वारा ऑनलाइन भुगतान को अस्वीकार करना या इसके आधार पर सेवा देने से इनकार करना नियमों के खिलाफ है।

बड़ा सवाल:
क्या संबंधित एजेंसी के खिलाफ कड़ी कार्रवाई होगी या उपभोक्ताओं का शोषण यूं ही जारी रहेगा?

इस पूरे प्रकरण ने क्षेत्र में गैस एजेंसियों की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। स्थानीय लोगों और उपभोक्ताओं ने प्रशासन से निष्पक्ष जांच और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है, ताकि भविष्य में इस तरह की घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो।

दैनिक
बुलन्द मंज़िल
बिजनौर

संभल
रविवार, 03 मई 2026
Daily Bilingual News Paper (Hindi & English)
08

बिजनौर में स्कूल पर बड़ा सवाल! 5वीं तक मान्यता, लेकिन 12वीं तक पढ़ाई—ग्रामीणों में रोष

टॉप करने पर बधाई के बीच उठा मान्यता का मुद्दा, बेसिक शिक्षा अधिकारी से जांच की मांग

दैनिक बुलंद मंजिल / नागेन्द्र राजपूत

चांदपुर /बाबरपुर। चांदपुर तहसील क्षेत्रांतर्गत ग्राम बाबरपुर स्थित मॉडर्न न्यू एरा पब्लिक स्कूल एक ओर जहां हाईस्कूल और इंटरमीडिएट में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्र-छात्राओं की सफलता पर बधाई संदेश जारी कर रहा है, वहीं दूसरी ओर विद्यालय की मान्यता को लेकर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। विद्यालय प्रबंधन द्वारा जारी संदेश में हाईस्कूल एवं इंटरमीडिएट के सभी छात्र-छात्राओं को शानदार सफलता और स्कूल टॉप करने पर बधाई दी गई। संदेश में कहा गया कि छात्रों की मेहनत, लगन और अनुशासन ने विद्यालय का नाम रोशन किया है तथा उनसे भविष्य में भी इसी प्रकार उत्कृष्ट प्रदर्शन की उम्मीद जताई गई। लेकिन इसी बीच ग्रामवासियों और समाजसेवियों ने विद्यालय की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाते हुए

आरोप लगाया है कि स्कूल को केवल कक्षा 5 तक की मान्यता प्राप्त है, जबकि यहां कक्षा 12 तक की पढ़ाई कराई जा रही है। ग्रामीणों का कहना है कि यह नियमों के विपरीत है और इससे बच्चों के भविष्य के साथ खिलवाड़ हो सकता है। स्थानीय लोगों ने बताया कि विद्यालय में नर्सरी से लेकर 12वीं तक (विज्ञान, वाणिज्य एवं कला वर्ग) की पढ़ाई का दावा किया जा रहा है, जबकि आधिकारिक मान्यता सीमित है। इस मामले को लेकर गांव में चर्चा और असंतोष का माहौल बना हुआ है। ग्रामीणों और समाजसेवियों ने मामले को गंभीरता से लेते हुए बेसिक शिक्षा अधिकारी से इसकी जांच कर उचित कार्रवाई की मांग की है। उनका कहना है कि यदि समय रहते इस पर ध्यान नहीं दिया गया तो यह बच्चों की शिक्षा और भविष्य दोनों के लिए हानिकारक साबित हो सकता है।

बड़ा सवाल:
क्या बिना पूर्ण मान्यता के 12वीं तक पढ़ाई कराना नियमों का उल्लंघन नहीं है? और क्या संबंधित विभाग इस पर सख्त कार्रवाई करेगा?
अब देखना यह है कि शिक्षा विभाग इस मामले को कितनी गंभीरता से लेकर जांच करता है और क्या विद्यालय के खिलाफ कोई ठोस कदम उठाया जाता है या नहीं।

गलत आदतों का खामियाजा: धीरे-धीरे खराब हो रहे शरीर के अंग! युवाओं में बढ़ रहा बीमारियों का खतरा

डॉक्टरों ने दी चेतावनी—भूखे रहना, कम पानी पीना, तनाव और जंक फूड बन रहे सेहत के दुश्मन

दैनिक बुलंद मंजिल
नागेन्द्र राजपूत

चांदपुर। आधुनिक जीवनशैली और बदलती खानपान की आदतों का असर अब लोगों के शरीर पर साफ दिखाई देने लगा है। स्वास्थ्य विशेषज्ञों के अनुसार रोजमर्रा की छोटी-छोटी लापरवाहियां समय के साथ गंभीर बीमारियों में बदल सकती हैं और शरीर के महत्वपूर्ण अंगों को नुकसान पहुंचा सकती हैं। विशेषज्ञ बताते हैं कि पेट से जुड़ी समस्याएं आज आम हो गई हैं, जिसका प्रमुख कारण अनियमित भोजन और लंबे समय तक भूखे रहना है। इससे गैस, एसिडिटी और अल्सर जैसी समस्याएं तेजी से बढ़ रही हैं। किडनी की सेहत पर भी लोगों की लापरवाही भारी पड़ रही है। पर्याप्त मात्रा में पानी न पीने और शरीर में तरल की कमी से किडनी पर दबाव बढ़ता है, जो आगे चलकर गंभीर रोगों का कारण बन सकता है। मानसिक स्वास्थ्य को

लेकर भी स्थिति चिंताजनक होती जा रही है। लगातार तनाव, चिंता और नकारात्मक सोच दिमाग को प्रभावित कर रही है, जिससे अवसाद, अनिद्रा और मानसिक थकान जैसी समस्याएं बढ़ रही हैं। आंखों की सेहत भी तकनीक के बढ़ते उपयोग के कारण प्रभावित हो रही है। अंधेरे में मोबाइल और लैपटॉप की तेज रोशनी का अधिक इस्तेमाल आंखों में जलन, दर्द और दृष्टि संबंधी परेशानियों को जन्म दे रहा है। लिवर की बीमारियों में भी तेजी से इजाफा हो रहा है, जिसका मुख्य कारण फास्ट फूड का बढ़ता चलन और शराब का सेवन है। इससे फैटी लिवर जैसी समस्याएं आम होती जा रही हैं। दिल की सेहत पर भी गलत खानपान का सीधा असर पड़ता है। अधिक नमक और तैलीय भोजन हाई ब्लड प्रेशर और हृदय रोगों का जोखिम बढ़ा रहे हैं। फेफड़ों के लिए धूम्रपान सबसे बड़ा खतरा बना हुआ है, जो कैंसर और सांस संबंधी गंभीर बीमारियों का कारण बनता है। वहीं कानों पर तेज आवाज में हेडफोन का उपयोग सुनने की क्षमता को धीरे-धीरे कमजोर कर रहा है।

इसके अलावा अत्यधिक मीठा खाने की आदत पैंक्रियाज पर असर डालती है, जिससे मधुमेह (डायबिटीज) का खतरा बढ़ जाता है। विशेषज्ञों का मानना है कि शरीर का कोई भी अंग अचानक खराब नहीं होता, बल्कि यह लंबे समय तक अपनाई गई गलत आदतों और असंतुलित जीवनशैली का परिणाम होता है।

स्वास्थ्य विशेषज्ञों की सलाहः
समय पर भोजन करें, पर्याप्त पानी पिएं, नियमित व्यायाम करें, तनाव को नियंत्रित रखें और संतुलित आहार अपनाएं। छोटी-छोटी सावधानियां अपनाकर बड़ी बीमारियों से बचा जा सकता है।

रालोद में बड़ा सियासी दांव! डॉ. विपिन तोमर पांचवीं बार जिला महासचिव नियुक्त, संगठन को मिलेगा नया बल

शीर्ष नेतृत्व के निर्देश पर हुआ फैसला, समर्पण और सक्रियता का मिला बड़ा इनाम

दैनिक बुलंद मंजिल
नागेन्द्र राजपूत

चांदपुर। जनपद बिजनौर की राजनीति में एक अहम घटनाक्रम के तहत राष्ट्रीय लोकदल (रालोद) ने संगठन को मजबूती देने की दिशा में बड़ा कदम उठाया है। पार्टी ने चांदपुर क्षेत्र के रावटी गांव निवासी डॉ. विपिन तोमर को एक बार फिर जिला महासचिव की जिम्मेदारी सौंपी है। खास बात यह है कि डॉ. तोमर को लगातार पांचवीं बार इस महत्वपूर्ण पद पर नियुक्त किया गया है, जिससे पार्टी में उनकी मजबूत पकड़ और विश्वसनीयता साफ झलकती है। यह नियुक्ति रालोद में चल रहे संगठनात्मक फेरबदल का हिस्सा मानी जा रही है, जिसके जरिए पार्टी आगामी राजनीतिक चुनौतियों के लिए खुद को

तैयार कर रही है। जिलाध्यक्ष ओमपाल कश्यप द्वारा जारी मनोनयन पत्र में स्पष्ट किया गया कि यह निर्णय पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं केंद्रीय मंत्री चौधरी जयंत सिंह के निर्देश पर लिया गया है। इसके साथ ही प्रदेश अध्यक्ष रामाशीष राय, संगठन महासचिव (उत्तर प्रदेश) राजीव चौधरी तथा रुहेलखंड क्षेत्रीय अध्यक्ष रामवीर सिंह की सहमति से यह नियुक्ति सुनिश्चित की गई है। जिलाध्यक्ष ओमपाल कश्यप ने डॉ. विपिन तोमर की कार्यशैली की सराहना करते हुए कहा कि उनकी पार्टी के प्रति अटूट निष्ठा, जमीनी स्तर पर सक्रियता और संगठन के प्रति समर्पण ही इस जिम्मेदारी का आधार है। उन्होंने भरोसा जताया कि डॉ. तोमर पार्टी की नीतियों और सिद्धांतों को गांव-गांव और जन-जन तक पहुंचाने में अहम भूमिका निभाएंगे तथा संगठन को और अधिक सशक्त बनाएंगे। डॉ. विपिन तोमर ने अपनी नियुक्ति पर खुशी जाहिर करते हुए पार्टी के राष्ट्रीय, प्रदेश और जिला नेतृत्व का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि वे इस जिम्मेदारी को पूरी ईमानदारी और समर्पण के साथ निभाते हुए संगठन को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने का हर संभव प्रयास करेंगे। उनकी इस नियुक्ति से पार्टी कार्यकर्ताओं में उत्साह का माहौल है। वरिष्ठ नेताओं और समर्थकों ने इसे रालोद के संगठन को मजबूत करने की दिशा में एक प्रभावी कदम बताया है। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि ऐसे अनुभवी और सक्रिय नेताओं को जिम्मेदारी देने से पार्टी को जमीनी स्तर पर मजबूती मिलने की पूरी संभावना है।

नजीबाबाद विधानसभा में तेजी से उभरता चेहरा बने चेयरमैन खुर्शीद मंसूरी

दैनिक बुलंद मंज़िल
मौहम्मद फैजान

बिजनौर। नजीबाबाद विधानसभा क्षेत्र में इन दिनों चेयरमैन खुर्शीद मंसूरी की सक्रियता राजनीतिक और सामाजिक दोनों ही स्तरों पर चर्चा का केंद्र बनी हुई है। आगामी विधानसभा चुनाव को देखते हुए उनकी लगातार बढ़ती मौजूदगी यह संकेत दे रही है कि वे क्षेत्र में अपनी मजबूत दावेदारी पेश करने की तैयारी में हैं। चेयरमैन खुर्शीद मंसूरी पिछले कुछ समय से लगातार क्षेत्र में जनसंपर्क अभियान चला रहे हैं। वे गांव-गांव और मोहल्लों में पहुंचकर आम जनता से सीधा संवाद स्थापित कर रहे हैं। खास बात यह है कि वे सिर्फ औपचारिक मुलाकातों तक सीमित नहीं हैं, बल्कि लोगों की समस्याओं को गंभीरता

से सुनकर उनके समाधान के लिए संबंधित अधिकारियों से समन्वय भी करते नजर आ रहे हैं।

स्थानीय मुद्दों—जैसे सड़क, बिजली, पानी, स्वास्थ्य और शिक्षा—पर उनकी सक्रियता ने उन्हें जनता के बीच एक जिम्मेदार और भरोसेमंद नेतृत्व के रूप में स्थापित किया है। यही कारण है कि युवाओं, व्यापारियों और आम नागरिकों के बीच उनकी लोकप्रियता लगातार बढ़ रही है। सामाजिक कार्यक्रमों, जनसभाओं और विभिन्न आयोजनों में उनकी बढ़ती भागीदारी भी यह दशार्ती है कि वे न सिर्फ राजनीतिक रूप से, बल्कि सामाजिक रूप से भी अपनी मजबूत पकड़ बना रहे हैं। उनकी कार्यशैली में जमीनी जुड़ाव और त्वरित निर्णय क्षमता साफ नजर आती है, जो उन्हें अन्य नेताओं से अलग पहचान दिला रही है।

राजनीतिक गलियारों में भी खुर्शीद मंसूरी की सक्रियता को लेकर चचार्एं तेज हैं। जानकारों का मानना है कि यदि इसी तरह उनकी पकड़ मजबूत होती रही, तो आने वाले विधानसभा चुनाव में वे एक प्रभावशाली और निर्णायक चेहरा साबित हो सकते हैं।

कुल मिलाकर, नजीबाबाद विधानसभा में चेयरमैन खुर्शीद मंसूरी का बढ़ता जनाधार और सक्रियता यह साफ संकेत दे रही है कि वे क्षेत्र की राजनीति में एक नई दिशा देने की क्षमता रखते हैं।

हेजलमून स्कूल में इंटर हाउस बैडमिंटन प्रतियोगिता का धमाल! छात्राओं ने दिखाया शानदार खेल कौशल

दो वर्गों में हुई प्रतियोगिता, सफायर हाउस का दबदबा बरकरार

दैनिक बुलंद मंजिल
नागेन्द्र राजपूत

चांदपुर। द हेजलमून स्कूल में कक्षा 6 से 12 तक की छात्राओं के लिए इंटर हाउस बैडमिंटन प्रतियोगिता का आयोजन अत्यंत उत्साह और उमंग के साथ किया गया। विद्यालय परिसर खेल भावना और प्रतिस्पर्धा के जोश से सराबोर नजर आया। प्रतियोगिता को दो वर्गों—कक्षा 6 से 8 एवं कक्षा 9 से 12—में विभाजित किया गया, जिसमें छात्राओं ने बढ़-चढ़कर भाग लिया और अपने उत्कृष्ट खेल कौशल का प्रदर्शन किया। कक्षा 6 से 8 वर्ग में सफायर हाउस की भव्या अग्रवाल, भार्गवी तोमर और परी सिंह ने बेहतरीन खेल दिखाते हुए अपनी टीम को प्रथम स्थान दिलाया। कार्नेलियन हाउस की अंशिका ढाका, तनिष्का चौधरी और ग्रेसी तोमर

ने जोरदार मुकाबला करते हुए द्वितीय स्थान हासिल किया, जबकि सिट्रिन हाउस की सौम्या चौधरी, मीरा सिंह और चार्ली सिंह ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। एमेरल्ड हाउस की जागृति प्रताप सिंह, याफी हयात और उर्वशी राजपूत ने भी शानदार प्रदर्शन कर दर्शकों की खूब वाहवाही लूटी।

वहीं कक्षा 9 से 12 वर्ग में भी मुकाबला बेहद रोमांचक रहा। सफायर हाउस की अग्रयता चौधरी, अनहा हाशमी और प्रज्ञा चौधरी ने बेहतरीन तालमेल और तकनीक का परिचय देते हुए प्रथम स्थान पर कब्जा जमाया। कार्नेलियन हाउस की इफरा शाद और आरुषि ने कड़ा मुकाबला करते हुए द्वितीय स्थान प्राप्त किया, जबकि एमेरल्ड हाउस की यूसरा परवीन, रूहानी मलिक, सिमर कौर और रिया पाल ने तृतीय स्थान हासिल किया। सिट्रिन हाउस की टीम ने भी संघर्षपूर्ण खेल दिखाया।

पूरी प्रतियोगिता के दौरान छात्राओं की ऊर्जा, अनुशासन और खेल भावना देखने लायक रही। हर मैच में रोमांच और उत्साह का माहौल बना रहा, जिसने दर्शकों को अंत तक बांधे रखा। विद्यालय की निर्देशिका शक्ति अनिरुद्ध मित्तल ने छात्राओं के उत्कृष्ट प्रदर्शन की सराहना करते हुए कहा कि खेल न केवल शारीरिक विकास का माध्यम है, बल्कि यह आत्मविश्वास और अनुशासन भी सिखाता है। वहीं प्रधानाचार्या गरिमा सिंह ने सभी प्रतिभागियों को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की और खेलों में निरंतर भागीदारी के लिए प्रेरित किया। यह प्रतियोगिता न केवल छात्राओं के खेल कौशल को निखारने का मंच बनी, बल्कि उनके सर्वांगीण विकास और टीम भावना को मजबूत करने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाली साबित हुई।

चांदपुर तहसील में गरजी किसानों की पंचायत, समस्याओं का समाधान नहीं हुआ तो बड़े आंदोलन की चेतावनी

भारतीय किसान यूनियन लोक शक्ति ने सौंपा ज्ञापन, एसडीएम ने दिया जल्द कार्रवाई का आश्वासन

दैनिक बुलंद मंजिल
नागेन्द्र राजपूत

चांदपुर। 2 मई 2026 को भारतीय किसान यूनियन लोक शक्ति की एक महत्वपूर्ण पंचायत तहसील चांदपुर में आयोजित की गई। पंचायत की अध्यक्षता जलीलपुर ब्लॉक अध्यक्ष योगेंद्र सिंह काकरान ने की, जबकि संचालन ब्लॉक उपाध्यक्ष सतवीर सिंह द्वारा किया गया।

पंचायत को संबोधित करते हुए ब्लॉक अध्यक्ष योगेंद्र सिंह काकरान ने कहा कि किसान लगातार सरकारी विभागों के चक्कर काटने को मजबूर हैं, लेकिन समय पर उनकी समस्याओं का समाधान नहीं हो रहा है। उन्होंने बिजली विभाग द्वारा लगाए जा रहे स्मार्ट मीटरों पर रोक लगाने की मांग उठाई। इसके अलावा पंचायत में कई अहम मुद्दे उठाए गए, जिनमें ग्राम बामन सोरा में निमार्णाधीन

मीरापुर रोड पर जल निकासी हेतु पाइप डलवाने, गंगा एक्सप्रेसवे को विदुर कुटी गज बिजनौर गंगा किनारे से निकालने, ग्राम कमालपुर में नाला निर्माण, राजस्व विभाग द्वारा खेतों की पैमाइश में पुलिस व्यवस्था सुनिश्चित करने, ग्राम आकोंधा में भूमि पैमाइश कराकर तारबंदी कराने, आवारा पशुओं व गुलदारों से किसानों की सुरक्षा, खानपुर व लाटीपुर चूखेड़ी में तालाबों की सफाई और पायलट निर्माण, सहकारी समिति द्वारा ली गई 4% राशि वापसी तथा ब्लॉक जलीलपुर में अवैध कब्जों को हटाने जैसी मांगें प्रमुख रहीं। पंचायत में यह भी स्पष्ट रूप से निर्णय लिया गया कि यदि समय रहते समस्याओं का समाधान नहीं किया गया तो भारतीय किसान यूनियन लोक शक्ति द्वारा बड़ा आंदोलन शुरू किया जाएगा, जिसकी पूरी जिम्मेदारी शासन-प्रशासन की होगी। इसके उपरांत जलीलपुर ब्लॉक अध्यक्ष योगेंद्र सिंह काकरान के नेतृत्व में किसानों की समस्याओं से संबंधित एक ज्ञापन नितिन तेवतिया (एसडीएम चांदपुर) को सौंपा गया। एसडीएम नितिन तेवतिया ने सभी समस्याओं के शीघ्र समाधान का आश्वासन दिया। एसडीएम के आश्वासन के बाद संगठन के कार्यकताओं ने फिलहाल प्रस्तावित धरना-प्रदर्शन को स्थगित करने की घोषणा कर दी। पंचायत में मुख्य रूप से गजराज सिंह, योगेंद्र सिंह तोमर, गजेंद्र सिंह, कुमार पाल सिंह, भूदेव यादव, नाथू यादव, कन्हैया जी, कमल सिंह, नाजिम अहमद, सलीम अहमद, तरुण कुमार, केहर सिंह, धीरेंद्र त्यागी, प्रवेश त्यागी, सुभाष चौधरी, नरेश भगत, ओंकार सिंह, कालू त्यागी सहित अनेक किसान मौजूद रहे।

संपूर्ण समाधान दिवस में आई 15 शिकायतें एक का मौके पर निस्तारण

संपूर्ण समाधान दिवस के मौके पर नायब तहसीलदार अजब सिंह राणा, सीओ राजेश सिंह, बीडीओ ज्योति चौधरी ने पीड़ित लोगों की फरियाद सुनी।

दैनिक बुलंद मंजिल ब्यूरो चीफ बिजनौर

बिजनौर /नगीना। तहसील सभागार में नायब तहसीलदार की अध्यक्षता में आयोजित संपूर्ण समाधान दिवस में फरियादियों की समस्याओं को सुनकर उनका जल्द से जल्द निस्तारण किये जाने के दिशा निर्देश दिये। शनिवार को आयोजित हुए संपूर्ण समाधान दिवस 15 शिकायतें सुनी गई,

जबकि 01 का मौके पर ही निस्तारण कर दिया गया।

शनिवार को आयोजित संपूर्ण समाधान दिवस के मौके पर नायब तहसीलदार अजब सिंह राणा, सीओ राजेश सिंह, बीडीओ ज्योति चौधरी ने पीड़ित लोगों की फरियाद सुनी। संपूर्ण समाधान दिवस में राजस्व, भूमि विवादङ्क राशन कार्ड, विद्युत विभाग आदि से संबंधित 15 शिकायतें मुख्य रूप से प्राप्त हुई। जिसमें से 01 शिकायत का मौके पर निस्तारण किया गया। नायब तहसीलदार द्वारा समस्त अधिकारी कर्मचारीगण को निर्देशित किया गया कि सम्पूर्ण समाधान दिवस में आने वाली सभी शिकायतों का मौके पर जाकर निष्पक्ष जांच कर एवं समयावधि में गुणवत्तापूर्ण निस्तारण करें। सम्पूर्ण समाधान दिवस में नायब तहसीलदार अजब सिंह राणा, पुलिस क्षेत्राधिकारी राजेश सिंह, बीडीओ कोतवाली ज्योति चौधरी, एसडीओ विद्युत रामकेश, नपा नगीना से मुनीर आलम सहित राजस्व और पुलिस विभाग के कर्मचारी मौजूद रहे।

दूसरे दिवस रामनगर-काशीपुर-लालकुआं रेल खंडों का विण्डो ट्रेलिंग निरीक्षण

बुलंद मंजिल

बरेली : अपर महाप्रबंधक, पूर्वोत्तर रेलवे श्री विनोद कुमार शुक्ल ने अपने इज्जतनगर मंडल के दो दिवसीय दौरे के दौरान इज्जतनगर-काठगोदाम एवं आज दूसरे दिवस रामनगर-काशीपुर-लालकुआं रेल खंडों का विण्डो ट्रेलिंग निरीक्षण अपर मंडल रेल प्रबन्धक श्री मनोज कुमार एवं शाखाधिकारियों के साथ किया। अपर महाप्रबंधक ने

रेलपथ के रख-रखाव, साफ-सफाई, राइडिंग क्वालिटी, सिगनलों की स्थिति, खंड में जारी कॉसन ऑर्डर एवं समपारों की स्थिति को देखा एवं परखा। साथ ही रेलवे स्टेशनों पर प्रदत्त यात्री सुख-सुविधाओं को देखा तथा स्टेशन परिसर का गहन निरीक्षण भी किया। इसके अतिरिक्त अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत काठगोदाम, काशीपुर एवं लालकुआं स्टेशनों पर चल रहे विकास कार्यों की विस्तृत जानकारी प्राप्त कर पूरी गुणवत्ता के साथ तेजी से कार्य पूरा करने का निर्देश सम्बन्धित अधिकारियों को दिया।

दैनिक
बुलन्द मंज़िल
रामपुर/हाथरस
संभल
रविवार, 03 मई 2026
Daily Bilingual News Paper (Hindi & English)
09

अमावस्या और पूर्णिमा का रहस्य, क्या सच में इन दिनों बदल जाता है मन और प्रकृति का व्यवहार

धार्मिक मान्यताओं और विज्ञान के बीच दिलचस्प कड़ी—विशेष दिनों का मानव जीवन पर असर

दैनिक बुलंद मंजिल / नागेन्द्र राजपूत

चांदपुर। भारतीय संस्कृति और हिन्दू धर्म में अमावस्या और पूर्णिमा को अत्यंत महत्वपूर्ण माना गया है। हर माह में आने वाले ये दो दिन न केवल धार्मिक दृष्टि से बल्कि प्राकृतिक और मानसिक प्रभावों के कारण भी चर्चा का विषय रहे हैं। जहां एक ओर लोग इन तिथियों को पूजा-पाठ और व्रत के लिए विशेष मानते हैं, वहीं दूसरी ओर इनके पीछे छिपे वैज्ञानिक और मनोवैज्ञानिक पहलुओं को भी समझने की आवश्यकता है।

क्या है पूर्णिमा और अमावस्या

हिन्दू पंचांग के अनुसार एक माह को दो पक्षों—शुक्ल पक्ष और कृष्ण पक्ष—में विभाजित किया जाता है। शुक्ल पक्ष का अंतिम दिन पूर्णिमा कहलाता है, जब चंद्रमा पूर्ण रूप से दिखाई देता है, जबकि कृष्ण पक्ष का अंतिम दिन अमावस्या होता है, जब चंद्रमा आकाश में दिखाई नहीं देता।

धार्मिक मान्यताएं क्या कहती हैं

धार्मिक ग्रंथों के अनुसार पूर्णिमा के समय सकारात्मक ऊर्जा का प्रभाव अधिक माना जाता है, जबकि अमावस्या को पितरों और आत्माओं से जुड़ा दिन माना गया है। यही कारण है कि अमावस्या के दिन दान-पुण्य, तर्पण और पूजा का विशेष महत्व बताया गया है।

विज्ञान क्या कहता है

विशेषज्ञों के अनुसार चंद्रमा का प्रभाव पृथ्वी के जल पर पड़ता है, जिससे समुद्र में ज्वार-भाटा उत्पन्न होता है। चूंकि मानव शरीर में भी अधिकांश हिस्सा जल का होता है, इसलिए पूर्णिमा के दौरान मानसिक और भावनात्मक बदलाव महसूस किए जा सकते हैं। कुछ अध्ययनों में यह भी पाया गया है कि इन दिनों नींद, व्यवहार और भावनाओं पर हल्का असर पड़ सकता है, हालांकि यह प्रभाव व्यक्ति-व्यक्ति पर निर्भर करता है।

मानसिक प्रभाव:

पूर्णिमा के दौरान कुछ लोगों में बेचैनी या भावुकता बढ़ सकती है, जबकि अमावस्या के समय अंधकार और वातावरण के कारण मन पर नकारात्मक प्रभाव महसूस हो सकता है। हालांकि विशेषज्ञ मानते हैं कि यह प्रभाव अधिकतर मनोवैज्ञानिक और विश्वास आधारित होता है।

अंधविश्वास से सावधान:

कुछ मान्यताओं में अमावस्या को भूत-प्रेत या नकारात्मक शक्तियों से जोड़कर देखा जाता है, लेकिन विज्ञान इन दावों की पुष्टि नहीं करता। ऐसे में लोगों को अंधविश्वास से बचकर संतुलित सोच अपनाने की सलाह दी जाती है।

क्या करें इन दिनों

विशेषज्ञों और परंपराओं के अनुसार इन दिनों संयमित जीवनशैली अपनाना, तामसिक भोजन से बचना, ध्यान-योग करना और सकारात्मक सोच रखना लाभकारी माना जाता है। अमावस्या और पूर्णिमा केवल धार्मिक तिथियां ही नहीं हैं, बल्कि ये प्रकृति और मानव मन के बीच संबंध को समझने का एक माध्यम भी हैं। जहां आस्था का अपना महत्व है, वहीं वैज्ञानिक सोच के साथ संतुलन बनाए रखना आज की जरूरत है।

जिलाधिकारी के निर्देश पर उपजिलाधिकारी के कर कमलों द्वारा हुआ पत्रकार वेलफेयर एसोसिएशन रजि के कार्यालय का भव्य उद्घाटन

नायब तहसीलदार, बी डी ओ, कोतवाल , चेयरमेन प्रतिनिधि, व्यापारी नेता और समाजसेवी रहे मौजूद दी शुभकामनाएं

दैनिक बुलंद मंजिल /विनोद गुप्ता

रामपुर। उत्तर प्रदेश के जनपद रामपुर की तहसील शाहबाद में शनिवार को पत्रकार वेलफेयर एसोसिएशन रजिस्टर्ड के कार्यालय का उद्घाटन उप जिलाधिकारी आशुतोष कुमार के द्वारा किया गया। हालांकि इस कार्यालय का उद्घाटन जिलाधिकारी रामपुर अजय कुमार द्विवेदी और पुलिस अधीक्षक सोमेंद्र मीणा के कर कमलों द्वारा होना था। परंतु पुलिस अधीक्षक का स्वास्थ्य खराब होने और जिलाधिकारी को मुख्यमंत्री की बीसी में व्यस्त रहने के कारण दोनों अधिकारी शाहबाद नहीं पहुंच सके। पत्रकार वेलफेयर एसोसिएशन के सदस्यों द्वारा डेढ़ महीने की गई कड़ी मेहनत से इस कार्यालय में रंग रोगन के पश्चात बैठने लायक बना और पत्रकारों की इस मेहनत को देखते हुए जिलाधिकारी ने उप जिलाधिकारी शाहबाद को इस कार्यालय के उद्घाटन की जिम्मेदारी सौंपी। बताते चलें कि शनिवार के दिन उप जिलाधिकारी द्वारा इसका फीता काटकर उद्घाटन किया गया । इस उद्घाटन कार्यक्रम में वीडियो धीरेंद्र सिंह नायब तहसीलदार राजेश कुमार , नगर पंचायत शाहाबाद अध्यक्ष पति वसीम खान , कोतवाली प्रभारी निरीक्षक प्रदीप कुमार के साथ-साथ उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मंडल के नगर अध्यक्ष मुकेश चंद्र गुप्ता, जी. के. पाठक, नुसरत बेग एवं उप निरीक्षक आतिश जैन भी मौजूद रहे। अंत में सभी मेहमानों को सूक्ष्म जलपान भी कराया गया ।सभी मुख्य अतिथियों का संगठन के पदाधिकारियों द्वारा बुके देकर स्वागत किया गया। इस कार्यालय को चमकाने में अध्यक्ष आफताब, महासचिव सिफत मियां, संरक्षक बीपी विद्यार्थी, संस्थापक एहसान खान, कार्यकारी अध्यक्ष आकाश शंकर, कार्यकारी अध्यक्ष राजीव कुमार भटनागर कार्यकारी अध्यक्ष अभिषेक शर्मा, संगठन मंत्री विनोद गुप्ता, वरिष्ठ उपाध्यक्ष शराफत हुसैन, कोषाध्यक्ष मुस्तफा अली, विधिक सलाहकार सुहैल खान, उपाध्यक्ष जहीर खान, उपाध्यक्ष सुमित कश्यप,कनिष्ठ उपाध्यक्ष शावेज छोटे, संयुक्त सचिव फैजी खान,सचिव तकरीर अहमद,सचिव शान मोहम्मद,प्रचार मंत्री धर्मेन्द्र सागर,महिला विंग अध्यक्ष नेहा गुप्ता,इरफान मालिक सदस्य,शावेज खान सदस्य,विकास मुल्तानी सदस्य,तालिब सदस्य, रशीद अल्वी कार्यालय प्रभारी आदि ने भी योगदान दिया ।

गौ आश्रय स्थल कैलोरा का डीएम ने किया निरीक्षण, व्यवस्थाओं को दुरुस्त रखने के निर्देश

-भीषण गर्मी में गोवंशों को पर्याप्त पानी व चारे की व्यवस्था सुनिश्चित करने पर जोर

अनिल चौधरी,बुलंद मंजिल

हाथरस। जिले में संचालित गौ आश्रय स्थलों पर संरक्षित गोवंशों के समुचित रख-रखाव एवं आवश्यक व्यवस्थाओं को प्रभावी बनाए रखने के उद्देश्य से जिलाधिकारी अतुल वत्स ने पुलिस अधीक्षक चिरंजीवनाथ सिन्हा के साथ विकास खण्ड हाथरस की ग्राम पंचायत कैलोरा में स्थित अस्थाई गौ आश्रय स्थल का स्थलीय निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया।

निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने गौ आश्रय स्थल में संरक्षित गोवंशों के लिए उपलब्ध हरे चारे, भूसा, पेयजल, टीनशेड, साफ-सफाई एवं प्रकाश व्यवस्था का विस्तृत अवलोकन किया। उन्होंने पानी के टैंकों एवं चारा भंडारण व्यवस्था को भी देखा।

जिलाधिकारी ने निर्देश दिए कि भीषण गर्मी को देखते हुए गोवंशों को पर्याप्त मात्रा में स्वच्छ एवं ताजा पेयजल उपलब्ध कराया जाए तथा किसी भी पशु को पानी या चारे की कमी न हो। उन्होंने कहा कि गर्मी के मौसम में विशेष सतर्कता बरतते हुए गोवंशों की देखभाल प्राथमिकता पर की जाए। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को नियमित साफ-सफाई सुनिश्चित कराने, चारा खाने एवं बैठने के स्थान को स्वच्छ व सुरक्षित बनाए रखने तथा पर्याप्त भूसे की उपलब्धता बनाए रखने के निर्देश दिए। साथ ही बीमार एवं कमजोर गोवंशों के लिए विशेष देखभाल करने तथा पशु चिकित्सकों की नियमित टीम द्वारा स्वास्थ्य परीक्षण कराने के भी निर्देश दिए।

निरीक्षण के दौरान मुख्य पशु चिकित्साधिकारी ने अवगत कराया कि गौशाला में कुल 280 निराश्रित गोवंश संरक्षित हैं, जिनमें 80 नर एवं 200 मादा शामिल हैं। इनके रख-रखाव के लिए 7 केयर टेकर तैनात हैं। गौशाला में 5 टीनशेड, 5 चरही, समरसेबिल एवं पेयजल की व्यवस्था उपलब्ध है तथा 147 कुन्तल भूसा भी सुरक्षित रखा गया है।

जिलाधिकारी ने कहा कि शासन की मंशा के अनुरूप गोवंश संरक्षण कार्यों को गंभीरता एवं संवेदनशीलता के साथ किया जाए। उन्होंने चेतावनी दी कि किसी भी स्तर पर लापरवाही पाए जाने पर संबंधित के विरुद्ध कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। निरीक्षण के दौरान मुख्य विकास अधिकारी, उप जिलाधिकारी हाथरस, मुख्य पशु चिकित्साधिकारी, खंड विकास अधिकारी, सहायक खंड विकास अधिकारी, पशु चिकित्सक एवं ग्राम प्रधान सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

शाहबाद में एसडीएम की अध्यक्षता में हुआ संपूर्ण समाधान दिवस

17 शिकायतों में से चार निपटी बाकी को दिए निर्देश

दैनिक बुलंद मंजिल /विकास मुल्तानी

शाहबाद रामपुर। शनिवार को तहसील शाहाबाद सभागार एसडीएम आशुतोष कुमार की अध्यक्षता में संपूर्ण समाधान दिवस आयोजित हुआ जिस दौरान सभी फरियादियों की एसडीएम आशुतोष कुमार संग नायब तहसीलदार राजेश कुमार ने जन समस्याएं सुनी जिस दौरान सभी 17 शिकायतें प्राप्त हुई जिसमें से चार का मौके पर ही निस्तारण कर दिया गया जबकि बाकी शिकायतों को जल्द निपटने के निर्देश दिए गए। जिस दौरान वीडियो विकासखंड शाहबाद, विद्युत विभाग एसडीओ आदि मौजूद रहे।

चेकिंग अभियान में सख्ती: लाइसेंस और दस्तावेजों की हुई जांच, नाबालिग वाहन चालकों पर विशेष नजर,

-मंडी चौकी प्रभारी महेंद्र सिंह बघेल का एक्शन, वाहन चालकों में मचा रहा हडकंप

अनिल चौधरी,बुलंद मंजिल

हाथरस। सड़क हादसों में कमी लाने के उद्देश्य से अलीगढ़ रोड स्थित मंडी चौकी प्रभारी महेंद्र सिंह बघेल ने शनिवार दोपहर विशेष वाहन चेकिंग अभियान चलाया। इस दौरान पुलिस टीम ने सड़क पर चल रहे दोपहिया व अन्य वाहनों को रोककर ड्राइविंग लाइसेंस और आवश्यक दस्तावेजों की गहन जांच की। अभियान के दौरान विशेष रूप से नाबालिगों द्वारा वाहन चलाने के मामलों पर नजर रखी गई। कई वाहनों के चालकों से लाइसेंस मांगा गया, और जिनके पास वैध दस्तावेज नहीं पाए गए, उनके खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई किए जाने की बात कही गई है। मंडी चौकी प्रभारी महेंद्र सिंह बघेल ने बताया कि सरकार सड़क सुरक्षा को लेकर लगातार जागरूकता अभियान चला रही है। इसी क्रम में यह चेकिंग अभियान चलाया गया है, ताकि बिना लाइसेंस और नियमों के विरुद्ध वाहन चलाने वालों पर रोक लगाई जा सके और दुर्घटनाओं में कमी लाई जा सके। उन्होंने यह भी कहा कि नाबालिगों और संदिग्ध व्यक्तियों पर विशेष नजर रखी जा रही है, और भविष्य में भी ऐसे अभियान लगातार जारी रहेंगे।

पत्र लिख की रेल लाईन विस्तारीकरण की मांग

दैनिक बुलंद मंज़िल

बीरेंद्र सिंह/सिंहपुरसानी। संभल तहसील क्षेत्र के गांव मंडावली रसूलपुर में अधिवक्ता व समाजसेवी चौ रविराज चाहल द्वारा चलाए जा रहे हैं जन जागरूकता अभियान के अंतर्गत श्री उदासीन बड़ा अखाड़ा के महंत दयाल दास द्वारा प्रधानमंत्री को पत्र लिखकर संभल गजरौला रेल लाइन विस्तारीकरण हेतु रेल बजट मंजूर के किये जाने की मांग की। महंत दयाल दास ने कहा कि संभल गजरौला रेल लाइन विस्तारीकरण की मांग लगभग पांच दशक पुरानी है। हम अपने पत्र के माध्यम से प्रधानमंत्री से मांग करते हैं कि इस महत्वपूर्ण मांग का संज्ञान लेकर रेल बजट मंजूर कराया जाए जिससे क्षेत्र का सर्वांगीण विकास हो सके।अधिवक्ता व समाजसेवी चौ रविराज चाहल ने कहा कि संभल गजरौला रेल लाइन विस्तारीकरण की मांग को लेकर चलाया जा रहे जन जागरूकता अभियान के अंतर्गत क्षेत्र के लोगों में काफी उत्साह देखने को मिल रहा है। क्षेत्र के लोग ज्यादा से ज्यादा पत्र लिखकर भेज रहे हैं। इस क्रम में महाराज जी ने भी आज प्रधानमंत्री महोदय को पत्र भेज कर रेल बजट मंजूर की जाने की मांग की है। कैलाश उर्फ मुन्नू सिंह ने कहा कि हमारी मांग संभल के विकास हित मे है। हमारा प्रयास लगातार जारी रहेगा।इस दौरान महंत दयाल दास जी, चौ रविराज सिंह चाहल, कैलाश सिंह, हरपाल सिंह, नरेश शर्मा, मनोज कुमार, होमपाल सिंह, भूप सिंह आदि रहे।

यूपी के बदायूं में व्यापारी से बैग छीनने वाले दो आरोपी गिरफ्तार, 1.60 लाख बरामद

दैनिक बुलंद मंज़िल / अजयपाल यादव

बदायूँ के थाना कोतवाली पुलिस ने व्यापारी से बैग छीनने की घटना का खुलासा करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने उनके कब्जे से ?1,60,880 नकद, घटना में प्रयुक्त स्कूटी और दो मोबाइल फोन बरामद किए हैं।

पुलिस के अनुसार, 28 अप्रैल 2026 की रात करीब 10:15 बजे अंशुमन वैश्य निवासी पटियाली सराय अपनी दुकान बंद कर घर जा रहे थे। हुसैनी गली में भारद्वाज टेंट हाउस के पास पीछे से आए स्कूटी सवार दो युवकों ने उनका बैग छीन लिया और फरार हो गए। बैग में करीब 2 लाख रुपये, दो मोबाइल फोन और दुकान की चाबी रखी थी। मामले में थाना कोतवाली में मुकदमा दर्ज किया गया था।

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर गठित टीम ने सीसीटीवी फुटेज और सर्विलांस की मदद से आरोपियों की तलाश शुरू की। पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर 1 मई की रात गांधी ग्राउंड से भरत कश्यप और एक बाल अपचारी को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में आरोपी भरत ने बताया कि वह पहले पीड़ित की दुकान पर काम करता था और उसे उसकी दिनचर्या की पूरी जानकारी थी। पैसों की जरूरत के चलते उसने अपने साथी के साथ मिलकर वारदात की योजना बनाई।

पुलिस ने बरामदगी के आधार पर मामले में धाराएं बढ़ाते हुए दोनों आरोपियों को न्यायालय में पेश किया है। इस कार्रवाई में कोतवाली पुलिस और एसओजी/सर्विलांस टीम की अहम भूमिका रही।

भैंस के हमले से महिला गंभीर रूप से घायल, चिकित्सकों ने महिला को किया मृत्य घोषित

दैनिक बुलंद मंज़िल / अजयपाल यादव

बदायूं जिले के सहसवान नगर में भैंस के हमले से महिला गंभीर रूप से घायल हो गई चीख-पुकार की आवाज सुनकर दौड़े पड़ोसियों ने महिला को बचाया, हम आपको बता दे। सहसवान नगर के मोहल्ला मोहिउद्दीनपुर में आज शनिवार की सुबह सात बजे के लगभग ओमवती 65 वर्ष अपनी भैंस के लिए चारा डाल रही थी तभी अचानक से ओमवती पर भैंस ने रस्सी को तोड़कर हमला कर दिया भैंस ने ओमवती को अपने सींगों से उठाकर उन्हें पटक दिया जिसकी चीख सुनकर लोग भाग खड़े हुए महिला को बहुत मुश्किल से भैंस के चंगुल से बचाया गया जिसमें वह गंभीर रूप से घायल हो गई जिसको लेकर स्वजन गाड़ी में डालकर अस्पताल लेकर पहुंचे। चिकित्सकों ने गंभीर हालात को देखते हुए जिला रेफर कर दिया। जहां रास्ते में ले जाते वक्त वृद्ध महिला की मौत हो गई।

महिला थाने में परिवार परामर्श केन्द्र का हुआ आयोजन

दैनिक बुलंद मंजिल

रामपुर । शनिवार को पुलिस अधीक्षक सोमेन्द्र मीना के आदेशानुसार महिला थाना रामपुर में परिवार परामर्श केन्द्र का आयोजन किया गया । जिसमे पति-पत्नी से संबंधित विवादों मे काउन्सलिंग करायी गयी । आज 11 प्रकरण समीति द्वारा सुने गये । जिसमें 03 प्रार्थना पत्रो में समिति द्वारा सुलह समझौता कराया गया, 04 पत्रावली निरस्त की गयी व 02 पत्रावली माननीय विधिक न्यायालय प्रेषित की गयी तथा 02 प्रार्थना पत्रों में अग्रिम तिथि नियत कर समझौते का प्रयास किया जा रहा है । इस दौरान प्रभारी निरीक्षक अनु तोमर, काउन्सलर अवतार सिंह, डा0 किसवर जहां, नीना साहनी काउन्सलिंग में उपस्थित रहे ।

भीषण गर्मी में पशु-पक्षियों के लिए 101 पानी की टंकियों का लोकार्पण, जिला मंत्री प्रवीण खंडेलवाल के नेतृत्व में आयोजित हुआ कार्यक्रम

-विहिप के सेवा अभियान की डीएम-एसपी ने सराहना

अनिल चौधरी,बुलंद मंजिल

हाथरस। भीषण गर्मी के बीच पशु-पक्षियों एवं गौवंश के सामने उत्पन्न जल संकट को देखते हुए विश्व हिंदू परिषद, ब्रज प्रांत (जनपद हाथरस) द्वारा 101 पानी की टंकियों के भव्य लोकार्पण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। सेवा, संवेदना और मानवता से प्रेरित इस अभियान का उद्देश्य गर्मी के मौसम में जीव-जंतुओं के लिए पेयजल की व्यवस्था सुनिश्चित करना रहा। कार्यक्रम का शुभारंभ भारत माता, गौमाता एवं प्रभु श्रीराम के चित्रों पर माल्यार्पण व दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुआ। मुख्य अतिथि जिलाधिकारी अतुल वत्स ने इस पहल की सराहना करते हुए इसे समाज के लिए प्रेरणादायक बताया। पुलिस अधीक्षक चिरंजीव नाथ सिन्हा ने कहा कि जीवों के प्रति करुणा और सेवा भारतीय संस्कृति की पहचान है तथा ऐसे कार्यों में जनसहभागिता जरूरी है। मुख्य विकास अधिकारी पी.एन. दीक्षित ने भी इस अभियान को जनहित व पर्यावरण संरक्षण की दृष्टि से महत्वपूर्ण बताया। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता प्रांत सह मंत्री अभय प्रताप सिंह ने कहा कि जीव सेवा ही ईश्वर सेवा है और सेवा ही संगठन की शक्ति है।

इस दौरान जिलाधिकारी व पुलिस अधीक्षक ने नारियल फोड़कर 101 पानी की टंकियों का विधिवत लोकार्पण किया। इसके बाद नगर के विभिन्न स्थानों पर एक साथ टंकियों की स्थापना की गई, जिससे पशु-पक्षियों को राहत मिल सकेगी। जिला मंत्री प्रवीण खंडेलवाल के नेतृत्व में आयोजित कार्यक्रम में विहिप, बजरंग दल व दुर्गा वाहिनी के पदाधिकारियों सहित बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। अंत में सभी का आभार व्यक्त करते हुए भविष्य में भी ऐसे सेवा कार्य जारी रखने का संकल्प लिया गया।

दैनिक
बुलन्द मंज़िल

Opinion

संभल
रविवार, 03 मई 2026
Daily Bilingual News Paper (Hindi & English)

Elections Vs Border Security

Rattan Chand Sharma

Polling for high stakes assembly elections closed on April 29, 2026. Now is time to assess, the impact of electoral deployment on border security. Elections and border security are antonyms adversely affecting each other. Election security management is a ping- pong battle between festival of democracy and border security. It starts with the announcement of election schedule, sets stage for mobilization of border guarding forces for elections. Planning for mobilization, how to be exercised on ground, starts well in advance. It unsettles whole border management gamut. Let's analyze impact of elections on border security keeping elections in five states in backdrop. Similar mobilization exercise is followed for all elections. Election schedule was announced on 15 March 26 for Assam, Kerala and Puducherry on April 9, 2026, Tamil Nadu on April, 23 and West Bengal on April 23 and 29.

Election security management basically is the responsibility of state police. Across the board, top heavy police establishment have been found unable to shoulder the responsibility for conduct of free and fair elections. It routinely overstates the need for central forces to election commission in discussions to monitor preparations for elections. As recent experience shows, election commission with degree variation, generally treat state police neutrality with skepticism, its trust quotient very low for ensuring free and fair elections. With states labelled as unable to ensure conduct of free and fair, violence free elections, election commission turns to Union Home Ministry, to mobilize Central Armed Police Forces (CAPFs).

The responsibility for conduct of elections rests with election commission, however responsibility to provide wherewithal in terms of security forces and police to be placed at the disposal of election commission solely rests with Ministry of Home Affairs and state concerned. Recent trends indicate zero confidence on state police and police leadership neutrality and need for heavy CAPF strength. The requirement of central forces is practically worked out by state police hierarchy though theoretically done by election commission after deliberations with state chief electoral officer, the state administration i.e. Chief Secretary and Director General of Police. What can be provided by state is accounted for and gap is met by requisitioning Central Armed Police Forces (CAPF). This is well documented ritual carried out every now and then. Ideally the need for central forces should be met from Central Reserve Police Force, the nodal force for maintenance of internal security, followed by Central Industrial Security Force and Railway Protection Force.

Pull out from borders for election management has become a ritual adversely affecting border security and consequently internal security. The tinkering with border deployment should only be resorted in exceptional circumstances and not routinely. The repercussions of massive pull out from borders are not documented since no conceptualized discussion ever takes place on this important issue, despite government of India accepting recommendations of

Kargil Review committee (KRC) chaired by then Home Minister and Deputy Prime Minister Sh L K Advani. It says in chapter IV internal security in para 4.8 that Central Para Military Forces while playing commendable role, have often been diverted for prolonged deployment on variety of duties other than those for which they were raised and this has adversely affected their training and recuperation schedules and strongly felt that they should revert to their original role. It further says that repeated withdrawal, in large numbers, from border guarding duties for internal security and counter insurgency duties has led to neglect of the borders. These forces have also been unable to perform optimally due to cannibalization of battalions and even companies. It further says that withdrawal of border guarding forces limits their capabilities to guard the borders effectively.

Pull out from borders have long term national security repercussions, the magnitude of which may not reveal itself immediately but after prolonged lull. Unfortunately, there are no conceptualized discussions on this topic from border guarding forces, Ministry of Home Affairs, Army under whose operational control border guarding forces have war time role and security think tanks. It is doubtful that those at the helm in CAPFs have ever flagged the consequences of pull-out from borders on border security i.e. smuggling of arms, ammunition, drugs, on training, conventional war preparations, internal security and national security.

Newtons third law of motion, for every action there is equal and opposite reaction is applicable for border security and election deployment. Pull out from borders thins deployment, creates porosity and gaps, exposing borders to vulnerability and exploitation by anti-national elements from across and own side of border since pull out renders well documented protocol specifying quantum of troops in terms of units and subunits required to dominate border worked out based upon terrain, approachability, threat, historical legacy, local environment and administrative factors. The violation of basic principles of density of deployment exposes borders to exploitation jeopardizing border and internal security. The other aspect connected with this is increased work load upon already overburdened troops with little / no rest and relief, cancellation and ban on leave, a measure rarely resorted even during hot war, anxiety and stress among troops and fall in discipline standard. The repercussions are devastating for border security which unfortunately are neither discussed nor analyzed for corrective actions.

Connected is the aspect of frequent interruption in training, already a major casualty of over commitment in internal security duties, diluting professionalism in weapon and equipment handling, physical and mental fitness and diluting collective coordination, cooperation, regimentation diluting unit and subunit professionalism in border security and conventional war fighting.

Subunits frequently committed in election duties are exposed to highly politicized environment and using troops for activities other than area sanitization and domination influences them negatively degrading combat potential. A few may be influenced by political environment and may act in partisan manner rendering major blow to neutrality, a trait for which Central Armed Police forces known and trusted. Political charges and counter charges on their partisan conduct not only shatters the aura of neutrality which CAPFs carry, also degrade their professional conduct which sets in demoralization. What is the solution to avoid pull out from borders. Border guarding forces and Ministry of Home Affairs need to carry out an empirical study of electoral and internal security deployment for last five years which has been met through resorting to pull out from borders. Along with this also work out quantitative requirement of troops for next ten years for electoral deployment. Ministry of home affairs should raise that number of battalions to meet electoral and internal security needs so that border security is not compromised every now and then at the altar of electoral and internal security deployment. Ministry of Home affairs must act now and act fast to maintain the sanctity of borders in the interest of internal and national security. Procrastination in initiating measures to ensure foolproof border security may cost dearly in long run.

Mahakaleshwar Temple in Ujjain

A profound discovery has stirred both the spiritual and archaeological communities in Ujjain as a pristine Shivaling was unearthed during tunnel excavation work near the iconic Mahakaleshwar Temple. This find, occurring in the heart of the ancient city known as the 'Land of Mahakal', has immediately drawn massive crowds of devotees and prompted a pause in construction activities to allow for expert evaluation.

The discovery took place while workers were engaged in subterranean digging as part of an infrastructure project aimed at improving pilgrim facilities around the temple complex.

As the heavy machinery cleared a layer of ancient soil several metres below the surface, the stone structure emerged, appearing largely intact despite the passage of centuries.

Preliminary observations suggest the artifact bears the distinct characteristics of traditional temple architecture, possibly dating back several hundred years, though an official timeline is currently being established.

Local authorities and representatives from the Mahakaleshwar Temple Management Committee reached the site shortly after the news broke. The area has been cordoned off to protect the integrity of the site, as the potential for further archaeological remains is high given Ujjain's dense history as a centre of Vedic civilisation.

The discovery is particularly poginant for locals, who view it as a divine manifestation in a city that has served as a primary seat of Shaivism for millennia.

Archaeological Survey of India officials have been notified to lead a formal investigation. Experts will examine the stone quality, carving style, and the surrounding strata to determine if the Shivaling belonged to an ancient temple

destroyed or buried during historical shifts.

For now, the excavation remains halted as the community gathers to offer prayers at the site of the emergence, turning a construction zone into a makeshift point of pilgrimage.

While the technical analysis is just beginning, the discovery adds a new chapter to the storied legacy of Ujjain.

It reinforces the city's reputation as a place where the modern world and ancient divinity frequently intersect, reminding the public that much of India's spiritual heritage still lies waiting to be discovered beneath the feet of its modern inhabitants.

Benefits of High-fat Keto Diet

A new study suggests that eating more fat rather than less could help the body gain greater benefits from exercise when blood sugar levels are high, offering an unexpected perspective on how diet and physical activity work together to support metabolic health.

According to Science Daily, the research, led by exercise medicine scientist Sarah Lessard at Virginia Tech, found that a ketogenic diet helped normalise blood sugar levels in mice and significantly improved how their muscles responded to exercise. The findings were published in the journal Nature Communications.

Exercise is widely known to improve the body's ability to absorb and use oxygen, a key indicator linked to long-term health and longevity. Regular physical activity also helps control weight, strengthen the heart and build muscle. However, individuals with elevated blood sugar often fail to experience some of these benefits, particularly improvements in oxygen uptake during exercise. High blood sugar, or hyperglycemia, is associated with increased risks of heart and kidney disease and can disrupt the body's metabolic response to physical activity. The new study suggests that dietary changes may help restore these benefits.

In the research, mice with high blood sugar were placed on a ketogenic diet, which is high in fat and very low in carbohydrates. Within one week, their blood sugar levels returned to normal.

"After one week on the ketogenic diet, their blood sugar was completely normal, as though they didn't have diabetes at all," Lessard said. Over time, the diet also altered the structure of the animals' muscles. Researchers observed that the muscles developed more oxidative properties and responded better to aerobic exercise. The mice that followed the diet and exercised regularly on running wheels also developed more slow-twitch muscle fibers, which are associated with greater endurance.

According to Lessard, the results show that the body used oxygen more efficiently, indicating higher aerobic capacity. The ketogenic diet works by pushing the body into a metabolic state called ketosis, where fat rather than sugar becomes the primary source of energy. This approach contrasts with the low-fat diets traditionally recommended in many health guidelines. While the diet remains debated, it has been linked to benefits for certain medical conditions such as epilepsy and Parkinson's disease.

BJP will form govt in Bengal: Sukanta Majumdar

Union Minister of State and BJP leader **Sukanta Majumdar** has expressed strong confidence in the Bharatiya Janata Party forming the next government in West Bengal with a decisive mandate. He spoke on electoral prospects, allegations by the Opposition, post-poll security, and key governance priorities if the BJP comes to power in the state. Here is the full interview:

Question: How do you assess the current electoral situation in West Bengal?

Sukanta Majumdar: I believe that a government of the Bharatiya Janata Party is going to be formed here with a two-thirds majority. There has been tremendous voting. Many people who had migrated to other states for work returned to cast their votes against the current government. I think when the EVMs are opened on the counting day, the results will clearly reflect a massive victory for the BJP under the leadership of Prime Minister Narendra Modi.

Question: You have been vocal about infiltration. What steps will a BJP government take on this issue?

Sukanta Majumdar: The Home Minister has already laid out a roadmap with the policy of "detect, delete and deport." This policy will be implemented effectively. Infiltration is a serious issue, and we are committed to addressing it in a systematic and lawful manner.

Question: You have suggested that the ruling party is already in 'opposition mode'. What do you mean by that?

Sukanta Majumdar: I feel there are clear indications that Mamata Banerjee and her party have mentally prepared to sit in the opposition. Usually, protests and sit-ins are tools of the Opposition. Their current approach reflects that shift, as if they have already accepted the outcome.

Question: The Trinamool Congress has raised concerns over the election processes. How do you respond?

Sukanta Majumdar: The Election Commission has clarified everything. All stakeholders were informed in advance, including about procedures like the segregation of postal ballots. The allegations made by the Trinamool Congress have been proven incorrect by the Commission.

Question: If the BJP forms the government, will there be investigations into corruption allegations against the current leadership?

Sukanta Majumdar: First, let the government be formed. Any decisions regarding investigations will be taken by the Chief Minister and the Cabinet as per law. Actions cannot be driven by vendetta; they must follow due legal process. However, wherever there is corruption, strict action will be taken against whoever the person is.

Question: There are questions about possible legal action against top leaders from Trinamool. What is your view?

Sukanta Majumdar: If investigations are being carried out by agencies like the CBI and ED, then the courts will decide the course of action. Our stand is clear — corruption will not be tolerated, irrespective of who is involved.

Question: What are your views on tackling extremism in the state?

Sukanta Majumdar: Extremism of any kind should be eliminated. However, it is not appropriate to pre-empt decisions. Once the government is formed, the Chief Minister and Cabinet will deliberate and take appropriate steps. The priority will be to ensure peace and security.

Question: How do you view the Babri Masjid issue in the current context?

Sukanta Majumdar: We are against any structure built in the name of Babri or Babur. Babur was an invader, and history reflects the suffering caused during that period. This is a sensitive issue and should be understood in its historical context.

Question: Post-election violence has been a concern in West Bengal. How can it be prevented?

Sukanta Majumdar: The Home Minister has already stated that Central Forces will remain deployed for around 60 days after the results. This will help maintain law and order and prevent any untoward incidents.

Question: Who will be the Chief Minister if the BJP comes to power?

Sukanta Majumdar: That decision will be taken by the party leadership through established organisational mechanisms. We have a parliamentary board; our winning MLAs under the leadership of PM Modi will decide on the Chief Minister.

दैनिक बुलन्द मंज़िल

Glamour

संभल
रविवार, 03 मई 2026
Daily Bilingual News Paper (Hindi & English)

Kareena Kapoor shares cozy 'lazy mornings' with Taimur and Jeh

Bollywood star Kareena Kapoor Khan gave her fans a sneak peek into her "lazy old-school mornings" as she shared family moments featuring her sons, Taimur Ali Khan and Jeh Ali Khan.

Taking to her social media account, Kareena wrote, "Lazy old school mornings" followed by another story that read, "Goodmorning."

In the first picture, Kareena captured a beautiful corridor featuring white pillars, vintage-style chairs, and an open sunlit seating area that give classy and royal retreat vibes.

In another picture, Taimur and Jeh could be seen enjoying the morning outdoors, standing together in the middle of the open courtyard having their own little sibling tine.

Kareena who seemingly enjoyed her coffee from inside, clicked them from behind. Just a day ago on Thursday, Kareena and her husband Saif Ali Khan were spotted at the airport with their sons, jetting off for a family vacation. While the actress has not officially disclosed the location yet, but going by the looks of the pictures, it appears the family could be spending time at the iconic Pataudi Palace.

Both Kareena and Saif are hands-on parents to their boys. The couple often makes it a point to celebrate and be present at the special days of their kids.

A few weeks ago, Kareena had taken took to her social media account to share a candid moment with husband Saif Ali Khan, offering a peek into their parenting routine.

Sharing a selfie, the actress captioned it, "Soccer Duties." Kareena Kapoor had not given any glimpse of her kids, but it appeared that both Taimur Ali Khan and Jahangir Ali Khan, were busy playing soccer while their parents cheered from the sidelines, fulfilling what Kareena called their "soccer duties."

Varun Dhawan praises Abhishek Kumar, calls his journey 'Wow'

Bollywood actor Varun Dhawan has called actor Abhishek Kumar as his inspiration and also further called him as "Wow"!

The actor dropped a heartfelt comment on Abhishek Kumar's latest social media post, where the latter had shared a full-circle moment from his journey in the entertainment industry.

Reacting to the post, Varun wrote, "Abhishek, this belief will take you even further. Your journey inspires me. Never take anything for granted, keep on going, you are wow."

For the uninitiated, on Thursday, Abhishek had taken to his social media account to share an emotional note along with then-and-now pictures reflecting on his life journey.

In one of the old memories, he could be seen as a crowd artist standing behind Varun on the sets of Humpty Sharma Ki Dulhania, while in the recent picture, he was seen posing alongside the actor, years later, as an industry colleague on the sets of Celebrity Laughter Chefs.

Sharing the post, Abhishek wrote:

*"Thirteen years ago, I stood quietly in the background, just another face in the crowd when I first saw Varun bhai on the sets of Humpty Sharma Ki Dulhaniya!! No one knew my name, no one noticed my presence—, but deep inside, I carried a dream bigger than where I stood..."

He further had also opened up about his struggles, self-doubt, and years of hard work before finally coming face-to-face with Varun once again but as a celebrity himself.

"Years passed. There were struggles, doubts, moments when giving up felt easier than holding on. But something within me refused to quit. I kept showing up, kept believing, kept working—even when no one was watching."

"And today, after thirteen long years, life brought me face to face with him again. But this time, I wasn't just a crowd artist lost in the background. I stood there with my own journey, my own identity, my own story."

"I may not have reached the final destination yet, but I've come far enough to know—

I'm no longer just a face in the crowd.

I am someone who turned a dream into a direction... and that's just the beginning," He added.

He further wrote, "Because the truth is, dreams don't change your life overnight... consistency does. Thank you God For Everything.

The recent reunion of Varun and Abhishek took place on the sets of Laughter Chefs – Unlimited Entertainment, where Varun, along with the cast of his upcoming film Hai Jawaani Toh Ishq Hona Hai, had arrived for promotions.

Pulkit Samrat says true 'Glory' is the end of comparisons

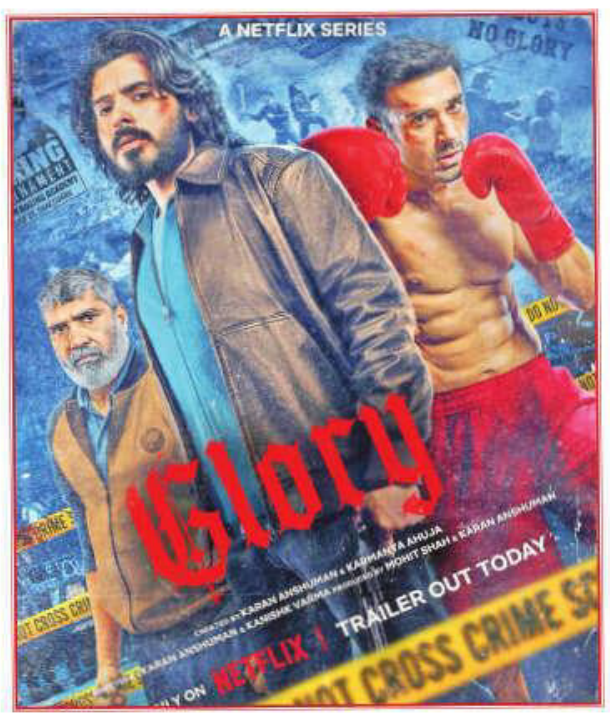

As he is all set to showcase his jabs and crosses as a boxer in the show "Glory", actor Pulkit Samrat has shared that he feels that he'll know he's achieved glory when people stop comparing him to others.

In an industry driven by visibility and numbers, what does "glory" mean in his dictionary?

"When people stop comparing me with others and start comparing others with me, I think that is where I will say that I have achieved glory," Pulkit, who gained fame by playing Hunny in the "Fukrey" franchise, told IANS.

Not just numbers and visibility, Pulkit, who made his acting debut with the series Kyunki Saas Bhi Kabhi Bahu Thi in 2006, says it would be nice if people appreciated his work. "I guess, doing the kind of work I am happy doing, if people appreciate it, that would be nice," added the actor, who stepped into Bollywood in 2012 wih Bittoo Boss.

The highest-grossing release for the 42-year-old actor, who is married to actress Kriti Kharbanda, came with the Salman Khan-starrer Jai Ho in 2014. He tasted his share of failure with Dolly Ki Doli and Sanam Re.

Talking about the series Glory, which is streaming on Netflix from May 1,is set against the gritty, high-stakes world of boxing. The series dives into the brutal ecosystem and opens with the mysterious death of Nihal Singh, India's hope for an Olympic boxing medal.

The series also stars Suvinder Vicky, Divyenndu, Jannat Zubair, Ashutosh Rana, Sikandar Kher, Kunal Thakur, Sayani Gupta, Yashpal Sharma and Kashmira Pardeshi.

Created by Karan Anshuman and Karmanya Ahuja, and produced by Mohit Shah and Anshuman under the Atomic Films banner, the series is written by Anshuman, Ahuja, and Vaibhav Vishal, and directed by Karan Anshuman and Kanishk Varma.

Rohit Saraf meets Tabu mid-air, calls her flight 'the real upgrade'

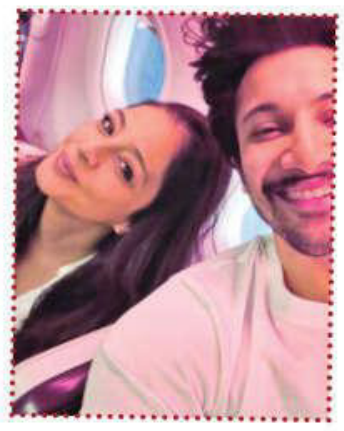

Actor Rohit Saraf was in for a pleasant mid-air surprise after he bumped into Bollywood actress Tabu during a flight.

Sharing a cheerful selfie with the star on his social media account, Rohit gave a glimpse of their fun travel moment.

He captioned the post as, "only @tabutiful can make a flight fun"

In the picture, Rohit is seen smiling while clicking a selfie inside the aircraft. Dressed casually in a white T-shirt, the actor looked smart.

Beside him, Tabu looked elegant in a minimal make-up look posing for the camera.

Talking about Rohit Saraf, on the professional front, the actor began his acting journey as a teenager and made his screen debut with television before transitioning into films.

He was initially seen in shows like Best Friends Forever? before making his Bollywood debut with Dear Zindagi in 2016 where he essayed the role of Alia Bhatt's younger brother

He later gained popularity through projects like The Sky Is Pink, Ludo, Mismatched, Vikram Vedha, and Ishq Vishk Rebound.

Talking about Tabu, the actress has been a part of the entertainment industry for around four decades in Indian cinema.

The actress has done over 100 films across Hindi, Telugu, Tamil, Malayalam, Bengali and English cinema.

Her acclaimed films include Maachis, Chandni Bar, Maqbool, The Namesake, Andhadhun, Drishyam, and Bhool Bhulaiyaa 2.

Her recent project was Bhoot Bangla and she is now all set to be seen in the movie King 100, to release down South.

Kailash Kher sings 'Bam Lahiri' at Kedarnath, invokes divine vibes

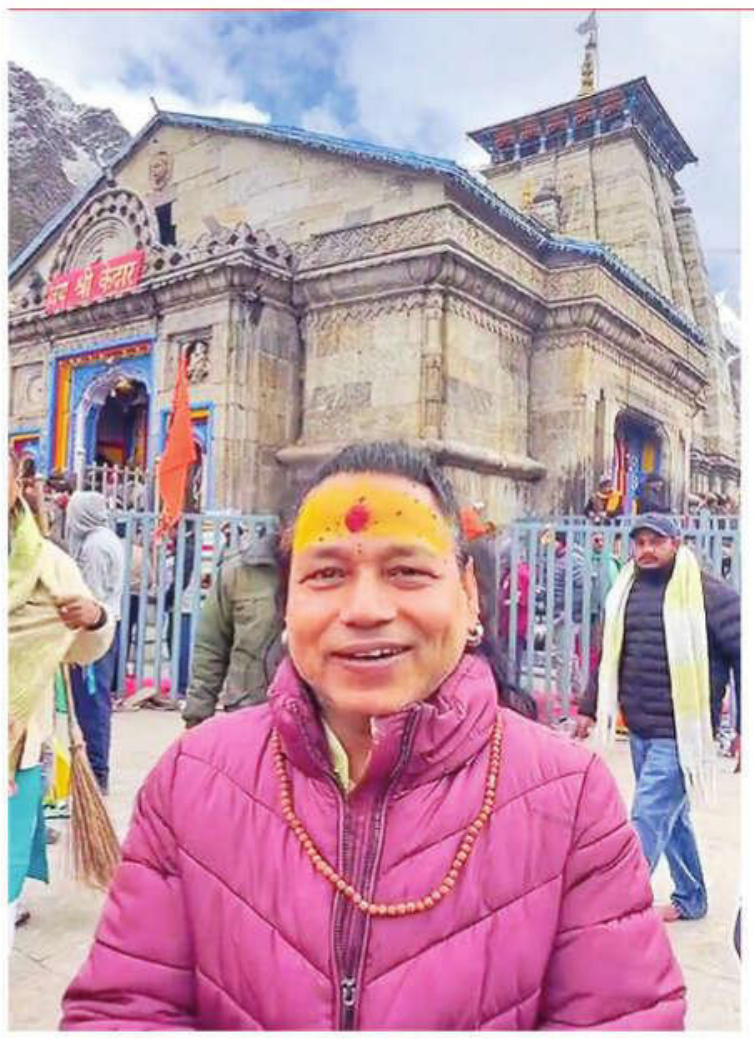

Musician Kailash Kher sought divine blessings at the revered Kedarnath Temple and also performed his powerful track 'Bam Lahiri' dedicated to Lord Shiva.

Kailash shared a video of himself standing in front of the temple, surrounded by the snow-capped Himalayan mountains and an atmosphere charged with devotion. In the clip, the singer's voice echoed through the temple as he crooned the number.

For the caption, he wrote: "Mahadev ka dhaam, Pooran saare kaam. Jai Jai Kedara."

Kedarnath Temple is one of the twelve jyotirlingas. The temple is located on the Garhwal Himalayan range in Uttarakhand, India. Due to extreme weather conditions, the temple is open to the general public only between the months of April and November.

Talking about the 52-year-old singer, Kailash, is gained fame after lending voice to the track "Allah Ke Bande" from the 2003 thriller film "Waisa Bhi Hota Hai Part II". He then belted out hits such as "Teri Deewani," "Saiyyan," and "Bam Lahiri," many of which are performed with his band, Kailasa.

He then crooned numbers for films such as Mangal Pandey: The Rising, Corporate, Salaam-e-Ishq: A Tribute to Love, Baahubali: The Beginning, Baahubali 2: The Conclusion.

Kailash has also composed music in films such as Chandni Chowk to China, Dasvidaniya, Sacred Evil, Sangini, and Desi Kattey.

On April 23, he shared a throwback picture with a guitar. The singer captioned the post, "Low-key vibes, high-key soul", followed by a guitar and sparkle emoji.

His most recent works include another melodious rendition titled "Jogi". The soulful rendition is a tribute to Adi Shankaracharya. The video traces his legendary journey and the establishment of the sacred Mathas.

Talking about "Jogi", Kailash said that it is not just a song for him, but an inward journey.

"The same emotion felt by saints and mystics for centuries lives in this music. The vision of Adi Shankaracharya reminds us that true dharma is timeless — it continues to thrive in every seeker walking the path of truth," he said.

सम्पूर्ण समाधान दिवस में आई 73 शिकायतें, चार का मौके पर निस्तारण, डीएम-एसपी ने दिए त्वरित निस्तारण के निर्देश

-जनसमस्याओं के समाधान में लापरवाही पर सख्त कार्रवाई की चेतावनी, गर्मी में पेयजल व्यवस्था सुनिश्चित करने के आदेश

अनिल चौधरी,बुलंद मंजिल

हाथरस। सिकंदराराऊ सम्पूर्ण समाधान दिवस के अवसर पर जिलाधिकारी अतुल वत्स ने पुलिस अधीक्षक चिरंजीवनाथ सिन्हा के साथ तहसील सिकंदराराऊ में जनसुनवाई करते हुए संबंधित विभागीय अधिकारियों को प्राप्त शिकायतों का समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने कहा कि सम्पूर्ण समाधान दिवस का उद्देश्य जनसमस्याओं का त्वरित और प्रभावी समाधान करना है। उन्होंने एक-एक कर फरियादियों की शिकायतें सुनीं और संबंधित विभागीय अधिकारियों को मौके

पर बुलाकर तत्काल निस्तारण अथवा भूमि विवाद जैसे मामलों में सभी पक्षों की उपस्थिति में स्थलीय निरीक्षण कर समाधान के निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट कहा कि शिकायतों के निस्तारण में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। एक ही समस्या के बार-बार प्रस्तुत होने या समय से कार्रवाई न करने पर संबंधित अधिकारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। जिलाधिकारी ने गर्मी के मौसम को देखते हुए अधिकारियों को पेयजल एवं छाया व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए। उन्होंने कहा कि सभी कार्यालयों में पशु-पक्षियों के लिए पानी की व्यवस्था, फरियादियों के लिए छाया व पेयजल, तथा सार्वजनिक स्थलों पर पानी टंकियों की नियमित सफाई सुनिश्चित की जाए। तहसील सिकंदराराऊ में आयोजित समाधान दिवस में कुल 73 शिकायतें प्राप्त हुईं, जिनमें से 4 का मौके पर निस्तारण किया गया। शेष शिकायतें संबंधित विभागों को भेजकर गुणवत्तापूर्ण निस्तारण के निर्देश दिए गए। इसी क्रम में तहसील हाथरस में 82 में से 5, सादाबाद में 28 में से 2 तथा सासनी में 54 में से 4 शिकायतों का मौके पर निस्तारण किया गया। इस अवसर पर परियोजना निदेशक, जिला विकास अधिकारी, मुख्य चिकित्सा अधिकारी, उप जिलाधिकारी, पुलिस व राजस्व सहित विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

झारखंड से लाकर पंजाब में बेचते थे हेरोइन-अफीम, 75 लाख की खेप के साथ दो तस्कर गिरफ्तार, ऐसे हुआ खुलासा

बुलंद मंजिल

बरेली। एण्टी नारकोटिक्स टास्क फोर्स (एएनटीएफ) यूनिट बरेली ने अवैध मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए दो सक्रिय तस्करों को गिरफ्तार किया है। टीम ने ग्राम दौली रघुवरदयाल जाने वाली सड़क पर गंगा मंदिर के पास घेराबंदी कर दोनों आरोपियों को दबोचा। पकड़े गए तस्करों के कब्जे से करीब 75 लाख रुपये कीमत की हेरोइन और अफीम बरामद हुई है।

एएनटीएफ टीम ने आरोपियों के पास से 275 ग्राम हेरोइन और 4 किलो अफीम बरामद की है। इसके अलावा दो मोबाइल फोन और 2,140 रुपये नकद भी बरामद किए गए हैं। पुलिस ने इस मामले में थाना किला में एनडीपीएस एक्ट की धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया है और आगे की कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी गई है। झारखंड से लाकर पंजाब में करते थे सप्लाई

पूछताछ में गिरफ्तार महेन्द्र कुमार ने बताया कि वह झारखंड के खूंटी क्षेत्र से अफीम खरीदकर लाता था। इस बार वह लोकपाल सिंह के कहने पर हेरोइन भी साथ लाया था। दोनों मिलकर इन मादक पदार्थों को पंजाब और आसपास के इलाकों में ऊंचे दामों पर बेचते थे। पुलिस के मुताबिक, आरोपी लंबे समय से इस अवैध धंधे में सक्रिय थे। लोकपाल सिंह ने पूछताछ में खुलासा किया कि वह पंजाब में मादक पदार्थों की सप्लाई का काम करता है और महेन्द्र से माल मंगवाता था। इस बार भी दोनों पंजाब सप्लाई के लिए जा रहे थे, लेकिन रास्ते में ही एएनटीएफ टीम ने उन्हें गिरफ्तार कर लिया।

एएनटीएफ और स्थानीय पुलिस की संयुक्त कार्रवाई

इस कार्रवाई को एएनटीएफ यूनिट बरेली की टीम ने अंजाम दिया, जिसमें प्रभारी उपनिरीक्षक विकास यादव समेत कई पुलिसकर्मी शामिल रहे। थाना किला पुलिस और सर्विलांस टीम ने भी इस ऑपरेशन में अहम भूमिका निभाई। पुलिस अब इस गिरोह के अन्य सदस्यों और नेटवर्क की जांच में जुट गई है। अधिकारियों का कहना है कि मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ अभियान आगे भी इसी तरह जारी रहेगा।

यूपी के इस जिले में करंट की चपेट में आकर छात्र समेत तीन की मौत, महिला की हालत नाजुक, जानें कैसे हुआ हादसा

बुलंद मंजिल

बरेली। बिजली ने ऐसा तांडव मचाया कि तीन घरों के चिराग बुझ गए। अलीगंज के सूदनपुर गांव में हाईटेंशन लाइन टूटने से फैले करंट ने छात्र समेत दो लोगों को निगल लिया, जबकि क्योलड़िया में कपड़े सुखाते समय युवक करंट की चपेट में आकर जिंदगी हार गया। दोनों घटनाओं के बाद गांवों में मातम पसरा है।

सूदनपुर गांव में सुबह करीब सात बजे ट्रांसफार्मर में खराबी आई और हाईटेंशन लाइन का तार टूटकर एलटी लाइन पर गिर गया। देखते ही देखते पूरे इलाके में 11 हजार वोल्ट का करंट फैल गया। लोग समझ ही नहीं पाए कि घरों के भीतर तक मौत घुस चुकी है।

दरवाजा खोलते ही बुझ गई जिंदगी, मां भी झुलसी

कक्षा 10 का छात्र सुभाष (16) जैसे ही घर का लोहे का गेट खोलने गया, करंट की चपेट में आ गया और मौके पर ही दम तोड़ दिया। बेटे को बचाने दौड़ी मां सुनीता भी बुरी तरह झुलस गईं। उन्हें गंभीर हालत में अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां जिंदगी की जंग जारी है। इसी दौरान पड़ोस में रहने वाला कुंवरपाल (24) भी जमीन पर पैर रखते ही करंट की चपेट में आ गया। उसे अस्पताल पहुंचाया गया, लेकिन डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। हादसे के दौरान एक ई-रिक्शा में भी आग लग गई, जिससे अफरा-तफरी मच गई।

अधिकारियों की दौड़भाग, मुआवजे का भरोसा

सूचना मिलते ही पुलिस और बिजली विभाग के अधिकारी मौके पर पहुंचे। शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा गया। बिजली निगम के अफसरों ने मृतकों के परिजनों को पांच-पांच लाख रुपये देने, घायल महिला का इलाज कराने और परिवार के एक सदस्य को नौकरी देने का भरोसा दिया है। जांच की बात भी कही गई है। सुभाष मजदूर के परिवार का सबसे छोटा बेटा था। वहीं कुंवरपाल दिव्यांग थे और सिलाई कर किसी तरह गुजारा करते थे। उनके माता-पिता पहले ही गुजर चुके थे। अब यह हादसा उनके परिवार पर पहाड़ बनकर टूटा है।

दूसरी वारदातः कपड़े सुखाते वक्त मौत का झटका

क्योलड़िया के अंबरपुर गांव में 22 वर्षीय रंजीत घर के आंगन में कपड़े सुखाने के लिए तार पर डाल रहा था। इसी दौरान उसे तेज करंट लगा और वह जमीन पर गिर पड़ा। परिजन अस्पताल ले गए, लेकिन डॉक्टर उसे बचा नहीं सके। रंजीत की शादी को अभी एक साल भी पूरा नहीं हुआ था। उसकी मौत के बाद पत्नी खुशबू और मां माया देवी का रो-रोकर बुरा हाल है। घर में सन्नाटा पसरा है और हर आंख नम है। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया। पूरे मामले की पड़ताल की जा रही है।

परसाखेड़ा में प्लाईवुड फैक्ट्री में लगी भीषण आग, चंद मिनटों में धधका पूरा गोदाम, कई घंटे डटी रहीं दमकल की चार गाड़ियां

बुलंद मंजिल

बरेली। शहर के औद्योगिक इलाके परसाखेड़ा में शुक्रवार देर रात रोड नंबर-4 पर भारत पेट्रोलियम पंप के सामने स्थित प्लाईवुड के गोदाम में अचानक भीषण आग भड़क उठी। देखते ही देखते आग ने विकराल रूप ले लिया और दूर-दूर तक उठती लपटों ने इलाके में दहशत फैला दी। सूचना पर पहुंची दमकल की चार गाड़ियों ने आग पर काबू पाया।

लकड़ी के गोदाम ने पकड़ी रफ्तार, लपटें हुईं बेकाबू

मौके पर पहुंचते ही दमकल कर्मियों ने देखा कि प्लाईवुड और लकड़ी का सामान होने की वजह से आग तेजी से फैल रही थी। चंद मिनटों में ही आग ने पूरे गोदाम को अपनी चपेट में ले लिया। आग की भयावहता को देखते हुए तुरंत सिविल लाइंस फायर स्टेशन से अतिरिक्त फायर टेंडर बुलाया गया, ताकि आग पर जल्द काबू पाया जा सके। कुछ ही देर में कुल चार दमकल गाड़ियां मौके पर पहुंच गईं। अग्निशमन अधिकारी के नेतृत्व में टीम ने चारों तरफ से मोर्चा संभाला और मोटर फायर इंजनों से होज पाइप लाइन बिछाकर पानी की तेज धार से आग पर हमला शुरू कर दिया। लगातार प्रयासों के बाद आग को फैलने से रोक लिया गया और कुछ समय में उस पर पूरी तरह काबू पा लिया गया।

बाल-बाल बची बड़ी त्रासदी, कोई जनहानि नहीं

इस भीषण आग में गोदाम में रखा लाखों का प्लाईवुड और अन्य सामान जलकर राख हो गया, लेकिन राहत की बात यह रही कि कोई जनहानि नहीं हुई। यदि समय रहते दमकल नहीं पहुंचती, तो आग आसपास के प्रतिष्ठानों को भी अपनी चपेट में ले सकती थी और बड़ा हादसा हो सकता था। सीएफओ मनु शर्मा ने बताया कि सूचना मिलते ही फायर यूनिट को तत्काल रवाना किया गया था। मौके पर पहुंचकर स्थिति को देखते हुए अतिरिक्त संसाधन बुलाए गए और तेजी से ऑपरेशन चलाया गया। दमकल कर्मियों की सतर्कता और टीमवर्क के चलते आग को फैलने से पहले ही काबू में कर लिया गया, जिससे एक बड़ी त्रासदी टल गई।

एशियन बीच गेम्स : ईरान ने पुरुषों का सॉकर खिताब जीता

एजेंसी ■ सान्या

दुनिया की नंबर 5 टीम ईरान ने बुधवार को ओमान को 6-2 से हराकर छठे एशियन बीच गेम्स में अपना तीसरा पुरुषों का बीच सॉकर टाइटल जीता।

ईरान को 1-0 की बढ़त लेने में सिर्फ 49 सेकंड लगे, जिसमें गोलकीपर सैयदमोहम्मद दास्तान ने एक शानदार लॉन्ग-रेंज वॉली से बराबरी तोड़ी। पहले पीरियड के आखिरी मिनट में, दावूद शोकरी और मोवाहेद मोहम्मदपुर ने एक-एक गोल किया, जिससे ईरान को पहले ब्रेक तक 3-0 की बढ़त मिल

गई। तीसरे स्थान के प्लेऑफ में, सऊदी अरब ने एक्स्ट्रा टाइम के बाद फिलिस्तीन को 6-4 से हराया।

आईटीटीएफ वर्ल्ड टीम टेबल टेनिस चैंपियनशिप

भारतीय महिला और पुरुष टीम ने जीत का सिलसिला जारी रखा

एजेंसी ■ लंदन

भारत के पुरुष और महिला दोनों खिलाड़ियों ने आईटीटीएफ वर्ल्ड टीम टेबल टेनिस चैंपियनशिप 2026 में अपने दूसरे ग्रुप मैच जीतकर अपनी शानदार शुरुआत बरकरार रखी।

ओवीओ एरिना वेम्बली में खेले गए मुकाबले में भारतीय महिला टीम ने यूक्रेन को 3-2 से हराया, जबकि पुरुषों ने स्लोवाकिया को इसी स्कोर से हराया। वर्ल्ड टीम टेबल टेनिस चैंपियनशिप 2026 में अपने शुरुआती मैचों में, भारतीय महिलाओं को युगांडा से वॉकओवर मिला, जबकि पुरुषों ने ट्यूनीशिया

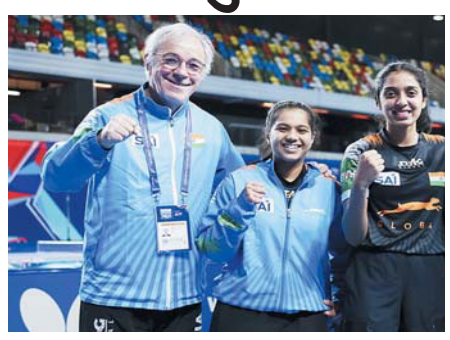

को 3-0 से हरा दिया। वर्ल्ड नंबर 48 मनिका बत्रा ने ओलंपियन तेत्याना बिलेंको को 3-1 (11-9, 7-11, 11-6, 11-5) से हराकर भारत को शानदार शुरुआत दी। टेबल टेनिस रैंकिंग में 61वें नंबर पर मौजूद यशस्विनी घोरपड़े दुनिया की 51वें नंबर की खिलाड़ी मार्गरीटा पेसोत्स्का से हार गईं। इसके बाद दिया चिताले ने वेरोनिका मतियुनिना के खिलाफ जीत हासिल करके भारत की बढ़त वापस ला दी। भारत जीत के करीब था, मनिका बत्रा अपने दूसरे मैच के लिए लौटीं, लेकिन मार्गरीटा पेसोत्स्का से हार गईं, जो टाई का अपना दूसरा मैच भी खेल रही थीं। इस डिसाइडर में यशस्विनी घोरपड़े ने मौके का फायदा उठाया और अपने दूसरे मैच में भारत के लिए तेत्याना बिलेंको को हराकर मैच पक्का कर दिया। पुरुषों के मुकाबले में, दुनिया के 51वें नंबर के मानुष शाह लुबोमिर पिस्तेज से से हार गए, जिसके बाद दुनिया के 38वें नंबर के मानव ठक्कर ने जैकब ज़ेलिंका को हराकर भारत को बराबरी पर ला दिया। एशियन गेम्स के मेडलिस्ट हरमीत देसाई को ओलंपियन यांग वांग ने हराया, जिसके बाद स्लोवाकिया ने फिर से बढ़त बना ली, लेकिन मानव ठक्कर अपने दूसरे मैच में लौटे और लुबोमिर पिस्तेज के खिलाफ जीत हासिल करके मैच को डिसाइडर में पहुंचा दिया। इसके बाद मानुष शाह ने जैकब ज़ेलिंका के खिलाफ आसान जीत हासिल करके मैच को पक्का कर दिया।

मैड्रिड ओपन : फिल्स ने जिरी लेहेका को हराया

जोडार को हराकर सिनर सेमीफाइनल में

एजेंसी ■ मैड्रिड

दुनिया के नंबर 1 खिलाड़ी जानिक सिनर मैड्रिड ओपन में राफेल जोडार को 6-2, 7-6 (0) से हराकर के अपने पहले सेमीफाइनल पहुंचे।

जोडार ने सिनर के खिलाफ सात ब्रेक पॉइंट बनाए, लेकिन इटैलियन खिलाड़ी ने एक घंटे, 55 मिनट की जीत में उन सभी को बचा लिया, जिससे उनकी जीत का सिलसिला 21 मैचों तक पहुंच गया। बाद में पुरुषों के एक और क्वार्टर फाइनल में, फ्रांस के आर्थर फिल्स ने चेक गणराज्य के जिरी लेहेका को 6-3, 6-4 से हराकर सिनर के खिलाफ सेमीफाइनल में जगह बनाई।

पोटापोवा और कोस्त्युक सेमीफाइनल में

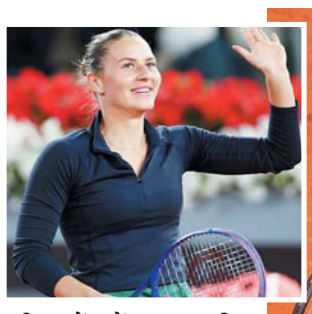

महिलाओं में, अनस्तासिया पोटापोवा ने पूर्व दुनिया के नंबर 1 खिलाड़ी कैरोलिना प्लिसकोवा को 6-1, 6-7 (4), 6-3 से हराया, जबकि 26वीं सीड मार्टा कोस्त्युक ने चेक रिपब्लिक की 13वीं सीड लिंडा नोस्कोवा को सीधे सेटों में 7-6 (1), 6-0 से हराया। कोस्त्युक का मुकाबला सेमीफाइनल में पोटापोवा से होगा।

शिखर धवन के दा वन स्पोर्ट्स ने ग्वालियर में पहला हाई परफॉर्मेंस सेंटर लॉन्च किया

■ ग्वालियर

पूर्व भारतीय क्रिकेटर शिखर धवन के दा वन स्पोर्ट्स ने आज ग्वालियर में मध्य प्रदेश लीग और बुंदेलखंड बुल्स के साथ पार्टनरशिप में आदित्य वर्ल्ड क्रिकेट एकेडमी में अपना पहला हाई परफॉर्मेंस सेंटर (एचपीसी) लॉन्च किया। भारत के अगली पीढ़ी के क्रिकेटरों के लिए एक स्ट्रक्चर्ड रास्ता बनाने के एक बड़े देशव्यापी विजन की शुरुआत करते हुए, इस पहल का मकसद इलाके की अनछुई क्रिकेट क्षमता को सामने लाना और प्रोफेशनल, हाई-परफॉर्मेंस रास्ते को उभरते टैलेंट के करीब लाना है।

भारत के क्रिकेटर और अर्जुन अवॉर्डी शिखर धवन के विजन से गाइडेड, दा वन एचपीसी को पूरे भारत में ऐसे कई सेंटर में से पहला सेंटर माना गया है। वर्ल्ड-क्लास इंफ्रास्ट्रक्चर को लंबे समय के डेवलपमेंट के तरीके के साथ मिलाकर, इस पहल को इस तरह से डिज़ाइन किया गया है कि युवा एथलीटों की पहचान कैसे की जाए, उन्हें ट्रेनिंग दी जाए और खेल के सबसे ऊंचे लेवल के लिए तैयार किया जाए।

दा वन ग्रुप के चेयरपर्सन शिखर धवन ने कहा, 'क्रिकेट ने मुझे सब कुछ दिया है, और मैंने हमेशा खेल को सही तरीके से कुछ वापस देने की एक बड़ी ज़िम्मेदारी महसूस की है। खुद इस सफ़र का अनुभव करने के बाद, मैं समझता हूं कि सबसे ऊंचे लेवल पर चैंपियन तैयार करने के लिए क्या करना पड़ता है। एक ऐसी सोच, ताकि वे सफल होने के लिए बेहतर तरीके से तैयार हों। दा वन हाई परफॉर्मेंस सेंटर उस भविष्य को बनाने की दिशा में एक कदम है।